



# आचार्य श्री प्रवचन

(24.11.2015 से 28.04.2016 तक)



गुरुवर की वाणी,

बने सबकी कल्याणी



संकलन :

मुनिश्री 108 संधानसागरजी महाराज



## ‘ धन की नहीं धर्म की बात करो ’

24/11/2015

सांय 4.30

रहली पटनागंज की सर्वतोभद्र क्षेत्र के नाम से घोषणा। चारो तरफ से रास्ता है। बीना बारहा गये तब नदी चढ़ी हुयी थी। एक दिन की प्रतीक्षा करनी पड़ी। बुंदेलखण्ड के लोग अपनी आय से कुछ न कुछ निकालते रहते हैं। कार्यकर्ता के साथ मिलकर काम करे। पीछे न चले साथ चले। हम धन की बात नहीं धर्म की बात करते है। पढ़े लिखे युवकों द्वारा खेती में वर्षा आदि से लाभ न होने से उनको रोजगार, कार्य में लगाया है, वे नयी क्रान्ति लायेंगे। आपस में मिलकर चलें। हमे ये बनना है-3, नहीं अपितु हमे ये करना है-3 कहें। जनता के उत्साह को प्रोत्साहित करते रहे। गुरुजी कहते है सागर कितने बार गये ये देखो।

## “ काल बिना कुछ नहीं ”

25/11/2015, रहली

सांय 4.40

जब काल भी शामिल हो जाता है तो कार्य पूर्ण देखने में आता है। ध्वजा फहराती है पर अपने आ प नहीं हवा न चले तो कुछ नहीं उसी प्रकार काल भी 6 द्रव्य में एक है।

हमें प्रतिदिन प्रतीक्षा करनी पड़ती है। मोह को बढ़ा हो तो प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती पर मोह घटाना हो तो बार-बार प्रतीक्षा करवाते हो। कंवरसाहब की भांति आपको मनाना पड़ता है। वो जानते हैं कि यह अवसर है करने का समय कम रह गया है।

## “ तापत्रय से बचें ”

26/11/2015, गढ़ाकोटा

प्रातः 9.15

जीव जगत की विवक्षा को आचार्यों ने बहुत गहराई से समझाया। वही चढ़ाना है जो उचित है। धान अंकुरित हो सकता है चावल नहीं। प्रत्येक धार्मिक क्रियाओं को बड़ी सावधानी के साथ करना चाहिये। आचार्यों ने हमे प्रत्येक कार्य हेतु जाग्रत किया है। कैसे दर्शन करें- कैसे पूजन करें। जिन्हें लाडू चढ़ाया उन्हें भूख नहीं लगती। जन्म-जरा-मृत्यु= पत्रय कहलाते हैं। तीनों ताप देने वाले है संस्कार जो पढ़े हैं उन्हें देखें अच्छे है या बुरे। ये भोजन नहीं भजन है। 15 मीनिट पर्याप्त है।

## ‘जो चाहो सो पाओ’

28/11/15

प्रातः 9-30

भरोसा पक्का होगा तभी मुक्ति मिलेगी। काम किये बिना ही परिणाम चाहते हो। जिस ओर भगवान गये हैं उसी ओर चलना है। मंगलाचरण पूजन करते जाओ करो कुछ नहीं कैसे पार होंगे। दुनिया की बात चाहोगे तो दुनिया ही मिलेगी। तुम भीतर जाओ।

## ‘देव करते हैं नमन’

29/11/15

सांय 4:15

देव बनकर स्वर्गों में इस (पंचकल्याणक) प्रकार के महोत्सव नहीं होते-यहाँ आकर वे देव इस प्रकार का महोत्सव कर सकते हैं। पर इस मानव के कारण ही उनको लाभ मिल रहा है। देव हमेशा अधर में लटके रहते हैं। मानव को सदैव धरती का आधार रहता है। मनुष्य की विशेषता है कि वह अहिंसादि व्रतों में निष्ठ रहते हैं। शापानुगृह शक्ति देवों में होती है। महापुरुषों द्वारा हिंसा करने वाले को भी क्षमा। अयोध्या-तीन लोक से यहाँ जीव आता है उसकी सदैव जीत होती है उसे कोई युद्ध कर जीत नहीं सकता। उन्हें नींद नहीं आती जो अधर में लटके हैं। यहाँ आराम भी मिलता है। श्रम भी है। उनके पसीना भी नहीं आता है। आपका वे कुछ भी नहीं बिगाड़ कर सकते। आपको अपने ही पाप कर्म का फल मिलता है। देवावितस्स पणंभत्ति--एक माला लेकर फेरना शुरू करो सब आ जायेगे। आप सभी ऐसे भक्त बनों-कि भगवान बनने में देरी नहीं लगना चाहिये। किसी भी स्थिति में इण्डिया नहीं कहना। यह भारत हैं-भारत के नाम से। हम विमानवासी एवं वाहन वाले नहीं यहाँ से जाने में समय लगेगा।

## ‘भावना दूसरों के कल्याण की’

1/12/15

प्रातः 9-40

मंच पर प्रतिनिधि मण्डल है। ये निधि नहीं प्रतिनिधि है। निधि तो सामने बैठकर पूजा कर रहे हैं। आपको चयन करके भेजा है। मुख्य निधि तो वे हैं जो आज गर्भ में आये हैं। जंगल में बैठकर भी तीर्थंकर प्रकृति का बंध हो सकता है। पर में लगा हुआ है। कोई संदेह नहीं पर के कल्याण की भावना विरले ही कर सकते हैं। विरला भारत में बहुत नाम आता है। आयोजन का प्रयोजन दृष्टि में रखते हैं? हमारा प्रयोजन अपने कल्याण के साथ-साथ दूसरे का भी कल्याण हो जाये ऐसी भावना रखो। इस नश्वर जीवन को कोई अविनश्वर बना ही नहीं सकता पर के साथ संबंध रखते हुये भी अपना कल्याण कर सकते हैं। सामने वाला स्वाहा बोलता है तो अर्घ में मूल्य बढ़ जाता है। अनर्घ की प्राप्ति हेतु अमूल्य चढ़ाते हो। पर का कल्याण पहले हो तो मेरा नंबर आ जायेगा। हटना ठीक नहीं हट सकते नहीं हट करना ठीक

नहीं। जमीन से ऊपर उठने वाला कभी गिरता नहीं। सह्य खेलकर आने वाला घोटाले में आ जाता है। सबका भला उसमें मेरा भी भला हो जायेगा। कितनी भी कठिनाई क्यों न आ जाये उनकी दया-अनुकम्पा-करुणा में कमी नहीं हो सकती ये स्वभाव है आप सबको व्यस्त देखकर मुझे प्रसन्नता होती है। रोजी-रोटी मिल जाये- 3 तंत्र ही काम शेष रोजगार अपने आत्म कल्याण का भी होना चाहिये। मूल जमीन है। उससे जुड़े रहना परम आवश्यक है। माता-पिता बेटा हो- चलना हो-दौड़ना हो गैर लाइन न जाये। दुखियों के दुःख मिटाने की भावना करने से अपना दुःख स्वयं ही भूल जाता है। भगवान के चरणों की छाया में ही सुख मिल सकता है। हार-मुकुट पहने हो। भूख के समय हार मुकुट नहीं। दूर से नमोऽस्तु।

## ‘क्षयोपशम या क्षायिक’

2-12-15

प्रातः 10 बजे

पाण्डाल नहीं गये 2-3 बार बोला। शोर लग गयी है अभी नहीं जाना। तर्क नहीं वैराग्य चाहिये। प्रत्यक्ष संकेत हो परोक्ष नहीं। स्वतः प्रमाण वाला ही संकेत है। अवधिज्ञानी को नमस्कार किया गया है पर किस अवधिज्ञानी को-जो रत्नत्रय से संयुक्त हो। जिनसेन स्वामी ने यह बताया। क्षयोपशम सम्यग्दर्शन धारी मुनिराज है और क्षायिक सम्यग्दृष्टि श्रावक-तीर्थंकर प्रकृति का बंध करने वाला, बारह भावना भाने वाला वह श्रावक उन मुनिराज को आहार देगा। वे मुनिराज उसकी विनय/विधि/आदर को देखेंगे/आप 28 मूलगुण देखे हम 7 गुण देखेंगे। प्रश्न-दर्शन ज्ञान चरित्र में पहले दर्शन को क्यों रखा-गुणों की अपेक्षा यह क्रम है।

## ‘कारण बिना कार्य कैसे’

3/12/2015

प्रातः 9-15 बजे

वैद्य वही जो रोग को हटाने का उपक्रम करता है। वात-पित्त-कफ के माध्यम से रोग होता है यही मात्र कारण होता है- आयुर्वेद (प्रा.चि.)में। परन्तु ऐलोपेथी वाले इसे स्वीकार नहीं करते। वे रोग होना अकारण मानते हैं। अपने यहाँ कारण के बिना कार्य की सिद्धि नहीं होती है। न्याय का सूत्र है- कारण बिना कार्य कैसे। “प्रज्ञाप्त काल” आधुनिक युग में इसे मनचलापन कहते हैं। बच्चा ही मनचलापन करता है। पर बड़े भी करें तो क्या होगा। बच्चों को तो समझाने का प्रयास किया जाता है- वह जो चाहता है उसकी पूर्ति नहीं करता। वात-पित्त-कफ का प्रभाव मन पर भी पड़ता है। आयुर्वेद का यह सिद्धान्त बहुत बड़ा है। मन को संयमित रखेंगे तो त्रिदोष की विषमता स्वतः दूर हो जायेगी। हमारा भी कल्याण हो जाये। कल्याण चाहते हैं- पंच कल्याण नहीं। मांगना भी नहीं, नहीं तो निदान हो जायेगा। पंचकल्याण नहीं भगवान का समवशरण मिल जाये तो भी कल्याण हो जायेगा जिसकी मांग की जाती है वह जल्दी नहीं मिलता है। शक्कर एवं गुड़ में बहुत अंतर है। शक्कर चक्कर द्वार है। गुड़ की प्राप्ति अलग ही प्रकार से होती है।

प्राचीन चिकित्सा में जिससे बचना है, इस बात का पहले ध्यान रखा जाता है। तप में कल्याणक का अर्थ निहित है। उन्होंने ऐसे कार्य किये जिसका फल उन्हें मिला। माँगना नहीं है मात्र फल की ओर दृष्टि रखो। कर्म करोगे तो फल तो मिलेगा ही। स्मरण में करने से भी कर्मों की निर्जरा होती है। कर्म को बलात् उदय में लाकर नष्ट कर दिया जाता है। कर्म को बलात् उदय में लाकर नष्ट कर दिया जाता है। कर्म को गौण करने से कुछ नहीं होगा। आप अपना कर्तव्य करते जाइये जिसका अर्जन होगा वह तो होगा ही। रोग कर्मोदय से होता है। जो शक्कर नहीं खाता-उसे भी मधुमेह होता है। जानवरों को भी होता है। भावो के माध्यम से बंध एवं निर्जरा दोनो हो सकती है। तप कल्याण से निर्जरा नहीं तप से निर्जरा होती है। आज प्रातः ब्रह्मचारियों ने दीक्षा के लिये उपवास माँगा। कितने चतुर है। कर्म निर्जरा में चतुराई दिखाओ तो हम माने। इन कल्याणकों में देवी-देवता आते हैं, इसलिये कल्याणक कहा है और कोई अर्थ नहीं है। “इच्छा निरोधः तपः” इससे स्पर्धा कर सकते हैं। हम तो स्पर्धा का समर्थन करते हैं, जिस दिशा में कदम उठाओगे उसी से काम होगा। इच्छा निरोध से स्पर्धा करो। मां बेटे की नटखट को जान जाती है। उनका कल्याण हो जाये- अतिशयोक्ति नहीं वे तीर्थकर है। हमारा कल्याण तो तप से ही होगा। दीक्षा का उपवास नहीं माँगना- हम ना भी नहीं ओर हाँ भी नहीं कहेंगे। आप जाने। ऊँ नमः।

## ‘विवाह संस्कार कैसे हो’

5/12/15

प्रातः 9:40

- \* गहनता को ओर गहन नहीं सरलीकरण करके प्रस्तुत करना चाहिए
- \* समस्याएँ आती हैं-समय पर समाधान भी होता है, हम हमेशा शतरंज चाल से चले-दक्षिण में बुद्धिबल कहते हैं न्याय में तर्क-व्याप्ति आदि से प्रमाणित किया जाता है।
- \* हमारे संत पहले से ही सारी समस्याएँ सुलझा चुके हैं। गुफाओं में बैठकर। अकेले बैठते हैं पर अकेले सोचते नहीं हैं। ऋषभदेव ने आहार लिया। मेरे द्वारा इनका कल्याण कैसे होगा यह बताया। आधार पूर्वजो का लेना। वे भले की बात करते हैं। 4 अक्षर की इस कविता ने मेरा मंचन कर डाला। किसी भी अन्य ग्रन्थ में जैन धर्म का उल्लेख क्यों नहीं, गौ संक्षरण की बात का क्यों नहीं। वीरसेन महाराज ने धवला में कहा- या श्री सा गौ। श्री लक्ष्मी कौन सी गौ। व्याकरणाचार्य भी है श्री स्त्री में भी पुर्लिंग में भी। सो स्त्रीलिंग है। विवाह की बात करते हो- महापुराण में विवाह एवं बच्चो के संस्कार की बात क्यों आयी। “दुःख निवृत्ति प्रवीचार” पीड़ा के अतिरेक में न स्व का कल्याण न पर का कल्याण। पहले इस पीड़ा को हटाओ। स्वदार संतोष व्रत भी ब्रह्मचर्य है। अब नाभिराय ग्रहस्थ नहीं रहे वानप्रस्थ आश्रम में आ गये। आगे वृषभ जाने वे ही सब कुछ करेंगे। संतान के बिना धर्म कभी आगे बढ़ नहीं सकता। डेम नहीं बनाना। प्रवाह बनाना है। पानी आगे न बढकर ऊपर बढ़ने लगा है। संग्रह सीमित होना चाहिये परिग्रह नहीं होना चाहिये। वर्षा आ जाये तो डेम खोलो बिना विवाह-प्रवाहित हुआ क्या-

पवित्र मानव जीवन का रहस्य है कृषि जीवन। वे सूत्र वेत्ता थे और सूत्र सृष्टा भी थे। छोटी सी पुस्तक-चोटी के विद्वान भी नहीं पढ़ सके हैं। कृषि करो- बैल-कहाँ से- या श्री सा गौ। एक विद्वान ने कहा पति-पत्नि दोनो को अकेले माने। दम्पति-दमित पति इति दम्पति- दमित किया गृह मंत्री श्रमण ही एकांकी हो सकता है। आप तो डबल ही होंगे। पाँच तीर्थकर ही बालब्रह्मचारी अपवाद है। पर 19 विवाहित। बीज बोओ फल लेओ। फिर बीज बोओ ये प्रवाह चलते रहना चाहिये-धर्म का प्रवाह तभी होगा। जो निर्देशक का काम लिये बिना चल सकता है चले अन्यथा मिलकर सहयोग ले। बूंद-बूंद के मिलन से जल में गति आ जाय- 1-9 तक मात्र ईकाई में ही संख्या है। 1 से 9 तक ही संख्या है। गुरुजी-व्यक्ति का निर्माण करो संस्कार के माध्यम से। आधार। आगम सहित चले तो सब ठीक होगा। क्षेमं सर्व प्रजानां। हम तो राजा नहीं महाराज है। कन्या+आदान नहीं कन्या+दान ठीक है। दान ऐसे ही थोड़े सोच समझकर दूँ, दूसरा भिखारी थोड़ी ही है। पिताजी को बुलाकर लाओ पहले देखलो की आप योग्य है या नहीं। विदेशी पद्धति का अनुकरण करने वालो क्या जानोगे भारत की विवाह पद्धति को महापुराण को खोलिये। विवाह क्यों एवं विवाह के बाद भी कैसे रहना सब कुछ दिया है। विदेश में एक व्यक्ति ने 80 बार विवाह किया क्या है भारत में एक ही बार विवाह होता है। उसे चाबी दी जाती है। या श्री सा गौ। मूकमाटी में वर्ण संकर नहीं वर्ण लाभ हो। दूध में पानी हो, अकुआ का दूध न हो। कन्या फोकट में भी मिल जाये तो भी नहीं लेना। हाथी फोकट में भी मिले तो नहीं लेना। शीलवती हो। सीता की तरह मुझे छोड़ा वैसे धर्म को नहीं छोड़ना। प्रजा का रक्षण करना राम का कर्तव्य है। मर्यादा भंग नहीं हो जाये।

## आओ करे क्षमा

7-12-15

प्रातः 10.00

प्रत्येक कार्य में गलती होना स्वभाविक है, वर्तमान में 33 नं. वाले को भी उत्तीर्ण कहा जाता है। कार्यकर्ताओं के उत्साह के लिये एवं आगे बढ़ाने के लिये गलती बताना जरूरी है। गलती होना स्वभाव है पर जानकर नहीं करना है। जल ठण्डे स्वभाव वाला होता है- अग्नि के संपर्क से वह गरम हो जाता है। गरम पानी भी अग्नि को बुझाने की सामर्थ्य रखता है। कार्यकर्ता भी गरम हो जाता है, पर उनका मन्तव्य समझ लेना चाहिये, वे गलती भी कर सकते हैं पर भाव गलती करने का नहीं होता? कार्यकर्ता के गलती करने पर महाराज गुस्सा हो जाते हैं। क्यों ठीक है न। कान भी पकड़ना पड़ता है, पुचकारने मात्र से काम नहीं चलेगा। कान में पाइन्ट भी होते हैं। पहले के राजा-कौन कान पकड़े, हाँ छेद कराते हैं तो पकड़ में आता है। उनके कुण्डल हमेशा कान खेंचते हैं। बड़े राजओं को भी यह चेतावनी होती है। आपस में क्षमा करे- क्षमा माँगे यही सही समापन समारोह है।

## ‘लकड़ी या कंकड़’

9-12-15

प्रातः 9-30

छोटा सा भी कंकड़ क्यों न हो किनारे पर खड़े होकर छोड़ दिया और वह डूब गया। बहुत बड़ी लकड़ी का लट्टू छोड़ दिया छोड़ दिया वह जाकर तैरता रहता है। सम्यग्दृष्टि जीव बहुत सारा परिग्रह होते हुये भी उसके प्रति निरीह रहता है, इसलिये दुर्गति का पात्र नहीं होता। सम्यग्दृष्टि के अभाव में आशा और मोह होने से थोड़ा सा भी परिग्रह उसे डुबा देता है। आप क्या बनना चाहते हैं। लकड़ी या कंकड़। सोच लो।

## ‘कुँए का पानी’

11-12-15

प्रातः 9-15

आज वर्तमान में जो गतिविधियाँ होती हैं- वे पहले नहीं होती थी। वो क्या था। प्रातः काल रोज जल्दी उठना- पानी भरना। कोई नदी कोई बावड़ी कोई कूप से लाना। हम कूप की बात करना चाहते हैं। ऊपर से घड़े को डाला- गले पर रस्सी बांधकर। ज्यों ही पानी तक घड़ा पहुँचता है- हिलाने से कुछ नहीं होता- थोड़ा सा छोड़ उठाया त्यों ही लुड़क गया- पानी भरने के लिये 2-3 feet रस्सी ढीली छोड़ देते हैं। घड़ा भीतर तो जायेगा ही नहीं रस्सी जो हमारे हाथ में है। विश्वास है। अब दो हाथ तक तो पता ही नहीं चलता ज्यों ही पानी को 1/2 अंगुल भी ऊपर आया कमर टेडी हो गयी, सामने नहीं अब पीछे झुकेंगे। पीछे की ओर तनाव रखकर रस्सी को खींचेंगे। धीरे-धीरे पूरी शक्ति लगानी पड़ती है। पहले वह वजन कहाँ चला गया था जब पानी में था। पहले 20 kg वजन कहाँ चला गया था। पानी में हवा नहीं है। हवा के ऊपर ही भार का पता चलता है। पहले इसीलिये भार ढोने में जलयान का प्रयोग होता था आज पेट्रोल का प्रयोग होता है। मछली आदि भी जल में रहते हैं वे अल्प वायु से अपना काम चला लेते हैं- आप लोग भी हवा में आये की बस हवा लग जाती है। उपरील बाधा लग जायेगी। विदेशी हवा से आप लोग बच जाओ। भारतीय भीतरी प्राण वायु को लेते हैं। उपरिल हवा का मतलब भूत लगना है। आप लोग भूत से बचना चाहते हैं। जिनके पास था- फेंक दिया अपने आप बच गये। ज्यादा हवा में आओगे तो दिक्कत होगी। पहले के लोग संग्रह करते थे पर परिग्रह नहीं रखते थे। संग्रह का अर्थ अलग है- परिग्रह नहीं होना चाहिये। Exp. एक किसान 10 feet पानी (सुबह वाला)। पानी उतना ही उसने सोचा पानी को भूत लग गया इसी को भूत कहते हैं। परिग्रह है। दूकान चलाते हो तो उसी अनुपात में निकालना तो पड़ेगा। नहीं निकालोगे तो ऐसे (पूजा-पंचकल्याणक का ईशारा) निकालना पड़ेगा। हम बाहर लाना नहीं चाहते- होश-हवास बनाकर रखो। पानी में हवा तो है, पर वह घड़े पर दबाव नहीं डाल पाती है। जैसे ही बाहर आया मालूम चल जाता है- “कितने पानी में है आप”। मूर्च्छा से बचिये। परिग्रह न हो पाये। ये भी अतिशय है रहली का। जन्म कल्याणक को आता नहीं। शोर में मेरा क्या काम। परन्तु यहाँ माल बिक गया इसलिये हम यहाँ आ गये। मछली के पानी में प्राण सुरक्षित रहते हे आप रहो तो प्राण चले जायेंगे। ऐसे ही मछली बाहर आयेगी तो प्राण चले जायेंगे। क्यों छोटे लड़के को दूध पिलाओ तो छोटी चम्मच से पिलाया जाता है। प्राण वायु



की मात्रा ज्यादा होने से वह प्राण लेवा हो जाती है। पानी का दूसरा नाम कोषकारों ने विष भी लिखा है। अतिमात्रा में एवं अतिअल्प मात्रा दोनों में मछली या आप के प्राण निकल जाते हैं। ज्यादा नहीं देंगे बस इतना ही। नहीं तो परिग्रह हो जायेगा। मध्यान्ह मे फिर देख लेंगे। समय तो आज आप ही देंगे कल से हमारा समय आ जायेगा।

## ‘दूध और घी की अनुभूति’

12-12-15

प्रातः 9-30

सुनो- आत्मा इस शरीर में है जैसे लकड़ी में अग्नि, तिल में तेल और कनक पाषाण में स्वर्ण की भांति। इसमें कोई अविश्वास नहीं। कुछ लोगो को अपने घर का श्रद्धान है। भ्रम है कि चारित्र की कोई आवश्यकता नहीं क्योंकि अनुभूति तो हो ही चुकी है। ऐसा है तो दूध में घी का अनुभव कर लो। थोड़ा सा दूध ले लो और सूँघ लो। अनुभव अलग है और श्रद्धान अलग है। फिर भी घी मान रहे हो तो हम पूँछते हैं आप लोग घी की आरती क्यों दूध की आरती उतारो। दूध में घी का अनुभव होना और श्रद्धान होना अलग है रागानुभूति है। आत्मा झलक रही है। छलक रही है। श्रद्धान त्रैकालिक होता है, अनुभूति वर्तमान ही हुआ करती है। अभी तो आत्मानुभूति छलक रही है। दूध में मुख नहीं दिखेगा घी में मुख दिखेगा। भ्रम को दूर कर दो। दूध में घी है यह श्रद्धान है पर अनुभूति नहीं। पार्टी बदल लो तभी अनुभूति होगी।

## ‘फेरी-फेरे काटने वाली’

14-12-15

प्रातः 9-40

आज भगवान ने वह पा लिया जो पाना था। सिद्ध भगवान हो गये। अरिहन्त से बड़े हैं पर अरिहन्त से हमे ज्ञात हुआ इनके बारे में। कर्म रज नष्ट हो गई। आयुर्कर्म का एक प्रदेश भी शेष रहे तो भी संसार में रहेंगे। फेरी है-फेरे को काटने वाली है।

## रविवारीय प्रवचन

20-12-15

दोपहर- 3-30

बाडा वही है पात्र चयन के समय जगह नहीं भी हो ऐसा क्यों पैसा हजम-मेला खतम। मेला के बाद ऐसा ही होता है। पुराण-पुरुष कभी पुराने नहीं होते। वे तो हमेशा-हमेशा युगीन समस्याओं का समाधान देता रहता है। युग पर ऐसे व्यक्तित्व की छाप होती है- जो पुराण होते हुये भी नवीन बनी रहती है। पुराण कभी पुराना नहीं होता। रामायण का प्रसंग है। उस कथा का भाव/ कथ्य आज भी प्रासंगिक है। क्योंकि किसी भी रूप में वह राजा नहीं होते हुये भी

जनता की भलाई का उद्देश्य होता है। उद्धार हो ऐसी भावना पुराण पुरुष रखते हैं। सिंहपुर से चांदपुर के बीच में मुडैरी पड़ी- डोंग रिया एक गांव पड़ा। कार-बस- मोटर साइकिल वाले नहीं जा सकते हैं। वह तो महाराजमार्ग है। अनंतपुरा वाले भी सोचते रहे कि महाराज कहाँ गये। चांदपुर में मुकाम हुआ- सुबह बिहार हो गया। अबकी बार सुबह पहुँचने की भावना थी। मार्ग में एक विशाल वट वृक्ष जैसा आम का वृक्ष था। उसके नीचे 500 गैया भी बैठ सकती है। जिसने लगाया होगा उसके भाव होंगे फल-छाया, विश्राम आदि ले सकें। जब घास भी सूख जाती है तब जानवर भी उसके नीचे बैठ सकता है। उस किसान के भीतर वह विशालता थी। पुराणपुरुष ऐसे ही होते हैं उनके विचारों में कभी संकीर्णता नहीं होती विशालता होती है। आम के पेड़ लगाने वाले के लिए कहावत- न तो उसे छाया न उसे फल खाने को मिलेंगे। ऐसे विशाल वृक्षों के नीचे देवगण भी रमते हैं। स्वर्ग में अमरावती नंदनवन हैं वहाँ भ्रमरो का मन नहीं उन्हें भी जंगल के पेड़-बगीचे आदि अच्छे लगते हैं। कोठी की छव फाड़कर सेठ के यहाँ नहीं बरसते हैं छप्पर फाड़ के देता है- ये तो सुना है। छप्पर किसान के पास है। होगा। रहली वाले भी छप्पर वाले ही हैं। पुराण पुरुषों ने इस कथा प्रसंग को अपने अनुसार रखा। रविवार को आज बाजार का दिन-हमारा भी बाजार का दिन है। अपने-अपने माल की गुणवत्ता है। उधार देते ही नहीं। सब नकद लेते हैं। सागर-दिल्ली वाले भी हमारा माल लेने आते हैं। जीवन व्रत क्या है- उसे पढ़ें। प्रसंग है कृतांत वक्र जाओ सीता रानी को यात्रा कराके ले आओ। हम बार-बार कहते हैं- हम जब यात्रा में ही हैं तो फिर कौन सी यात्रा का विकल्प है। अंतः वह यात्रा झूठी नहीं थी। आप लोग-सुबह जाओ-मध्यान में जाओ- अंथऊ को लोटकर आओ। आने के साथ ही जाने का टिकिट भी साथ लेकर आते हैं। हम लोगों की मंजिल तक पहुँचने तक यात्रा चलती ही रहेगी। घोड़े तैयार-सब लोग समझ रहे हैं यात्रा शुरू-घोड़े भी सोच रहे होंगे। कृतांतवक्र भी सोच रहा होगा। धूल उड़ गयी- आसमान में उड़ गयी। पीठ भी धीरे-धीरे छोटी होती गयी ओर दिखना बंद हो गयी। राम को अच्छा लगा। ये प्रसंग बना-सब अपना ही रोना रोते हैं। लो प्रसन्नता का विषय-अब कोई विकल्प नहीं। जनता में किसी प्रकार से गलत सोच न आये यदि ऐसा होगा तो कर्तव्य से विमुख होने की संभावना रहती है। यह विशेष अंग-प्रसंग है। यात्रा के बहाने भयानक जंगल में पहुँच गये- दिन में भी अंधेरा रहता है। मनुष्य का आवागमन नहीं-पशु पक्षी सिंह चीते आदि का राज वहाँ पर है। मातेश्वरी-राजा की आज्ञा ही मेरा जीवन/मेरा प्राण है। राजा की आज्ञा ही सब कुछ है। आँखों में पानी। आप लोग यात्रा पर वहीं जहाँ व्यवस्था हो। बड़े बाबा के यहाँ आदि व्यवस्था न हो तो हम तो नहीं आ सकते। ऐसी वह यात्रा- बोलने की बनी नहीं। मैं जा रहा हूँ। राजा की आज्ञा है। ठहरो। अभी यात्रा कहाँ हुयी। बहुत समझदार थी वह रानी- राजा कितने थे पता नहीं। हर घड़ी में वह स्थिर रही। मुँह से उफ तक नहीं निकाला कभी उसने। शरीर-धैर्य की पूरी ताकत लगाकर, आप चढे हो पहाड़ पर- मुख से निकलता है- अब दौबारा तो नहीं आयेंगे यहाँ। कुछ लोग- खिचड़ी बनाकर रखते हैं जैसे- अमृत का कोठा खुल गया हो। सीता इन सब से बेखबर-क्यों नहीं, पति की आज्ञा थी- यात्रा पर जाओ। गर्भ में एक है या दो शिशु। सोनाग्राफी तो थी नहीं। लड़का है या लकड़ी। तद्भव मोक्ष गए। सीता से भी पहले मोक्ष जानेवाले। अपने-अपने कर्म का फल भोगे, संसार एक खस टट्टी सिंचता एक ले रहा बहार। वातानुकूलित जगह बैठा है। एक व्रती बाहर एक बार का भोजन लेकर भी कर रहा है। कर्म का उदय ऐसा ही है। यह सिद्धान्त प्रत्येक व्यक्ति की खुराक है। ऐसी खुराक वाला कभी

भी दुःख का अनुभव/ दीर्घ श्वास का अनुभव नहीं करेगा। इसका अनुभव उसे ही जो तीर्थ यात्रा करेगा। ऐसा तीर्थ जहाँ से फिर वापस नहीं आना पड़ेगा। अब आगे क्या है जो हमने किया है। वही तो सामने आयेगा। अच्छा नहीं लगता है तो अब अच्छा बोलें चले जाओ। जीवन कैसा मिलेगा जो है उसे स्वीकार करो। जो परिश्रम को दुःख का कारण मानता है उसको सारी बीमारियाँ होती हैं। हार्ट, पेट सब गड़बड़। श्रम करने से पूरा शरीर ठीक कामकरेगा। आप विश्राम करें पर हार्ट (हृदय) को विश्राम न करने दें। मैं जागूँगा तब रूकेगा। ऐसा नहीं जैसे तुम्हारे बाप का नौकर हों। इस यात्रा का अनुभव मात्र सीतारानी ने किया। राम-लक्ष्मण ने इस यात्रा को नहीं अनुभव किया। राम राज्य है। कैसा राम राज्य। अपनी पत्नि को जंगल में भेज दिया। एक घर को नहीं संभालना था। वसुदेव कुटुम्बकम धरती पर सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। तभी राजा राज्य का संचालन कर पाता है। सिंहासन पर बैठने मात्र से राजा नहीं। सिंहासन मात्र इसलिये की ऊपर से देखने पर पता चल जाता है- कि कौन कहाँ-कहाँ है। किसान शाम को मेड़ पर चढकर सिंहावलोकन करता है- फसल चारो ओर खड़ी है- दाना भरता जा रहा है। महाराज वर्षा नहीं तो ठण्ड तो ले आओ। आप जॉकित खालेंगे तब तो। आप लोग तैयार ही नहीं थे। 24 घण्टे सर्दी का मौसम है। आटा (माल) भरपूर मिलता है। गृहस्थ को सोचना है। कर्म जो हमने किये हैं उसे प्रतिक्षण अनुभव करना है। सर्वांगीण विकास तभी सम्भव है। इस प्रकार कृतांतवक्र आज्ञा चाहता है ऐसा कहते ही सीतारानी कहती है- मार्मिक प्रसंग है- इसी बीच वह कहता है- यह कैसी आज्ञा-कब तक पालन करता रहूँगा। आपकी तो अवज्ञा हो रही है। हां आपकी बात पहुँचा दूँगा- “जैसे मुझे छोड़ दिया-वैसे कभी धर्म को नहीं छोड़ना।” “प्राण जाय पर प्रण न जाय-यही रीत रघुकुल से ही आयी। जो प्रण प्रजा के लिए ले रखा है वह कभी टूटना नहीं चाहिये। आज भी चल रहे हैं- पाँच वर्ष में मंत्रीयों के चुनाव। कोई भी हो चाहे राष्ट्रपति भी हो तो भी शपथ। High Cout या Suprim Cout व जज से खड़े होकर। आप घड़ी नहीं है पर धूप घड़ी तो है। अंथऊ सुरक्षित है आपकी। रविवार को यह छोटा सा प्रसंग रखा। जब तक आशा है तब तक वह कृतांतवक्र काम करता रहेगा। पदमपुराण जैनियों के यहाँ। पदम राम का नाम सीता-पद्मनि राजा-रानी। मात्र सीता ने ही नहीं राम ने भी कष्ट अनुभव किया। मर्यादा पुरुषोत्तम राम।

# ^røjs fcu ejk dkbZ ughā\*

22-12-2015

i kr%09%80

vHkh i utk ea, d ykbu vki dkscgr i l in vk; h gksxA ep-shkh vk; hA oksGS^røjsfcu ejk dkbZ ughā\* ; svUnj l sgkA ckj l sughA fl ) i Hkqgh i fj i wkZgs 'kSk l c fdl h u fdl h dh 'kj .k ea gA vfjgr dksHkh vHkh fl ) cuuk gA ge Hkh i Hkql s; gh dgrsg& røjsfcu gejk dkbZughA x# th l s ydJ vkpk; Zdtjndtjn rd l cdk v/; ; u fd; k rks i k; k fd budsfl ok; dkbZHkh bl tx dks i kj dj kusokyk ughagA eSHkh vHkh i Hkql s; gh dgrk gwfd rø gh ejsl c dN gkA

HkFDr , d sdjksfd vkj [kkaea i kuh vk tk; } jkx dsdkj .k ughavfi rqi Hkqdsvugj kx dsdkj .kA vkcY; k ftunø----- i frfnu Hkkouk djks tc rd l d kj l s i j u gksn; gs i Hkqrjs pj .k l nō ej s ân; eaj gA Mm tkvkshkFDr eadeZfu .kZ vo' ; gksxA bl l sl Lrk l k/ku nfu; k eavkj dkbZughA ge l ksf l Hkh ; gh Hkkouk dj rsgj røjsfcu gejk dkbZughA

bZ kA Fk dsi gysi gh&eS-h dh ckr dhA mRi knD , oami HkkDrk dschp eadkbZrhl jk ughavkuk pkfg; A ; gh ek; ktky gS ok; knk 0; ki kj dkycktkjh dj rsgA egkRek xk/khth dh i lrd ea [krh& i 'kj kyu&gFkdj?kk ; srhuksrk; A

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^gedks D; k&budks gekjk /; ku gS\*\*

23-12-2015

i kr%09%80

i kr%09%80 i j vkf; Bk x#erh&enrth th l ak l fgr 52 vkf; Bk vkaok x# l sfeyuA i utk dsckn x#erh th }kj x# dh 'kj .k tksvk x; k&Hkkouk i j x# th usdgk&dy , d ykbu røjs fcu gejk dkbZughacpsy [k .M Hkk"kk eacgr l kj xFHkZ gA vkt Hkh Hktu xk; k ge Hkh ; gh dgrsg& gedksD; k&budksgekjk /; ku gA l c , d&nit jsdk /; ku j [kksrksCBlk i kj gkstt; sxA v/; kRe ea thusokysvki l Hkh /; ku dh ckr dj kA i Hkql si bfr j [kka i ki l shkfr djusokysl nō vkn' kZdk gh /; ku djrk jgrk gA

I ka 04%80 Jkodkadsvk/kkj i j gh /keZvixsc<rk gA bl dky eage vi usdksi # "kkFkZl scpk l drsgksrksckp yuA dkyákl dh vkj gSi j yMlrdk ughagA vHkh eamUghadks l e; nrk gw tksed dks l keusj [krk gA Love okyh i lrd&l Hkh cFPp; ka dksbl scrk; &l e>k; A fo" k rksfo" k gh gA ?kVuk; avki crk; &bl idj l sfd mueaf' k{kk vk; A i # "kkFkZ&HkX; dh l hek bu nksuka dschp ea vki dk thou gA D; kAd vki dsl kFk deZ dk mn; l nō yxk gA i # "kkFkZ dh Hkmedk ughagSrks

d"kk; @ iki cak vksj I Ukk fQj mn; ea; gh Øe pyrK jgskA rRo dsfparu eafef; kRo dk mn;  
Hkh gksrksck/kk ughA pksi pedky gks; k prfKZky gkA i # "kkFKZgh I c dN ugh& fcuk i # "kkFKZHkh  
dN ughagksI drkA i ksk/kksI okl dsl e; Lok/; k; djA fparu djA

fonsk eackS) /keZ dk i pkj T; knk D; kA tsu /keZHkkjr eaHkh Nks/k gksrk tk jgk gS fparK dk  
fo"K; gS vki I Hkh dh usrd fteenkjh gS i pe dky vkfn dgdj vi us vki dks eDr er djks  
i # "kkFKZdjka

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^ftI dk vksj u Nksj \*\*

24-12-2015

prnz kh jgyh /keZ kkyk

i kr%09%0

nksg & {ks=&dky dksn[qrte----- ftI dk vksj u NksjA dksu vkx&dku i hNA I oKk gksdj Hkh  
u vkfn gsu vr gA vYi K ustc dHkh Hkh I oK I siNk fd ckrkvisi gysdksA I oK usvYi K I s  
dgg&igysI oK cu tkvksirk py tk; skA I kjh v'kkfUr nij gks tk; sxA gA D; k crk; aftI dks  
djuk Fkk oksrksNW gh x; k ckdh I c my> x; sI eL; kvka ea 'kadkvka ea iZ ukofy; ka dk xDfK  
fy [kustk jgsg&x#vkdh ok.kh dksI e>usdk iz; kl gh ughadj jgsgA

^I oKks ukfne/; kUr% vpkp; ZI elrHkae Lokeh dgrsgS i Hkqea vki dksbl fy; sueLdkj ugha  
dj jgk fd vki cM&gS vki dsikl vikj 'kfdR gS oBko gSvfi rqbI fy; sueLdkj dj jgk gwfD  
vki ea nksk&vkoj.k dh gkfu gks x; h gA vki Lohdkj djks; k u djks gekjsueLdkj djus I s  
%vki dksgekjh Hk[k rksvo'; 'kkr gksgh tk; sxA ; g jgL; dh ckr gStksvppk; ZI elrHkae gh dj  
I drsgA I oKk dk u vkfn gsu vr gA ge I c dgk; g& ns[k ya vuq ks }kjkaea Jqkoyksdu  
djrsI e; dN , d h ekxZkk; agStksfujUrj gS I karj ughagA {ks=&dky dsvfure Nksj rd i; kZ a  
ughA nksukaæo; dsfo"K; ea tc dHkh Hkh ge I kprsg&rks; gh fopkj vkrk gS bl dsckn n"Vokn  
vksj & vksj yxrk gS dky dsckn Hkh vksj & vksj {ks= dsckn Hkh vksj & vksj yxrk gA bl jgL; dks  
I quusdsckn iz u dsckn iz u u gksvksj mUkj Hkh u gkA ge yks NneLFk voLFk ea jgdj I oK ds  
ckjseal kprsgA I oKk , d tkuusdk ekxZgS i ku dk ekxZgA ; gh I kjHkr gA nksukaNksj ughagS bl  
iZdkj crkusokyk gh ekxZgA egr vdk'k gS ml dsLo: i dks tkuusokysI oKk gA mudsvykok  
dkbZughA gekjsHkrj Hkh I oK gS bl dks crkusokysHkh ogh I oK gA vc gekjs tkuus; kx; dN  
jgk gh ughamI dks i gysgh vuarkaustku fy; kA ge vkrk dks tkuuk pkgrsg&bl I si gysvur  
vkrk vkaustku fy; kA vflrRo dh tkudkj rks gksx; h fQj vi wZD; k jgkA

I oK usrk; k fd vi uh vudkr rksvi usvki dksgh gksxA , d svukuHkr rUo dks i klr djuk

gš l oKRo dksughA ^l dy Kš Kk; d rnfi futkun j l yhu\*\* ftl fdl h Hkh l oK dksi nk tk; s D; k mlgkaus gea tku fy; k] gk ij gekjs fl ) Ro ds ckjs ea mlga vułko ughA l c ykx vi uh&vi uh Fkkyh ea [kk; xA gekjh Fkkyh eadkbZnl jk vułko Hkh ugha i jkd l drk gA , d sml vkrE rRo dk Lo; agh vułko djA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^ckgj ds ugha Hkhrj ds vfr'k; dks ns[ kks\*\*

25-12-15

i Vukxat jgyh &

i kr%10%15

f'kykU; kl l ekjkg

vfr'k; HkDrka dsfy; sgrs gA ckgj eagrs g& Hkhrj ea ugha os rks onh ea cBs gA ckj & ckj thou m) kj djusokyadks th. kkd) kj dh vko'; drk ugha i MfHA th. kZ' kj hj gkrk gš ml dk m) kj gkrk gA Hlxoku ds vfr'k; l sdN de ykx i jfpr gkrsgš; sckgj tks vfr'k; ?fVr gkrsgš Hlxoku dsekuuk xyr gA Hlxoku dk vfr'k; g& vur prqV; l s; Dr gksuk gA ftudsuke ek= dsLej .k l sgh HkDr gkrh gš os/kU; gA ge l c , d&, d dne j [krsgš , d dne /kjr h i j jgrk gA nksukaiš Åij gkst; arksvfr'k; gkst; xkA gekjs; fn nksukaiš Åij mB tk; arkspDdj vkus yx tk; xkA tks/kjr h l s Åij mB x; sgš , d s Hlxoku usvkrE rRo dks gfl y dj fy; kA Hkkr ea vktknh ds 70 o"kdzckn Hkh vHkh LoPN Hkkrj vfhk; ku py jgk gA ; ku ¼; a=½& Åij mBusdh ckr vk; hA i jkfJr gkusdh ckr ugha fl [kkrkA ; ku gea LokfJr gkusdk i kB fl [krk gA LokyEch cuA vc fdl h dh vko'; drk ugha Hlxoku dsfy; A

vkt l nhZ gkus ds ckot m Hkh vki vk; } i zdk dj ds vk; sgA tgl; i zU/k gkrk gSogh i j cU/k gkrk gA cdkrhr gkus ds sfy; sbudh 'kj .k eavkuk gh gkskA i Vukxat , d k i kphu {ks= gStgl; , d l s c<ej , d i kphu i frek gA ; gk l sdgk&dgk x; sgš/HkDr , oalHlxoku/A l oZ Eke rks fl ) ky; ea tks Hlxoku cusgš mlga; kn djrk gA endekVh eafy [kk ; kn dk eryc n; kA Lo; ai j n; k vkš i j ij n; k] fdlUrqrHkh tc l Ppseu l s; kn djka ml gh&ml gh djusl sdN ughagkskA l kph&l kph dgksrHkh ek= l kpk u gka Hlxoku dk l kpk gksvkš mudh gh l kph gka ; gk vkus ds mi j kar , d k yxrk g& l c dN NkM+nus ds fy; srš kj gkstkrsgA ; sgh rksbl txg dk vfr'k; gA ge l kgh vfr'k; dsdkj .k vk; sgA ge vfr'k; ughagA ogk , d k gvk& ogk , d k gvk i j ; gk dh xqkołkk vyx DokfyVh gA ; gk toku Hkh g& cqt qk Hkh gA vFkr i Vukxat ¼; a=½ vkš i Vuk cqt qkA nksckj cqt qZx; sFkA ; s; x gA

Hlxoku rks Hlxoku gkrsgš tks tkMk gš ml s; Fkk; kx; yxkrspystkoarkfd vki cqt qZgš vkus

okyh i h<h Hkh dñ I h[k l dA l e; gksjgk gA vkpk; ZJh rj r dgrsg& ughaml ds¼/kgkj ½ fy,  
ugh& tksdk; ZgkFk eafy; k g\$ ml dks/; ku eaj [kuk t: jh gA ¼' kykU; kl ½ i gysHkh vk; si j vHkh  
ge pykdj vk; sgA chp eax<kdk/k gksvk; &nñ jsly/OkeZokysHkh ykHk ysfy; A tksdñ gksck  
og 0; fLFkr gksckA ohrjxk dh tgl; l k/kuk dh tkrh gSd.k&d.k i fo= gks tkrk gA jxk&okl uk l s  
vi fo= gkrk gA HkfDr dk eu l nñ cuk jgA fny dh /kMedu dh vkj u nñ kA fny dh igpku gks  
tk; srks/kMedu Hkh #d Hkh tk; & dñ QdZugha i MxkA gkj & thr dh igpku ughaftruk gSrks  
nñ jkadsfny thrusdk i # "kkFKZdj kA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^fp=&fpÙk dks HkVdkrk g\$\*

26-12-2015

jgyh

i kr%09%30

i vt u 'kñ cñsy [k.Mh eagq hA vki yxk tc dHkh Hkh vkj [kka l sb/kj & m/kj nñ krsqñ og vi uh  
vkj [kka eavk tkrk g\$ i nkFKZvi usLFkku ij gh jgrk g\$ fdUr qgeusml svi uh vkj [kka eacyk fy; sgñ  
; gh ikxyi u gA ckdh l c Bhd&Bkd gA igysgeus l uk Fkk&fpÙk ugha yxrkA vc fpÙk ugha  
yxrk ; k fp= ughayxrkA fp= eu dksvPNk yxrk g\$ fp= fpÙk dksfpi dk nrk gsvkñ ; qk& ; qka  
rd HkVdkrk gA fp= ml h fpÙk l scukrk gA us=flæ; dk fo" k; gSog fp=A

i vt u dksdkg bl dfj; k dksdyyk dj nñ i gysl sdyyk gSml sD; k dyyk dj nñ l Qn ea  
fodkj ugh&dyyk eaHkh dkbZfodkj ughñ fodkj nksukafeyus ij vkrk gA Cysd , .M OgkbVA nksuka  
tc fey tkrsgñrksfp= cu tkrk gA D; k pkgrsgkñ vki l c l e> ykA ; gh l d kj gA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## vkoka pya xke dh vkj

27-12-2015

egyh

i kr%11%5 cts

'kgj l sT; knk l ðkh gksuk gksrksxkñkadh vkj vk tkvka gekjk eu Hkh 'kgj l sHkj x; k] l ksvc  
xkp ea vk x; kA l q jgs gks u 'kgj okyka vkt ea us nñ k & , d fd l ku i kr% tYnh mBkA  
ugk&/kkñdj fi NokMseax; kA fcYdñ rktk&rktk , d Vksduh Hkj ysvk; kA vki yxk D; k dgrsgk  
& tke@ve: n ughafcgA l Mel dschpk&chp rky; k fcN fn; k] l c fcgh ml ij Mky fn; A  
i frKk djusy xk mRre ik= dh og /kkrh i guk fd l ku B.M ea tc ik= utnhd vk; k rks [kr ds  
l ñj Qny&l j l kadsQny cj l kusyxkA /kU; gksx; k ogA l kpk , d&vk/k ysyðxs ij fnxEcj l k/kq

dh p; kZl svufHkK gkrqgg shk vi uh HkfDr l sv{k; i q; dk l p; dj fy; kA HkfDr dk ; ghadeky  
gA

'bl h rjg fl gij l sl ojs&l ojsfudyA , d xkeh.k i kD Nwdj i {kkyu djuk pkgrk Fkk ykxka  
usdgl vHkh ugk; srks gksgh ughA x#no l keusutnhd vk pplsFkA vko n[kk u rko i gh xqM  
di MhAl fgr fl j l si kD rd Mkyk nk&lk&nk&lk fxyk gh vk; k dMkdsdh B.M ea& x# dsi kDkdk  
i {kkyu dj /ku; &/ku; gksx; kA ; sgSdeky J) k dKA^%pkni j i opuka k%

dN ykx dg jgsg& /kks[kk nsfn; kA ge dHkh Hkh fdI h dksHkh /kks[kk ughansvksj u gh /kks[kska  
j [krsgh gl; og Lo; agh /kks[kk [kk ysrsge D; k djA ckjkr tkusdsckn fookg ea#duk vPNk ugha  
ekuk tkrkA oS shk eAl nD dgrk gffd mi ; ksrk dksgeškk /; ku eaj [kA ešvi usthou eAl cl s  
vf/kd dherh l e; dksekurk gA , d&, d {k.k dherh gš ml s0; FkZer [kkskA ; g ml {ks= dk  
vfr'k; gh ekukadh brusde l e; eal q; ofLFkr i pdY; k.kd , oa{ks= ds th. kks) kj dh Hkh ; kst uk  
cu x; hA vc l ksk ughagA ge bl fy; sfogkj dj fn; srkfd dk; ZrkZ/kadks tksdjuk gSog djA  
osl f0; gks, oadk; Zl e; ij ijk dj l dA ; gk; egyh eayxHkx N%ckj vk x; š ; srkstD'ku tš k  
yxrk gA cksj; k&l jk&l uk; l c ikl gh ikl gA vki ykx fopkj djks& fuonu djka i jUrq, d  
xkD dsdbZekxZgkrsgh ge dgk; l sdgk; dh vkj eM tk; avki n[krsggh jg tk; BxA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## vkgkj gh vkSk/kh

28-12-2015

fl gijh&Ldny ea

i kr%07%00

'kjhj vlu dk dhMk gSQy&l Cth dk ughA jkenD ckck vlu ughaysA oksMRbQM brus  
T; knkA dktwcknke vkfnA equjkt ; k orh dksughaysuk pkfg; A vlu l shk Hkjh xfv"V gkrsgh  
'kjhj dh iNfr l e>dj vkgkj yus okyk l nD l q[kh jgrk gA id knl kxj th& Qy&l Cth  
el ky&; sgALokLF; dsj [kokyA oksnj jgdj Hkh ikl cjl rsgš ge ikl vkdj Hkh n'kZu dksrjl rs  
gA

vfgd k i jeks /keZ dh t;



# Qrę gks x; h

29-12-2015

rkjkngh

i kr%9 cts

tc HkfdR dk vfrj d gkrk gš rks tksekæuk gSoksHkh Hkny tkrsgA 'khrdky okpuk dh ckr dj jgs gkš vHkh ge vk; sD; ka gA ml dh ckr ugha dj jgs gkA xkp dsyxs cgr gkš' k; kj gkrs gA & 'khrdky dsfy, #dšxsrksgekjk dke rks gksgh tk; sxA nplku t gk; gksh gš xkgd dksogk; vkuk gh i Mfk gš rkjkngh u tkusfdrusckj vk; svkš x; syxs & 12@13 ckj gksx; kA i R; d ckj i v/ky Mkyk & i opu fd; k vkš fogkj dj fn; kA jkf= eplke , d ckj Hkh ughagv/kA fdUrqbl ckj , d k ughagš i jk l šk dk ykHk feysk l cdkA

thoue al l dckj kadk cgr egRo gA l l dckj vki fd l Hkh dher [kjhn ughal drsgA l l dckj ka dksge bl h rjg l s/kkfeZ vuqBkku }kj k i kr dj l drsgA l kfk gh , d&, d i y dksvPNk cuk l drsgA l e; & l e; ij pksfd l h Hkh /keZdk gks/kkfeZ vuqBkku gks l sl l dckj kaean<fk vkrh jgrh gš bl ckj rksvHkh dN fnu i wZekxZea; gk; dsyxs vk; sFks, d ykBh okysnnæk th Hkh FkA ml h l e; vpkud geanks Nhad vk x; hA ml gks rjg ar ykBh mBkrs gq dgk & egkjkt Qrę gks x; hA vki dks2 Nhad vk; hA eryc i rk pyk ^, d ukd Nhad & l kjsdke gksa Bhd^ cl mu cqt qZ nknk th dh Hkkouk vki l Hkh dk mRl kgj ge yxs rkjkngh vk x; A ij gekj svkus l s; gk; cgr yxs fcuk cgr; sHkh vk; šxsvki mu ykskadh 0; oLFkk dj i k; šxA yxs & th egkjkt & 5 yk [k Hkh vk tk; šxsrksge l c dj yšxA cgr vPNkA dN yxs rkjkngh dsf'kouxj ea tk cl š yfdu vi uk i š'd vkokl ugha NkMk; svPNh ckr gA 'kgj dh xmxh l srksxkp LoPN , oal kQ jgrsgA ; gk; i k. kok; q' kq feyrh gA vFkZ vFkok i <kbZ grq tkus dsfy; seuk ugha i jUrq xkp dks dHkh NkMk ugha eflnj Hkh jk tk' kgh rš kj gksx; kA cgr egur l svki yxs kauscuk; k gš vc Hkkouk dj kA ekyk QjksvPNs l sipdY; k. kd Hkh gks tk; A vki yxs FkkMseavfHkeku dj rsgA vki dh rks NkMks ge Hkh ; gk; vk; s& dš si rk gA ; fn oksvksj Lrk crkusokyk geatgk; dh i xMh i j ystrk m/kj gh pys trA ml ij fo'okl djrsx; A oksdgk; ys tk jgk g& ge ugha tkurs FkA taxy ea, d l kfk nk&rhu i xMh & oksrks tkurk Fkk ij ge ughavr%Kku dk vfHkeku ugha

# frxMe gS n[knk; h

30-12-2015

rkjkngh

i kr%9-30 cts

dkbZ0; fDr tksvi uk b"V Qy pkgrk gksvkj og ml sfn[k jgk g\$ rkscgj jkka gkrk g\$ vHk ek= fn[k jgk g\$ feyk ughag\$ egg eai kuh vk tkrk g\$ tc rd i kflr ughagkrh rc rd i kflr dh bPNk gkrh g\$ i klr ughagkrk rksi gysegg eai kuh vk; k Fkk] vc vka[ kkaeai kuh vk tkrk g\$ x; k gkFk I sog QyA

i vt u eatle tjk eR; qfouk'k dsfy; sty dk ea= ckyk x; kA tue ughagyk & I c jkrsjgrs g\$ egkjkt vkf'kokh nacl I rku gkstt; A rhu vyx&vyx I syxrs g\$ blgarki =; dgrsg\$ i j rhuka , d g\$ x#th & blgafrxMe dgrsg\$ jktLFkku eafrxMe 'kcn pyrk g\$ bu rhuk I s frxMe I s vPN&vPNs ugha cp i k; A I ek/kku ugha g\$ g\$ ij ge ml s Lohdkjrs gh ugha g\$ eu&opu&dk; I s; g 0; o/kku g\$ n[knk g\$ I ek/kku ughag\$ & , d k n<+J) ku gskuk pkfg; A J) ku d\$ sdjA fn[k rksjgk g\$ i kkd fQj 'kkkd d\$ sekuA vkj[kksdsvkxsekj dk i nkzvk tkrk g\$ rksI gh fn[krk gh ughag\$ I d kj rksHkj k g\$ fQj vki dg jgsfd [kkyh g\$ frxMe g\$ n[knk; h g\$ ekgh 0; fDr dgrk g\$ fde egkjkt gearksvki dsopukaegh frxMe yxrh g\$ D; kaokLro ea, d k gh D; k\ n"V eatc fLFkjrk vk tkrh g\$ rksge dN i gp I drsg\$ ogk i jA

dN i hfy; k g\$ vc i ka vkM&frjNs j [kusyxk] , d k gh ekj dk u'kk g\$ tksvi useafLFkj g\$ x; sokspysx; \$ vLFkj okysge ; ghaj g\$ tc dHk Hk ge fLFkj gskuk pkg\$srks/khj & /khj\$vkRk ij , d sgh I ddkj dksykuk t: jh g\$ ij bl svkl ku er I e>ukA fo | kFkzI e>rk g\$ e\$srksi jk i <+ fy; kA i kjk; .k dj fy; k ij ijh{k dsl e; i ij n[krsg & vjs! ; srkscgj dfBu g\$ A i j&uhps I Hk iz u n[krk g\$ vc eu dksI e>krk g\$ ml dh eu eafLFkjrk g\$ rksseu I sdgrk g\$ ep\$bl h d{kk eaughajguk] I kjh d{kk; ai kl dh & ; shk i kl djuk g\$ ?kj ij vkj Hk dke Fkk & oksNkMk D; ka dh ep\$si <uk g\$ ; fn NkM+nock rksvkj vf/kd dBukbzgkstt; xhA

eu okyk gkrk g\$ og erokyk gsk tkrk g\$ vki I c ykxkdsI keushk i s j g\$ erokyk ugha fderokyk cukA ml eu dks dherokyk cukdj j [kks erokyk ugha vHk , d 'kgj dk ckyd 1/4 dt&ikjI dk c\$vk] fnYyh/2 ckyh cky jgk Fkka I keus okyk gh vkxs c<+ i krk g\$ fdruh ckjI e>rk g\$ ftruh ckj I e>kvksmruk gh de g\$ dN ykx dg jsg\$ ; sl c I i uk I k yx jgk g\$ eplke ughafd; k dHk] i jUrq10&15 fnu Hk I i uk gh g\$

tc rd i wkzfodkl u gks; gh dke eavk; skA rhu i dkk I si kuh dksge\$kk ; kn j [kuk & eqk eai kuh] vka[k eai kuh , oaeR; qi j i kuhA

# ^Hkxoku dks ns[k I drs g& & fn[kk ugha I drs\*\*

31-12-2015

rkjkngh

i kr%9-30 cts

vki ykxkaushkxoku dh HkFDr djusdk I dYi ysfy; kA izu ; sgSfd Hkxoku dk gh i rk ugha rksHkFDr fdl dh vksj HkDr ds k\ tksHkh gksge rksHkFDr djbxk Hkxoku dksns[k I drsg& fn[kk ughaI drA tS seHkxoku dksns[k jgk g& , d sgh vki Hkxoku dksns[k ykA I k/ku crk nka I k/ku crk rksI drsg& ij nsughal drA HkFDr dsek/; e I sHkxoku dksHkDr ns[krk g& HkFDr nsughal drA tc og 0; fDr Hkxoku dh HkFDr djusyx tkrk gSrkscgjk Hkh] x&ck Hkh okpky gkstkrk g& cksyusdh&l qusdh {kerk ughai j cksyu&l qusyx tkrk g& ckjhd v[kj dksHkh i <+yrk g& tkj I sD; ka cksy jgsgks& I qusea ughavk jgk g& valk Hkh ns[kusyx tk; s& og gSHkFDr dk dekyA ftudsiki i q; gS& osgh I q jgsg& HkDr dgrk gS& ep-smBk dj [kMk dj nk& e&vi usi k&akads cy [kMk gk&A&ka , d nn&k yxHkx 80 fdyks&te dsg& nksmBkusokys50&50 fdyks&te dsg& tc HkFDr gksusyxi rksoksukpusyxA 80&85 fdyks&te okys80&85 o"lzdsHkh g& HkFDr dsdkj . k i j k&ea fFkjdu vk tkrh g& Hkysgh mBkusdsfy; svki I gkjk nka Hkxoku gS; k ughacrkusdh vko' ; drk ugh& HkDr crk ns& HkFDr dsek/; e I A vke dk i M+y&xkusokyk ; g ughal kprk fd bl dsekj] bl dsQy] bl dh Nk; k ep-sfeyxh ; k ugha ij mnkjr&mi dkj dh vi {kk I sog cl ml o{k dks I hprk jgrk g& vki ykx fgEer okysgkA rc rd [k& HkFDr djks tc rd 'kFDr g& tc 'kFDr ughagksrksmudsgkFk yxk nk& tksHkFDr dj I drsg&

Hkxoku dk i pdY; k.kd gksustk jgk g& mB ughal drs& ij vHkh tksnn&k ukp jgsFk& 85 ds Åij 85 fdyksI sHkh vf/kd gk&x& ml&gans[kdj toku eaHkh ukpusdsHkko vk tk; A Hkxoku dksfn[kk ughal dr& ns[k I drsg& gks&gkj Hkxoku rksgekjsiki fo | eku g& tksHkxoku cu p&psmudh D; k t; ] tks&gksokysg&amudk t; t; dkj gks&k pkfg; A ykxka }kjk x&#th dh t; &t; dkj & vki Hkh gks&sokysHkxoku g& vkpk; ZJh i R; d tho eaHkxoku cuusdh {kerk g& bl fy; sI cl svPNsukrs cuk; sj [k&A I cdsI kFk okRI Y; cuk; sj [k&A feyt&ydj dk; ZdjrstkvkA

dqN gV ds& ^b"Vki ns k eages kk b"V gh gks&k fgrki ns k eavfgr gksI drk g&\*\*

^i j& kku dj nksi fj "kgksdka\*\* LoxZeatkvks&srks<kr&sjg tkvks&A

vfgd k i jeks /keZ dh t;

^eks{k Lo; a ea egk g&egkeks{kQy D; kã\*

01-01-2016

rkjkngh

i kr%09%80

vHkh vki ykxklaus i ut u dhA v"V eaxy æ0; p<k; Å , d&, d eaxy æ0; p<krsl e; dkeuk dhA Qy p<krsl e; , d fo'kSk.k yxk; k FkA izu dk mükj rks t: jh FkA ^egkeks{kQy i klrk; \*\* eks{k Lo; aeaegk g\$ egkeks{k D; k gÅ eks{k Nks/k Hkh gkrk gSD; kj ; fn , d k eku&svFkkr egk fo'kSk.k yxkus l s; g fl ) gks&kA Hkkokaea , d h dkeuk gks pph gsvk\$ cMk ek&ksvk\$ cMk ek&kA Hkxoku ds l keusekx j [kh& mudksl kpuk rksi M&ck fd dksu l k eks{k ek&k gÅ

tc ekj dsxHkZearhFkãdj vkrsg&rk snoh&nørk dsHkh jkx&j& Nk&M&dj v/; kRe dsifj.kke gks tkrsgÅ , d k D; k&gkrk g\$ ftUgkaus vrhr eaml v/; kRe dh vkjk/kuk dh FkA l kps rihFkãdj dk thou vyx] ekj dk thou vyx] nòh&nørkv&adk tho vyx fQj Hkh l kjk okrkoj.k v/; kRe dk gks tkrk gÅ ¼ k.Mky½; gk; dksu cBrk Fkã ij vHkh l c cBsgÅ egkjt Fk&M& i nZl &sr fn; k dj k\$ ft l l sgea0; oLFk dj&l ksvk\$ v0; oLFk gks tk; s&hA gekjh ckr l nò ekuk& egeku l ifjokj vk; s rk& rihFkãdj dhHkh vdsyughavkrsmudk l eo'kj.k l kFk vkrk gÅ Hk&ie i ut u vkfn gks tkrk gÅ mB tkvksvki ds; gk; rihFkãdj vk ppsgÅ l fj.kke&adk ; g ifj.kke g\$ l k{kkr-tgk; jgrk g\$ ogk; vk; [k&ai j fo'okl ugh&gk i krk g\$ vk; [kseyusy&x tkrsgÅ Hkkok&adk peR&dj g\$; gA l kjsds l kjsnòh&nørk i kxy cu tk; srksvki egki kxy gks tk; &A egki kxyk; ue%cks&y&A vl & ; kr-nòh&nørk l cds gkFk eav"Væo dh Fk&fy; k; D; k vnHk& n"; gÅ ifj.kke&adk of=; g\$ ge ; gk; D; kavk x; \$ l k{kkr-rhFkãdj&adk l kfu/; Nk&M&djA l c yk& Hk&y tkrsgÅ ij ose&= egkfoHk&rk dksgh n\$[krsgÅ , d s{k.k egkfoHk&rk dsiq; l sgh i klr gkrsgÅ budks&x&B&ck/k dj j [k y&uk x&B vPNh rjg l sc&kh g\$; k ugh&ns [k y&uk& bl l e; tks&ksvks&sog Ql y ds: i ear\$ kj g&dj vk; s&hA fQj Qy Hkh ml ea ehBk&ehBk y&sk&A gk; /kjrh dk l Ei dZu Nk&M&+ k&A vU; Fk& ogk; l sVi duk i M&ck&A i j d i jh{k& ns&s fQj l svkuk i M&ck&A e&rk&su; k l ky eku&ck ugh&vki eku&sr&seku&A ftudsifj.kke l &kj ppsg& vFkok l &kj jgsg& mudks< &dj mudh gh 'kj.k eatk; Å

vfgd k ijeks /keZ dh t;

# ^niZ kor~ LoHkko gks ejk\*\*

02-01-2016

i kr%09%0

mudsl kFk gekjh rnyuk gksgh ughal drh] mu tS h fueZyrk gekjsi kl gSgh ughA mudh  
 fueZyrk l sge vi usty dksfueZy cuk l drsgA mudk dguk gSeHkh rø tS k gh eyhurk dksnj  
 djusl s; g i klr gkrk gA orZeku eageal [k utj ughavkrk] vc Kkr gksx; k eHkh mudsl eku  
 cu l drk gA vki l c usniZk nSkk gA niZk tS k rksvHkh ge cu ughal drZ cl niZk dk ykHk  
 yuk gA ejsi kl dgk&dgk [kks/ gSniZk dksnS[kdj ; g Kkr dj l drsgA ij tc dkbZnW jk [kks/  
 fudkyrk gSrkxH l k D; ka vkrk gA gekjk LoHkko dS scuk ; g l e> eaughavkrkA nW jk dgrk gS  
 rks vlx yx tkrh gS niZk nS[kus ij vlx D; ka ughayxrh cfYd ml sl Hkkydj j [k yrs gS vks  
 ckj&ckj nS[kus dk Hkko gkrk jgrk gA bl l sfl ) gSfd i Hkq; k egkjkt dsl eku nW jk dkbZdk; Z  
 ugha dj l drkA jkxh gksus ds dkj .k ml dk mnekZku ugha pkgrs gA l ed{ k 0; fDr bl fy; sugha  
 l gkrk gA dke pykÅ&bl fy; sdgkA ckj&ckj eu eafopkj vk; sk rHkh i R; d 'okl ea; g vk; sk  
 rc fo'okl n<+cu ik; skA igysdh vi{kk ge fueZy gksx; } ij vHkh i wZ fueZy ugha gks gq A  
 xqkxkgh cuusij nW jsij xH l k vkuk can gks tkrk gA ftul siz kstu fl ) gkrk gS mu ij xH l k  
 ugha dj rA og vi useryc dk gA eHkh ogh tho gH ; sHkh ogh tho gH fo'kkyrk vkusij , d k  
 gkskA i Hkqea vks ej seaHkn ugha gS rksej sea vks bueaHkn dS sgksl drk gS ; g ckr tc fnekx ea  
 vk tk; sch rks l e>uk i pdY; k.kd l kFkZd gks x; kA ge , dS l æ; ; k dhV&irakka l s Hkh  
 jkx&}Sk&ekg&er l j Hkko ugha j [krA ge Hkh gS bl J) ku dk set car djA i pdY; k.kd l k/ku gS  
 bl l k/ku dks dHkh NkaMuk ugha eHkh Hkxoku cu l drk gH bl fy; s l Hkh l k/kfeZ; ka l srkyesy  
 cukdj j [kuk pkfg; A vKkuh vi usvki dks dks rk jgrk gS i 'pkrki djrk jgrk gS eSs Bhd ugha  
 fd; kA ij tc Kku gksk rHkh ml vKku dsl e; dk ekye pyrk gA nW jsdksughadkl uk gA tc  
 rd Hkxoku ugha cusrc rd , d&, d {k.k ekyd {k.k gS ml dk mi ; kx djrs tkvka nfu; k dh  
 xf.kr eayxsgk vi uk xf.kr yxlvka vi uk xf.kr ugha pykvka jkx dks?kVkvksxqk dksxqkk djka

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^ohrj kxrk dk yMMW\*

03-01-2016

i kr%09%0

egkor gkFkh dksLoLFk j [kuk pkgrk gA ij 'k#&'k# eaog l h/ksyMMW ugha [kkrk gSvr%og  
 ml yMMW dks?kkl dschp j [kdj f[kykrk gA gkFkh ?kkl ea tksyMMW gS [kk yrk gA Bhd ml h rjg  
 x# tc rd rUo dk l gh Kku ugha gkrk rc rd x#nø dgkuh fd l l sl ukdj ml vkj ystkrsgA  
 cpi u ea, d k gh gkrk gS x#vka dsl keuscPpsgh gA cM&cMsvkpk; Zbl rUo dksl jyrk l sj [krs  
 gA ukpka dks Hkxoku dsl keus xkvs rks Hkxoku dsl keus xkokS ckt sctkvks rks Hkxoku dsl keus  
 ckt sctkvka fd l h Hkh rjg l s, d ckj ohrj kx n"V gekjsi kl i gp tk; A vkRek rks dghafn [krh  
 ugha ohrj kxh i Hkq dks nS[kus l syxrk gS os Hkh gekjs tS gh gS; g Kku gkrsgH og Hkh i Hkq cuuk

pkgrk gA tc nk&pkj ckj ?kkI dschp eaj [kdj yMMw[kk fy; k rksckn eaogh gkFkh I h/ksgh yMMw Hkh f[kyk; k rks[kk fy; kA 'k# earks?kkI dschp gh j [kdj f[kyk; k tkrk gA

I eo'kj.k ea tkvks; k fdlghal kekl; egkjkt dsl keustkvksrksosHkh bl h izdkj I sl e>kus dk iz kl djrsgA , d ckj I e> eavk tk; srkst\$ sgkFkh I h/ksyMMw dks [kk yrk gS, d sgh x# Hkh rlo ijkl rsgA vkt x# ogh crkrsg\$ tksl oK no uscrk; k ml h ohrjx rlo dh vkj ystkus okysgA Hkxoku gksx; A Hkxoku dku gq \$ tksvvpk; j mi k/; k; vkj I k/kqFkA osHkh vki dschp eal s gh fudydj gq sg\$ fudysrksvki dschp I sgh g\$ ij vc vki dsughaj g\$ vc gekjsegkjkt ugha jg\$ I cdsegkjkt gksx; A nf{k.k okysHkh I e>s1/2yxHkx 100 I sAij nf{k.k dsyx vk; sFk\$ , oa mlkj okysHkh I e>A

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^nku djs d\$ \$

04-01-2016

i kr%09%30

ftl dk fufelk tc vkrk g\$ rHkh og dk; Zgksi krk g\$ ml jk ml eal g; ksx nsughal drkA fe= usdgg& og bl dk; Zeat: j rfgal g; ksx nskj yfdu eks\$1/4 e; 1/2 ij tkuk vko'; d gA vki yks Hkh eks\$ k n\$kr&jgrsgA bl hfy, ukdsij noku gkrh gA vc og tkrk gA mudk uke crk fn; kA ; ksx gh , d k Fkk og 0; Lr Fkk] dN Hkh gk&eks\$ij tkuk vko'; d gA ml I e; tkdj I keus cB tkrk g\$ ge vki dsi kl vk; sg&/khj\$ sl sckyrk gA vfuok; Zdke I svk; sgA mudh i fl f) rksFkh gh] T; knk fopkj djrsughafkA mudk dke gh , d k Fkk I g; ksx nuk gsrksnuk gA , d dVkj k Fkk& u fl dkj s/feeh/2dk] u i hry] u pkn u I kusdk FkA cgeW; jru vkfn tM\$gg sFkA ; syA Lokeh! nj D; ka dj jgs gks ; sgkFk rkscka k gkFk gA ml gkFk I sns nka bl gkFk dk ml gkFk dks i rk yx tk; &euk dj nsrksD; k dj&A ; sck; k gkFk g& nk; sl s'kjk ekuk tkrk gA 'kjk ogh gSft I I sdke gkA ^ kjkL; 'kh?k\* jkst bl dVkj scksean\$krk jgrk gA eks\$ k pd jsg\$ vki yksA vki yks cgr prj g& nkuakgkFk yxk ykA os/keZkt] ; f/kf" Bj FkA

Hkfo"; dk 'kjk I dsr g& nkuA tc dHkh Hkh , d k vol j vk; \$ 'kfDr vud kj n\$ T; knk fopkj u djA ftl I e; Hko gvk ugharj r dj ykA NkM+D; k jsgg&ml sHkh n\$ kA tksgekjk gSgh ugha ml dksD; k NkM\$uk vKku dsdkj .k ; g fLFkr gksjgh gA tc NkM\$uk fuf' pr gh gsrks i gysgh D; ka u NkM+n\$ p0orth dh rjg xkB dsAij xkB yxkr tk jsggA vkt rd tksxkB [kyh gh ugh] ml dks [kksyuseai I huk vk jgk gA nfu; k , d rjQ gkst; sgkusnksgearksmI rjQ tkuk gh ugha g\$ ; gh eks\$ k eks\$ g\$ ml heapyrstkuk gA

ifjØek i Fk vPNk cu x; k gš os?kærsjgkA i xMMh vPNh D; kfid og l h/kh tkrh gA l jkz dh  
 rjQ l stax eaixMMh l sfogkj djdsvkuseadbZHKVd tkrsg& ge rksughaHKVdA vki D; ka  
 HKVdA xkMh l svk tkr&ugh&egkjkt ughavk l drsgA ru&'kj hj Hkj mi ; kxh dke djusokyk gš  
 jkrfnu deka dksdkVusdk ifjJe djka bl gkFk l sbi gkFk eavk tkrk gš rksdky dh vkj Hkh  
 nš[kusyxrk gA nšA; k ughansA eu Hkh iyV tkrk gA eu dHkh c&k ughagk&k] l nš toku cuk  
 jgrk gš toku ughansrk g& dHkh nš jsdka tksughaekurk ogh eu gA yMek ?kj l sckgj fudky  
 nšxk ; sgh eu g& ft l dsv/khu jgrsgA eu l dYi yusdsckn Hkh fdrusgh ckj oki l ykV tkrk  
 gA iekn vk tkuk gh eu dk ykV/uk gA eŋu egkjkt l kprsgafd ešdš k gpxqkLFkku eaAi j mBus  
 dsckn ckj &ckj uhpfxj tkrk gA vx gh ughagSbl eu dk] bl fy; siy eadghadk dghai gŋ  
 tkrk gš foftreuk cuuk pkgrsgksrkš ml dh ckr ekuks ugha; gh rjhdk gA Hkxoku l keusg&  
 x#vkadh 'kj .k ysykš rHkh eu dks thr i kvksA Hk; kud txy gš l gjkj ydj eu dks thrka bl  
 i djkj og 0; fdr ; ŋ/kf" Bj dh ckr ekudj dVkj k ysyrk gš vkj thou Hkj dh nfjærk nj dj yrk  
 gA

vfgd k i jeks /kež dh t;

## ^R; kx vkš riL; k dh egkur\*\*

05-01-2016

i kr%09%0

/khj&/khjs l Hkh Loxkæ eŋ tgi l Hkh vgfellæ glorsgš i Nrkn dj yh x; hA geus Hkh 'kksk dj  
 fy; kackn eaKkr gŋk ; g olrqdoy e/; ykd eaogkj Hkh ijse/; ykd eaughaek= <kbžhi ea gš i jš  
 <kbžhi ea ugh&ek= eut; ykd eŋ eut; ykd ea Hkh HkksHkrie ea ughaek= deBkrie] deBkrie ea Hkh  
 eyPN [k.M eaughaek= vk; Źk.M eafeyhA vk; Źk.M eaHkh ?kj eaugh&?kj l stc ckj fudyk] tc  
 nhf{kr gksx; srksnoykd l snørkx.k Hkh pj .kkaeacB x; A pj .kkaeaHkh mu l kQ l ŋkj seplŋ/ka dks Hkh  
 /knyh eafeyk fn; kA ^l kS/knyh eLrd p<&Hkukj ekas, g\*\*A rhu ykd dsukFk /kny eavkusij gh curs  
 gA Hkny eavkusl sugha cursgA vkt dy cPpkadksi gysgh /kny l svyx j [kk tkrk gA nš ykx Hkh  
 vi us; gk; dh fn0; dš j dksekFksij ughayxkrsvfi rqi Hkqdh pj .kkaadh /kny dks pnu cukdj ekFks  
 ij yxkrsgA R; kx&riL; k dsdkj.k Hkh /kny eLrd p<+tkrh gš vglk&kx; ekursgA /kny Hkh tc  
 pj .kkaadsl Ei dZea vk tkrh gš rksml dk Hkh egRo c<+tkrk gA dy' kkaea ty Hkj k gSog i ŋ; ughagS  
 ij mudspj .kkaeayxrsgh xU/kknd gkstkkrk gA

eŋUnjka eafy [kk gkrk gš 'kŋ ty , oa xU/kkndA mYVk Hkh dj nks ck&Z dks rks Hkh xU/kknd  
 igpku tkrsgA dy' kfkHk"kd gkus ij gh xU/kknd ekuk tkrk gA R; kx dsdkj.k jkx olrq Hkh  
 ohrjxrk dh irhd cu tkrh gA ml h l sdeka dksdkVrs gA ; fn HkfDr ds l kFk ughadjrs gš rks

ml dk l gh Qy ugha fey ik; skA ; s egROIwKz gA ohrjKxh ds pj.k iif; gA eplv/c)  
jktk&vgfellæ vkfn l c bl l svoxr gA pj.k Li 'kZdsifj.kke Lo: i , d k gkrk gA

noka dseæ Qndusl sjks 'keu ughai j ohrjKxh dsLi 'kZek= l xlu/kknd ek= l sjks Hkh nj  
gkrk gA bl ohrjKx dspj.kksth dFkk dk 'kCnkææo.kZu ugha nØ Hkh rj l rsg& osdgrsgA; gk; rks  
cjl jgk gSfQj D; kA jkx [khp dj ogk; ystkrk gS ogk; l sohrjKxrk dks i kusdsfy; sl eo'kj.k ea  
mrjdj vk tkrsgA /khj&/khjs dekA dks dKVdj /kU; ekursgA vki mul sHkh vkxsc<+l drsgA  
l e>ks ek= ty ea plnu ?kyus l s xlu/kknd ugha@ jRu=; ] R; kx&riL; k ds i Hkko l s gh og  
xlu/kknd cuska

vfgd k ijeks /kel dh t;

## ^tc tkxs rHkh l ojk\*\*

06-01-2016

i kr%09%80

n[s kusea; sgh vkrk gSvki usfdl h 0; fDr l si kuh ykus dk dgkA og 0; fDr vi us<æ l s5  
fefuV eaxje djdsysvkrk gA dN fnu ckn i u% xje djdsysvk; kA ml usdgk mcyuk pkfg; A  
vc og mcyusdk iz kl djrk gS ij vkt mcy gh ughajgk gA , d k dc gkrk gS tc l w Z dk  
rki eku fxj tkrk gA ml l e; vfxu dsek/; e l si kuh dksmcyuk pkgrsrkscgA gh dfBu gkrk  
gS vkx dk i Hkko gh ughai MæKA tc rki eku vR; fkd ?kV tkrk gSrksvki dh vkx dk bruk i Hkko  
ughai MæK gA mcyrk gA k i kuh Hkh i huk pkgrsrks i h l drsgA 'kU; ij tkusdsckn yk/k l s/kp/k  
fudy jgk gSij vki vki kuh l si h jgsgA dghaHkr rksughayx x; k gA ; gk; ij nksukackrkaeav rj  
dj l drsgA

i Nfr eavlrj vkusij mcyrk i kuh Hkh dN ughadj jgk vkS b/kj rst vfxu l sHkh xje ugha  
gks i k jgk gA xjeh eaFkkMk l k xje djrsgh i kuh mcyusyxrk gA vki ykxkadH Hk"kk ea l jyrk  
l sl e>k jgk gA vki vuqny u jgsrksvPNh ckraHkh xje&xje l h yxrh gS i frdny okrkoj.k  
gksusij uje Hkh xje yxrh gA nnæ eackysusds{kerk ughagS ij MkV nsrksvkt Hkh vkx yx  
tk; A dgrsgA vkx mxy jgsgA Hkhrj bZku dkQh Hkj k gA gS ; g , d h vkx tksHkhrj rd ?kq  
xbZgA dku T; ka dk R; ka gA tksi gusgSoksHkh oS sdh rjg gA

Hkhrj tksDysk gSog ty x; k gS ml h ds }kjk tksEjge fudysk rHkh Bhd gks i k; skA  
i k&xfyd tM+i nkFkka }kjk vupeku yxk; k tkrk gS ml sn[s kdj gekjk Hkh i kjk xje gks tkrk gA  
i kjk l cl sHkjh i nkFkZekuk tkrk gA gkrk gA yfdu tS sgh FkekZHVj dkscxy eayxkrsg&c[ kJ  
ea; æ yxkrsg i kjk Åij dh vkj p<usyxrk gA ml xjeh l s, d k gkrk gA vkRek eai kjk Hkj k gA



gš Øksk : ih vfxu feyrsg h ijk rjar p<+tkrk gÅ l c ykxkadks l e> eaughavkrk gš ml l e;  
dk : i vyx gh gkrk g& vkbuk eaml l e; dk vki ns[ karls; seāgh g&gk; vki gh gÅ de l sde  
gekjsi kl vkdj i pN fy; k dj kš i kjk dc BÅk jgrk gÅ

rkjknsg h ds?kj&?kj i j] nōlkuka i j i pdY; k.kd dk i Hkko gš ; fn ughagSrks10 i pdY; k.kd  
dj k ykrsrkHkh dN gkusokyk ughagÅ , d gh eal e>kÅ vfxu ydMh dks tykrh gš i j dc tykrh gš  
ekš e dk Hkh i Hkko i Mf k gÅ æ0; &{ks=&dky&Hkko dks Hkh ns[ kk dj kÅ ckj & ckj vi usrki eku dks  
ns[ k fy; k dj kÅ xMēM+ykxkadks l kFk j gksrks xMēM+gksck ghÅ FkekēhVj vPNs l syxkvks tkur  
ughag&ekur ughag&Å i j l srkur gÅ

vfgd k i j eks /keZ dh t;

## ^l ŋnj Hkko gh /keZ i q# "kkFkZ"

07-01-2016

i kr%09%30

, d ?kj ea, d l arku chekj i MhA ?kj okysMKD Vj kads i kl ystkrsgš var ea, d oš th dks  
fn[kkrsdgrsg& vc vki dsgh gkFk eagš cgr MKD Vj kads i fn [kk; k dN ughagks i k; k vc vki dsi kl  
yk; sgÅ oš th& ge Hkh l ok dj rsg&Bhd gksck rksns[krsgÅ ns[kdj cksysgekjsi kl bl dh nok  
fo | eku g& fpŋrk ughadjukÅ nok dc rd ysuk gÅ gc l c crk nōkÅ gk; /khj&/khjs i z; kx djusi j  
; g dke djsxhÅ nok pkywdjus l si gysi jh{kk gkrh gšt ksjxch i j vk/kfjr gkrh gÅ u ekrk&fi rk  
ij] u oš th ij , oau gh fdl h vU; dks; g rksjxch dksgh nsuk gkrk gÅ nok i Ddh gÅ i q; l s  
budksyx tk; sxhÅ vHkh rkyh D; kactk jgsgkš bl nok dk iz kx ešdj pōk gÅ i jh{kk gō& bl  
nok dk iz kx vki dscPpsdsfy; sughagks i k; skÅ jkx dh nok rks gš i j bl dk 'kj hj ml sl gu gh  
ughadj i k; skÅ budks; sHkh jkx g&3] budks l qj dh chekj h gÅ 'kqj dsl kFk dkbZnok dke ugha  
djsxhÅ

l c ekyk Qj jgsgÅ oš th Hkh pkgrsgÅ [kuu Hkh Mky nē i j Lo; adh ; kx; rk ughagksch rc  
rd dN Hkh ughagks i k; skÅ /ku cgr gÅ i j /keZ/ku ds}kj k i klr gks; sfu; e ughagÅ dks l sgkr  
g& u dk; k l sgkrk gSu opu l sgkrk gÅ l cusl kpk bl ea{kerk dš svk; } i q; dk l p; dš syš  
vki tki NkMksugh& Hkhrj tksckk g& l ōe.k gksck rHkh dke gksckÅ vki dk i q; tc izy gksck  
rHkh i ki dks i q; eai fjorū dj i k; skÅ ; g i fjorū dc gksckÅ ; g CyMi š kj ; k 'kqj dh ckr gÅ  
Hkkokadks ges k l ŋnj l kQ j [kusdk iz kl gh /keZ i q# "kkFkZgš ckdh l c ckragÅ dk; ZrHkh gksck tc  
orēku ds Hkko Hkh cgr vPNs gkÅ vPNs Hkko ughagks l s dHkh&dHkh curk dke fcxM+tkrk gÅ  
Hkxoku usog i q# "kkFkZfd; k vkš vi uh ; k=k i wkZdj yhÅ i j ; kn jgshkDr cusfcuk Hkxoku Hkh ugha  
cuk tk l drk gÅ ges k Hkxoku dks; kn j [kÅ ešHkh Hkxoku cu l drk gÅ nksuka/; ku eaj [kxš rHkh  
dke gksckÅ Hkkoka dks mTtoy cukusdk ; g i ; klr vol j gÅ fu; ekoyh dk i kyū djrs tkvkÅ  
Hkxoku dsHkjkd sjgks i j dŪkD; dsl kFkÅ nokbz cgr gš i j dke rHkh djsch tc [kkreai q; gksckÅ

# ^ekg : i h [kxkl us ?kj k vkRek dks\*\*

08-01-2016

i kr%09%0

dqMyij dh ckr g& pkr&kl eatc l &g&l &g 8 ; k 9 ctsdschp dh ckr g& tc l &usea vk; k fd vkt l &g&l &g xg.k yx jgk g& p; kZrksqpbZughaFkA [kyk vkl eku FkA /khj &/khjsfnu vLr t& k gksusyxA i kr%dky /khj &/khj sl d; kdky t& k gksusyxA ml fnu [kxkl xg.k FkA ^[k\* ; kfu vkdk' k xkl dk eryc l w Zdkxkl cuk fy; kA vHkh mn; kpy ij p<uk gSij vLrkpy t& k gksx; kA l &rs&bl rjg dsokrkoj .k earlykc eaf [kysdey Hkh i &%&n gksx; sD; k&f dey l w Z dh jks kuh eagh f [kyrs& i f{k; kadh fdyfdykgV &n gksx; hA dkbzughadg l drk Fk fd i kr%ds 09%00 ctsg& tc og xg.k yx x; k rks l c 'kkr bl dksn[kdj yxk fd ge fdrusc&sg&i Ñfr ds l keu& vkl eku dsml l w ZdsvHkko eal c &n gks tkrk g& l Ttukadh igpku rc l gh gkrh g& tc l keusnqt& vkdj [kM& gks tkrk g&

jkgqdkyk gkrk g& bruk dkyk fd l w ZdkHkh tc &n dj yrk gSrksi zdk' k feYdy l ektr gks tkrk g& i R; d vkRek l w Zds l eku i zdk' kokyh g& ek& dk [kxkl ml l w Zdsvxsvkus l o: i dksi gpk gh ugha i jgsg& ek& dh dkfyek , d h gh g& l c vi uh igpku crkuseayxsg& ge ; gk l svk; &3] ge f'kouxj ds& ge rkjkngh ds& ge tcyij l svk; sg& l c ; g Hky tkrsg& tc FkM& l k xg.k yx tk; srkspgjsdk jak mM+tkrk g&

vki l kp yk& vkRek dh igpku dj&A vkpk; k&usge&crk; k fd t& se&g c&kk gSo& sgh bl s FkM&&FkM& de Hkh fd; k tk l drk g& feVkusdh fof/k vyx gsvk& de djusdh fof/k vyx g& ?kj NkM+fn; kA ml jsusd&tk dj fy; kA vki uk&j gksx; svk& dg jgsg&vc ge&FkM& uk&jh ij j [k yk& vki vi usLokfHkeu dksn[k gh ughajgsg& vi usLoHkko ij J }ku dj k& FkM& i jh{k.k dj&A ; g 'kjhj ejk ugha g& ; gh ejk ifjp; g& dkbZ Hkh 0; fDr 'kjhj dks n[kdj vi uk ifjp; ugha crk; xk& n& d& gks ; se&ughag& l cdk ifjp; , d g& 'kjhj ge gSgh ugh& ; gh vkRek dk LoHkko ugh& l w ZLoHkko vkRek ij ek& : i h xg.k yxk g& ge&J }ku n<+dj uk gks& rHkh vxsc<+ l drsg&J }ku dsvHkko ea84 yk [k ; k&u; k&eadgh&kh tkvksv&g& gh v&g& g& l &nu rks&g& ; se& ughag& l &nu 'kjhj dk ughavkRek dk gks& pkfg; } , d k tksJ }ku djs& ml sgh jkLrk i ktr gkr& g& ckdh l c HkVd jgsg&

l w Zdk [kxkl usfuxy fy; kA vkRek rks l w Zl s&bZx&pk i zdk' koku gSfQj Hkh ek& dh dkfyek l sog fNi x; kA bl i zdkj l e> eavk x; k gks&A gk; FkM&&FkM& gh Bhd g& vki l s&kbZ i &Nsj&h [kk fy; A vki D; k dg&A ughavki j&h [kk gh ugh l dr&A j&h dksx& k [kk l drh g& vki tc Hkh [kk; &s&x&kl cukdj gh [kk; &s&A ftuok.kh dh ckr dksHkh n' k&u Kku pkfj= dk xkl cukdj n&sl sgh xg.k dj i kvks&A

vfgd k ijeks /keZ dh t;

# ^l æfr dk vl j\*\*

09-01-2016

i kr%09%20

I d kj eavud i dzkj dh oLrqq§ vud {ks= g§ vud i dzkj dh n'kk; ag§ bu l cdsgrsgq sHkh l rkaus tks l gh fn'kk eavi uspj .k mBk ppsg§ mudh ckr eku yaus l sgekjk dY; k.k l EHko gA ifjorZu gkrsgjrgsg§ ij mu ifjorZu eageaifjorZu gks, § k l EHko ughA Nks/k l k mnkgj .k nrk g§ tksifrfnu dke vkrsjrgsgA t§ snik dks tekuk gA tekusdks tekuk cgr dfBu gA nnik dks jkst tek; afcuk ngh dsn'kZu ughA ngh dsfcuk uouhr dsn'kZu ughA uouhr dsfcuk dN n§ kuk l EHko ughA dbZckj cny gks tkrsg§ rksxMeM+gks tkrk gA i kuh&i kuh jg tkrk g§ Lokn Hkh xMeM+gks tkrk gA tksdqky 0; fDr gkrk g§ og tek nrk g§ og dgrk g§ vki teku ughansukA tkeu fcuk d§ stexkA tkeu fn; k rks, § k dj fn; kA ml usdeZdj; kA , d l kQ crZu eaMky fn; kA fcuk tkeu Mkysnik vPNh rjg l ste x; k Fkka D; k Mkyk\ dN ughA MkykA utj Hkj Mkyk&cl ml h l ste x; kA tek rks, § k tek dh crZu dksmYVk djusij Hkh ughafxjka tekuk iyV tk; srksHkh ngh ugha iyVxkA og feeh dh eVdh FkhA , d ckj ngh tek; k&vc fd l h tkeu dh t: jr ughA dkykUrj eaHkh l l dzkj dke djrsgA vr%l nD vPNs0; fDr; kadsl kFk jgkA

ml eVdh dksfd l h Hkh 0; fDr dksgrFk ughayxkusfn; k tkrkA feeh dscrZu ea, § sgh l l dzkj gkrsgAfd fdrushkh cny gks tk; § l nhZgks tk; § xehZgks tk; sl nD ml eVdh ea te tk; xkA ij ml sj l kbZl sckgj ughaykuk gA ogk l Ukjg ughapysk 'kq l ksyk gh pyskA , § k texk fd dli s dsdli sgh fudyxkA vHkh rks tekusdksn§ kk vc u; k tekuk [kMk gksx; k gA i pdY; k.kd dj jgs gkA dkbZHkh vk tk; sml sij tekusdk i Hko ughA vPNsgh l l dzkj i MxkA vl; crZuka dsckj seage ughadg l drA

feeh dscrZu pkgsoq vehj dk ?kj gks; k xjhc dk ?kj gk§ d§ k Hkh eks e gksog te tk; xk l ugha texk rks l; kj ¼ kq ½ nnik jgsxkA bl i dzkj vPNs0; fDr dsl kFk jgusl sl nD vPNsl l dzkj i klr gkrsgA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^pya Hkn l s vHkn dh vksj\*\*

10-01-2016

i kr%09%20

vHkh vki ykx i utu dj jgsFk§ e§l qj jgk Fkka ml eadkbZcktk ctk jgk Fkk l dkbZxk jgk Fkk l dkbZukp jgk Fkk vks dkbZ i utu eav?; Zp<k jgk Fkka ; sl c dsl c Hkxoku dsHkDr gA gekjsl keus gh D; ka vdsysHkh rksdj l drsgA ughA nks/kkj gSl kdkj & fujkdkjA xghr ; k vxfgRA vc crkrsgA , d 0; fDr gsog ed k l sxk jgk g§ vk [kka l sn§ k jgk g§ gkFkka l sgkj eksu; e ctk jgk g§ ekFksdks fgykdj >e jgk g§ vFkZ rky Hkh ysjgk g§ i § ka l sgh uR; gks, § k ughagA ; g Hkh n§ k jgk g§ fopkj

dj jgk gSfd eš tkscksy jgk gwml l sJkrk ij D; k i Hkko i M+jgk gA dN #fp vuđ kj u gksrks HkđqV rku l drk gA

vHkn foo{kk ea, š k gh gksrk gA ge , š k gh djrsgA dbZckj vki dksfoLrkj l svyx&vyx l e>krsğvksj dbZckj Hkn eau l e>kdj vHkn eacrk nrsgA vkt bruk ghA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^dš h gks gekjh nf"V\*\*

11-01-2016

i kr%09%80

vHkh vki ykxkausi ut u dsckn l c ykxkaus, d ekax j [kha ----- ejk l kjk nđ[k nnZgjka nđ[k vyx vksj nnZvyx gSD; k\ vkpk; kauscrk; k nđ[k D; k gSvksj D; kağsrksnđ[k&nnZdk dkj .k gA nđ[k nnZl snij gksuk pkgrsgksrksbl ckr dksBku yksfd ; g 'kjhj gh nđ[k dk dkj .k gA ckdh l c bl dsckn gh 'kq gksrgA

bl vksj /; ku nrsguh nfu; k eadgr&fQj rsgj gekjk nđ[k gjk&gekjk nnZgjka D; k djajkx ekurk gh ughA l EHkkouk tgk; gksml vksj /; ku nuk pkfg; A ewy dkj .k nnZgksudk g&ekg deA tc Hkh i kjEHk djuk gksxk] ; gh l s'k# djuk gksxk] /khj&/khjsmi 'ke djuk gksuk vki , d l kfk pkgks rksugha'o'k ead j i kvksa , d mnkgj .k dsek/; e l sl e> eavk; sxA dN cPpsFk&jkLrsea, d dđksdksi RFkj ekjk og dđkk ml i RFkj dh vksj Hkxrk ml segg eayrk pckrk vksj NkM+nrk rc rd nđ jk fe= i RFkj ekj nrk , š sgh rhl jk fe= Hkh i RFkj ekjdj vkufunr gksrka ; ksx dh ckr gSos rhukafe= taxy dh vksj x; sFka osyx , d i M+i j p<sFka , d fl g v; k vksj ml h i M+dsuhpscB x; ka mu cPpkadsiki dN i RFkj vksj j [k Fka ml gkaus l kpk ; g taxy dk cMk dđkk gA tc rd tk; sx ugharksmrjæsdš š , d cPpsusi RFkj Qadk&fl g usl kpk cPpagA nđ j&rhl jsusHkh i RFkj Qadk vcdh ckj ml usi RFkj dh vksj ughans[ka Åij dh vksj n[ka ml dh vksj[k&eg&nkr cksy jgsFka og xkp dk dđkk Fkk] ; g taxy dk dđkk Fka taxy eadđkka l smy>uk Bhd ughagA mu cPpkadksvc l e> eavk x; hA

deZ dk mn; gš ij Hkko ; fn Bhd gS rks deZ cdku l scp l drsgA tks l d kj fo"ks l đk gksr&rhFkdj D; kaR; kxA vki dk Hkh vujkx gš mudksHkh vujkx gA mlga l a ekujkx gš vki dks fo"k; kujkxA mudh fl gfofuk g& vki dh 'okuofuk gA 'okuofuk okyk gh fo"k; kujkx djrk gA xq okadh di k gksx; h nfu; k dh vksj er n[ksvi uh vksj n[ka ----- l a e l ksvujkxA i n yrsgš fdl l si nksxvi uh i n l si nka l kxjki e vk; qHkh ; wgh chr tkrh gA deka dksge ftl : i ea Lohdkj djrsgš ml h : i eamudk mn; gwv djrk gA l nhzrc rd gh yxrh gš tc rd ekU; rk

gA l ruk okyadks i nka i pdY; k.kd ea tS h l nhz i Mh] vkh rd dHkh oS h l nhz i Mh gh ughagA  
vPN&vPNs0; fDr Hkh i kr% i k. Mky eanq VVk i gudj vkrsoKkh l kysdk /kyk gq/kA

l dYi ydj cB tkvkrks l nhz xk; c gks trrh gS fodYi djusij vksj vf/kd l nhzyxrh gS  
vksj vkxsc<+tkvkrks l nhz eaHkh i l huk vkusyxrk gS vksj xehz eaHkh B.M dk vuHko djrs gA  
ftUgkust a e l svuj kx fd; k mudsvkx& i hNspyuk gh gekjk drD; gA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^Qj nks\*\*

12-01-2016

i kr%09%0

rhu&pkj l eL; kvkadk l ek/kku gS , d gh 'kcn ea cpr djuk pkfg; A tS &ckVh cu x; h  
og ty x; hA , d k D; kagq/kA ?kkMk tKR; ?kkMk Fkk ij chekj i MუსyxkA rhl jk i ku dk /kakk djrk  
FkkA ml dh Hkh , d l eL; k Fkh 1/2 [ksck&mUkj fn; k tk; skapkfkk vksj Fkk/A Kku Fkk fo | k Fkh ml dh  
Hkh , d l eL; k FkhA l cdk mUkj , d gh gA Qj nka l oi Fke i ku okysdksyA , d i ku eankx yx  
x; kA l kjsl M+x; A bl dk mUkj gSQj nka rk' k dsi Uksdh rjg Qjrsjgksrksl Mxk ughA ckVh ty  
x; h D; k&Qj nksrks tyxh ughA ?kkMk tKR; Fkk ij vki ds; gk; vkdj chekj D; kagksyxk dkj .k  
?kkMk dHkh cBrk ughA vki dke eagh ughaysjgsm l dksQj nk&?kpek ykvsog pak gkst; skA vc  
vki dk ua vk x; kA 15 fnu gksx; A jkst l qrs gA egkjt ; kn gh ughajgrkA esdgrk gpykst 2&3  
ckj rksQjk djka jkr eaHkh Qj l drsgA rHkh ml svi uk i kvksA

tksfeyk gS fo' kq) gS vkpj .k eaJSB gSml scj&ckj Qjrstkvks- vl; Fkk l ektr gkst; skA  
vire l e; ea l ko/kku jguk gA T; knk dekusdh vi skk tksdek; k gSml sl jf{kr j [kuk t: jh gA  
og f[kl drk gA dc f[kl d tk; sml dk i rk Hkh ughapyrk] bl fy; sl e; & l e; ij ml i fjxg  
dksQj nka y{eh ppyk gkrh gA og , d txg LFkk; h ughajgrhA ij ml y{eh dksQjrsjgksrks  
ughapgrsgq shkh c<Fh tk; schA 1/2 pykusokyk jkr eavkjk ughajrk&Qjrk jgrk gSrc tkds  
l ojs i kuh gh i kuh gks trrk gA 1/2 i pdY; k.kd dk vFkzHkh ; gh gSQj nka ge Hkh Qj usvk x; A  
l gh&l gh Kku dk mi ; ksx bl h dksdgrsgA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^fpark ugha fparu djš\*

13-01-2016

i kr%09%0

tksfpark djrk gš og fparu ughadj l drkA vki l eafopkjkaefpark djkusdh {kerk gš ij vol j i kdj fparu djuk gš fpark ugha ; gk ij cgr vPNk fo"k; feysxA pkjka vkj i pšlæ; ds fo"k; g& D; k fo"k; feysxA l ukA , d i kbā ; k uyh FkA og uyh fLi ænkj Fkh vFkz ekM+okyh cgr l kjsekMsFkA ml ds, d Nkj ij fpāV; k vk; sxh& ge ughadj l drs l keus tksfpāV; k gSos ml sdj fn [kk; xhA fo"k; kadh fpark l rk jgh gš nfu; k xqt kjk dj jgh gš fo"k; kadh vkj vkuk i Mf k gA vHkh rd crk ugha i k; svc D; k crk nœA og 0; fDr vui <+ml uyh ds, d Nkj ij /kksdsedk ij dN yxk dj j [k nrk gA cl dgk; l s<j l kjh fpāV; k vk tkrh gSi rk gh ughavkš ml /kkskæds edk eai dM+yrh gStš & tš si kbi eMk gSml eapyrh tkrh gA og 0; fDr ml snū jh ekM+i j ys tkrk gš ogk; ns [krk gA fpāV; k /kksds l kFk eans [krk gA fpark vkš fparu eabruk vlrj gA fpā/h dksfpark gSvi usedk ea tks dN i dM+gš ml dhA osfpā/h xāk ds ek/; e l sml s [khp yrh gA Li 'kū Kku l sughayk l drh FkA l r ds, d Nkj dksi dMēj , d ehVj l shkh vf/kd dksi kj djk fn; kA vki yks l pZ ea l srks ikj dj nksx ij i kbi og Hkh ekM+okyk ugha ikj dj i kvksA ^l Khu% euLd%\* euokyk gh fparu djrk gA

mnl ughankl cuuk gA j l uslæ; l shkh ugha i dMk i k. kšlæ; l sgh i dMkA vki l q j gsgA gksA d. kšlæ; l A eu gS rHkh xnū dksfgykrsgA 'kCn dku l q j gsgš ij eu usml 'kCn dsHkrj ds vFkz dksxg. k dj fy; kA dš sl q j gsg& eu l A ^Jre-vfufuæ; L; \*\* ft ruh Hkh bflæ; k gkrh gš l cdsi kl l k k rksgrh gA vkpk; ZmekLokeh us; gh dgk fd i R; d tho ds i kl pkjka l k k gkrh gš ij eu ds i kl ml l k k eal svFkz fudkyusdh {kerk gA

vFkz ughafudkyksrksi q%, d l spkj bflæ; cu tkvksA bl fy; scjk&ckj vFkz yxk; k dj kA ; yrksxqt kjk l c dj rsgš ij fopkj d gh xqt kjk dj i krk gA D; k dj æge nqk ds dkj . k jksj gsgš ; gk l qk ds dkj . k Hkh jksj gsgA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^ohrjkxrk dh l qak\*\*

14-01-2016

i kr%09%0

gekj l keusnrjg ds tho fn [krsgA , d i qkokyk nū jk Hkh i qkokyk gA oghavkl i kl ea cxhpk yxk gvk gš xqkc f [kysgA xāk Hkh vPNh vk jgh gA og Hkh ?kæ j gsgA , d Hkæjk gš nū jk ?kæjk ½kæjk½A , d Qny ds Åij xhr xpxukrk gvk [kqkqdk vkun ysjgk gSi j nū jk ogha, d ey ea tkdj cB x; kaHkæjsdk ek= ; gh mīš ; gSfd ep sedjUn dk l ou djuk gA Qny l sckbzHkh ?kkr u i gpa nkskædsi kl xāk dk fo"k; ij , d ml xāk eabruk vki Dr dh ml hey eavi usi k. k xæk nrk gSi j nū jk ml dk l ou nj l sdj jgk gA

Kkuh , oavKkuh eabruk gh vnrj gA feF; knf"V ey dk dhMk-gSrkS l E; Xnf"V@Kkuh dsfy; s Hkæj dh mi ek nh tkrh gA pkjkavkj fo"k; ka dh Hkjekj gA Kkuh mu l c dschp jgrsgq sHkh l d kj dk dkj .k ekurk gA og l nð xqkka l sgh vuikx j [krk gA Hkæj dh Hkkâr og Kkuh tho fo"k; kads e/; jgrsgq sHkh ohrjx nð'kkL= xq dksgh Lej .k eaj [krk gA vHkh rd dgahaughal uk fd Hkxoku usviuh ifr"Bk Lo; adj yh gk; Hkxoku nhf{kr rksLo; agh gkrs gA ij ifr"Bk gksh vo'; gA tks HkDr dsv/khu gksh gA vki ykxkausvPNk fopkj fd; kA ½rhu Hkxoku dk½ vHkh vki dsghFkkaeagA tc vk; aksrksvi usvuð kj cuk; sA

vgkHkKX; @egkHkKX; l e>ksfd ; s l øvol j vk; k gA nks Hkxoku eldku Hkjs vkA vk x; A i pAæ; fo"k; ka dse/; jgrsgq sHkh vi usdks l jf{kr j [kuk gA ?kæjk , oaHkæj dk mnkgj .k ; kn j [kæA jkx dh vkj ughatk; s&o hrjxkrk dk ijx l nð i hrsjgæA fo"k; kadschp eajgrsgq sHkh ml vkrerüo dk gh l ou djuk gA pkj bflæ; tho dsek/; e l sNk/k l k oDr0; j [kk ckdh l c rks æ0; dk ifj .keu gA

vfgd k ijeks /keZ dh t;

## ^LFkk; h gS l Qn jæ\*\*

15-01-2016

i kr%09%0

, d ik= ea ikp jækka dks ykdj j [kk x; kA dkyk&ihyk] gjk&uhyk] ykyA l Qn ugha Fkk ml dksjæ ekursgh ughagA dkbZHkh fp= cukuk pkgrsgsrksnkso .kZgkuk t: jh gA , d o .kZjgrk gA rksfd l h i d kj dk fp= ughacurk gA ukd] dku] gkA vkfn dsfy; snit jk Hkh o .kZvki f{kr gA , d o .kZl s; fn djuk pkgksrksughagks i k; sA

ty dksi nk x; k fd gsty crk nsrfgkjk jæk dS k gA ty usdgg& tS k l æ feyrk gS0S k gh gekjk jæk gks tkrk gA iij ij L; kgh yxh g& dS h gS uhyh gA uhyh D; k gA di ky dS &dkxt ij xky cukvksrc di ky gkæA chp eatksjg x; k ogh di kyA ty dh ; g ddkyrk gSftl dsikl jg tkrk gA ml dksgh Åij mBkrk gA geaHkh , d k gh djuk gA nit jka dks Åij mBkuk pkgrsgsrksi gysLo; adksty cuk ykA vki ykx vHkh dS fj; k jæk dsi fj/kku i gudj vk; s gA ; g jæk FkkM/ki yx tk; srksmM+tk; sA l Qn jg tk; sA l Qn dksfd l h jæk eæekuk gh ugha tc fd 'kDy ys'; k l sgh ijekRek cursgA

vkt l sgekjsjæk eajæk tkvka gekjh ckr ekuuk 'kq djka ughaekuksrksfi VkbZgkschA ckj l svk; sxl e; ij l c dk; Zdjuk gA

vfgd k ijeks /keZ dh t;

# ^fpi dks er mMks\*\*

22-01-2016

rkjkngh

i kr%09%0

vki ykxkaus, d pht n[ kh gksxhA xkp okykadksmi yC/k gkrk g[ 'kgj okykadks; sul hc ugha gkrkA l kekf; d eacBk FkKA , d vdok dk Qny ft l snf{k.k eacCck dgrsgmMelj vk; kA gok u Hkh pysrksHkh cCck mMf[sjgrsgA , d cCck tksmMelj vk; k n[kk ml dk jke&jke cgr eyk; e gkrk gA chpk&chip ea, d dkyk cht jgrk gA ; sml cCck dk ifjp; gA ft/kj gok gYdh l h Hkh pys mM+tkrk gA vdrny t[ k gYdk gkrk gSu gh ykj i h.M t[ k Hkhj gkrk gA mMf[k&mMf[k og cCck fdl h pht eaQa x; kA vkpk; Zdtndtn ushkh fy [kk& ^jUkscalkkn dEea-----A

gok gksusdscn Hkh og ughamMkA cCck cu x; sgkA vkrk dh D; k fLFkr gkrh g[ bl mnkgj .k l sLi "V gks tkrk gA i jk; sdsT; kagh geusLohdkj fd; k ugha cl fpi d tkrsgHkysgh i jk; k gea Lohdkj djs; k u djA cCck ml l sfpi d x; A tks?kj eavui; ksx gksx; sg[ fQj Hkh fpi dsgg sgA ml vdrck dh rjg mMf[s tkvk[ mMf[s tkvsvl; Fk dghHkh fpi d x; srks thou i; Dr fd; k gvk d[ dke ughavk; skA tksdek; k gS' kkrFrukFk ds/ke eayxk nka gea; kn vk x; k ; gk kjh&ckjh l si utu djusdh i jEi jk can gksuk pkfg; aLokLF; Bhd gSrks i frnu vfHk"kd&i utu djuk gA

cMackck dk ftuky; fo' kky cuk g[ fdrusHkh vkdj cB tk; a txg de ughajgxhA 15&20 fnu ea, d fnu l kefgd 'kkarfo/kku Hkh dj l drsgA ; gk dk i q; dh ukedj .k dk fuonu gsdj jgsFk& ^ kkr/ke\*\* ukedj .k Hkh gksx; kA vfHk"kd&i utu&t ki &fo/kku gksrj guspkg; A Hkfr dk ekgsy gksul sno ykx Hkh jeusyxrsg vdrny dk mnkgj .k ; kn j [kukA , d h n[ kdj f'kouxj okykadseg eahkh i kuh vkusyxk gA

vfgd k i jeks /kel dh t;

# ^djamxrs l j t dks iz kke\*\*

23-01-2016

i kr%09%0

Hkkuqtc mxrk gsvkj tc vLrkpy dh vkj tkrk gSrks, d jak vkrk gA vFkr vl eku ea yykbZnk tkrh gA yykbZds l kFk Hkkuwdsvkus l shk[ gkrh gStc og /khj&/khjAij mBrk gSrks yykbZl ektr gks tkrh gA vc ?kke vk tkrk gA tksyykbze[k ij ysjsFksvc ?kke gksx; k rksi hB ij ysya fQj oki l vLrkpy dsl e; yykbZvk tkrh gA ij og Hkksj ughag[ vfi r[?k[ vkdkj dh vkj ystkusokyh gA nkukaeayykbZgsi j cgr vlrj gA

tk;/ ku ughayxk l drsodkey p; kZdj y[ ml eahkh i q; cak gkrk gA i q; kuqzkh i q; cak dh vkj ystk; sk i p[lae; fo" k; kadh l kexh t[ k; skA ij , d og i q; gStks i ki kuqzkh gA jkr ea



I ks sck fo"K; kaeAMvscA xgLFkadsfy; sHkH HkKj dh yykzdksgH vi ukuk pkfg; A vkpk; kausfo"K;  
 I scpusdh ij .kk nh gA bl fy; sHkKj gkrsgH mB tkvka 'kkarukFk dspj .kkaea'kkar/kke vkvks i ut k  
 djka vfhk"kd djka tki djka HkKj I sl w Zdsn'kU dj I drsgA ckn eaogh ri rk gSrksml ij  
 ns[k Hkh ughal drsfdurq/KU; gSosefujkt tks, s s?kke eaHkh i oZ dh pks/h ij tkdj I w Zdh vkj  
 eq[k djdsriL; k djrsgA osi hNseM/dj ns[krsghaughA

nksuka d; kvkadschp og Hkkuqvkrk gA dKd I k Hkkuqns[kuk gS; g vki r; djrsbruk t: j gS  
 fd nksukayykbzeacgr vlrj gA vkj HkKj dk Hkkuqgh vuqj .kh; gSfo"K; kaI sNM/ksokyk gA u;  
 b; kZ Fk ea%& vkgkj ds, d ?ka/k i wZ, oa, d ?ka/k ckn /kui ughaysukA

, d N= jkt Fkka vkpk; ZJh vdsysj gaxrks, d gh N= feyska Hkj r th ?kj ea  
 oS kxh&yksdkfurd no Hkh ughavk; ax, s seA

vfgd k ijeks /keZ dh t;

## ^VkadS dk i kuh\*\*

24-01-2016

i kr%09%0

cnpy [k.M dsbfrgkl eafdl h usdgka cgr cMk gSctnsy [k.M rka, d gkFk eaxeNk gks, d  
 gkFk eaMkj &yks/k gkscl igpku gSfd ; scnpy [k.M gA i pdY; k.kd eanj &nij I segeku vk; A  
 dN pysx; svkj dN vkj pystk; axge Hkh ml h ea'kkfey gA i pdY; k.kd I si frf"Br i frek dk  
 jkst ij k&vfhk"kd djka bl dsfy; sgh Mkj &yksk dgk uy&yks/k ughadgka vki yksx ; gh dg&&  
 egkjt ; g gh rks ekax gA i wZt ka usD; k fd; ka nij I sykuk i MfK gA bl fy; srks, d 0; fDr  
 i dMuskok], d [khpusokyk], d ckYVh i dMuskokyk rks, d oki I Hkj h xqM ykusokyk brusyks  
 rkspkfg; A uy dk i kuh chekj h dk Hkh dkj .k gS' ko ughagA i gysHkh VkadsgkrSfka og i kuh 'ko  
 gkrk gA chekj h eacgr ykHki n gA e/kqg] gkV/ i s/ nkr] vkj [kka vkfn eaog ty cgr vPNk ekuk  
 trkr gA ; fn I kr&vkB 0; fDR; kadschp ea, d VkadSdh 0; oLFk gkst k; srksI kjsdsI kjsrkjkngh ds  
 0; fDr orh cu tk; ax geushkh I kpk, d vk/k 0; fDr orh D; kacuk; A

?kMk 1/2dy' k1/2ydj ckj fudyksrHkh i kuh feyska, d ckj I euki g gkrsgq s; gk; vk jgsfka  
 fdI h dsfl j ij nksfdI h dsfl j ij rhu dy'k, s sdbZyks feyA eay gksx; ka ?kj dsckgj  
 fudyksrHkh eay dy'k fn [kska 'kgjkaearks; g fu; e gh dj fn; k gSfd vki dsedku eabruh  
 Hkne eaog dka/k fuekz k I si wZgh cukuk gA ty dksHkne eaNkMaksrHkh rksi kuh feyska ty fu; eu  
 dh ; g fof/k I okk ke gA o"kkZdh deh rksGughA o"kkZdh deh gksrks tki djksHxoku dh HkfDr djks  
 'kkarfo/kku djks o"kkZrksA ij I svk; sch ghA ftruscM&ck<sgksx; smudksrksorh cuuk gh gA ; gha  
 I sAij trkr gsvkj dgharks tkuk gSughA bl I s'ko i kuh vkj dghal sHk i klr ughagkI drka bl

idkj dk ; g i kuh ftl eagkfk rksyxrk gh ugh fcYdy 'kq) ekuk tkrk gA L; kgh Hkh bl h i kuh l s  
curh FkhA ml h i kuh l sHlxoku dk vfhk"kd Hkh dj yksvkš pšdseavkgkj grqHkh mi ; kx dj ykA  
, š k Hkh l qrsgh tks ty /kjr h ij NkMk og ty fj l dj /kjr h eatkrk gA Åij l suhpsD; ka tk; a  
Hlxoku dh , š h HkDr djsuhpsl sÅij vk tk; A D; kaughavk; skA i kuh t: j vk; skA glk ukeek=  
dh HkDr ugha i wkzHkDr djagejk vk' khokh Hkh rHkh Qyrk gš tc vki dh HkDr tkj i dMfh gA  
/; ku j [kA dke rksvki ds}kj gh gkrk gš gekjk rksuke gkrk gA

vfgd k i jeks /kež dh t;

### ^ckny dk R; kx\*\*

25-01-16

rni[kMk

i kr%09%30

vkt rkjkngh l sfcgj djrs gq s [kMk xkp ea vkuk gA pkrk ea cny ?kus , oa  
dky&dkysvkl eku eaeMjkrsgjgrsgA ogh cny tc cjl tkrsgšrks'or , oa/koy&/koy gkstrs  
gA vki l c l e> jgsgA ; glk eflnj th dk f'kykU; kl dj k dj x; sFks l uk gšog vc tehu l s  
ckgj vk x; k gA nku djuk i Nfr dk LoHkko gA vkpk; kausJkod dsN%dekadk mYyš[k djrsq s  
nks dež i vtk , oan ku dks eč; crk; k 'kšk pkj buea gh xfhkz gkstrs gA vki ykxka us bl  
ftu&eflnj eac<p<dj fgLI k fy; k gA vHkh ml eavkš nku djuk gA

o"kkzgrh gšrksdMh Hkfe Hkh Qydyj uje gkstrh gš fd l ku l e; ij cht Mky nrk gA ml ea  
l s tks Ql y rš kj grh gšog l c dsfy; sns nrk gA , š k ughadh ek= vi usgh fy; sj [kA l cdk  
ck/ nrk gA ; g Øe l nš cuk jgsvr% nku djuseadHkh i hNsughagVukA xglFkh dsfy; snku gh  
, š k mi Øe gš tksvki ds i fj xg dks@u- eacurk gA u- dk eryc l c tkursgš T; knk [kkyuk  
ughagA u- eatksvi uh y{eh dksdjuk pkgrk gš ml snku nšuk pkfg; A cny dk R; kx dHkh Hkyuk  
ughA ml dk R; kx egku gA

vfgd k i jeks /kež dh t;

### ^^ kjhj dks ugha ' kjhj dks ns[kš

26-01-16

rni[kMk

i kr%09%30

vHkh , d 0; fDr usdgl egkjkt ge vki dspj . kkaeadš gkuk pkrgsA vki dšh dgykvks  
vkš gekjspj . k tsy gk tk; skA D; k gš l š kjh i k.kh\ vHkh tksfn [k jgk gšog gekjk i fjp; gšgh  
ughA tksvki ykx Qk/ksmrkj rsgksog Hkh ek; ktky gš ml ek; ktky l sÅij mBuk t: jh gš bl

jgL; dksdkbZHKH l e> gh ughai k jgk gA ml sl e>uk pkgrsgksrksbl mnkgj .k l sl e>& puuk , oa gYnh nksksvvyx&vyx gkFk eagš ; snksukafeyrsgH nksukadk vflRro ftl jak ds: i eans[k jgsFks og xk; c gksx; kA n[krsgH n[krsrhl jh olRqrš kj gksx; h ftl dksjksyh cksyrsgA bl l sLi"V gkrk gsfđ ; s'kjhj tksjksyh dh HkkAr g& u gYnh dks; kn djrsgSu puusdka Hkoy p[dsGA 'kjhj i kus dsckn , d k gh gkrk gA Lo: i dksl e>uk rFkk l e>usdsckn i kuk nksvvyx&vyx i f0; k gA bl dsfy; sgeagYnh , oapuuusdk vflRro Lohdkj djuk gkskA ek= 'kjhj dksn[k kusl sdk; Zughagks i k; skA gYnh dksgh l kcu&l kMk ekuaksrksog dHkh l kQ gkusokyk ughagA fdl uscuk; k jksyh dk& cuk; k fdl h us ugha nksuka , d txg j [k fn; k rks , d k gksx; kA bl s cPpkA dk [ky ugha l e>ukA ftuky; dk fuelZ k gksjgk gš bl ea dghaHkh jksyh ughajgsxA vki ds?kj&n[tku dk Hkh l adk bl l sughajgsxA ckgj okystc vk; aksrksd[Ń ughans[kakA vky; ughans[kaksftuky; n[kakA ml sl e> ik; aksrHkh vukfndky l spy jgsjksyh tš sgksyh dks i gpku i k; aks&nhi koyh thou ea vk tk; sxA nksukagh R; kšjkj gSi j , d dksvPNk ekursgš n[ jsl sl c cpuk pkgrsgA gekjh n"V ea ohrjxrk vk tk; A ohrjxh dksn[k kusl sgeaohrjxrk dk Kku gksi krk gA Hkxoku dksfojkteku djuk gA , d k dk djuk gš ftl sn[kdj gj 0; fDr dse[k l s; gh fudysfd gekjs i wZtkaus , d k dk; Zfd; k gA euš; thou dh l kFkZrk ; gh gA dgk; l svk; sg&dgk; tkuk gA d[Ń i rk ughavr% d[Ń dj ykA bruk gh i; klr l e>rk gA vkt ds gYnh&puus&jksyh dksHkoyuk ugha jksyh dksQad naksrks gYnh vksj puuk rkspyk gh x; kA gYnh vksj puusdschp tksjkl k; fud i fjozu gqk ml s l e>uk gh Hk0; rk dh i gpku gA vki dksbl dk Hkku gkuk pkfg; A eksj jkx&}š dk rkyk tksfp[uk ij yx tkrk gsrHkh ckj&ckj , d h ukor vkrh gA ckj&ckj ml eu dksl Hkkydj fLFkj djusdk iz kl djA l gh Lo: i eu ea vkrk jgA tksvi usvki dksl Hkkyxk oghaeu dksHkh l Hkky i k; skA bl vlRZUn dsl eki u djusdh i f0; k ges k&ges kk pyr h jghA , d h Hkkouk gA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^l Ldkj cpk; a i wZtka dš\*

27-01-16

rnu[kMk

i kr%09%80

vki yks tkurs gš Aj l s o"kkZ gkrh gš l [kh feVVh nyny ea cny tkrh gA fjef>e&fjef>e i kuh cjl rk jgrk gsrksckgj tkusdh bPNk rd ughagkrhA 'kke rd pyhA jkr ea l ksx; A l kpk vkt rksnyny cgr gksx; k gkskA l fg nyny dgk; x; kA vkxs pyus ij vksj l kQ&l [kj k feykA ?kj l shk l kQ feykA l kpk FkkMk i kuh fxjk gksck ij jkf= earst o"kkZ g[ pZ vksj og i kuh l kjk dk l kjk yd j cg x; kA

vkt yks 24 ?k. Vsea/kkfeZ dk; ZFkkMk l k djrsgš rksog n[kuseaughavkrk ij ogh /kkfeZ

dk; ZT; knk rst dj nrsgårksnyny NW tkrk gA o"kkZHkkjh gksuk pkfg; A nyny epk; k Hkh vki gh  
 ykska usgA bl sl kQ Hkh vki dksgh djuk gA vki ykska dksHkh eu% ; Z Kku gksuyxk gA fo"k;  
 d"kk; ka dh vi \$kk rkscgqr mnkj gks tkrsg\$ /kkfeZ vuqBku eavc djuk rksi Mæx ghA djuk i Mæx  
 ; gh vki dh ekufI drk n'kkZjgk gA vc egkjkt uxj eavk gh x; sgA , s k ughaLoPNk vi uh 'kFDr  
 dsvuq kj /kkfeZ vuqBku fd; k tkrk gA vkpk; Zdtndtjn usdgg gSfd tks0; fDr /kkfeZ vuqBku  
 dksrksns[krk gSi j ml dsQy dh bPNk ughaj [krk og xgLFk gkdj Hkh cgr vkxsdk I k/kd gA vksj  
 tksep;s; g fey&ep;s; sfeys, s k I kprk gSog ysusu dj jgk gA ys gSrknsu gA Hkxoku rks  
 ohrjxh g\$ mudsi kl fryrth ek= Hkh ughag\$ fQj Hkh vki ekæ jgsg\$ vjsekæksrksde I sde I kp  
 fopkj dj ekæka , d nplku rks [ky x; h& nll jh ds fy; s egkjkt vk'khdn ns nka ftusk  
 HkS k&nplku Hkh xlp eaugh'a kjj ea [ky tk; s, s k pkgrsgA vkpk; ZJh- I k/kqyxs Hkh xkpkæa#dus  
 yxsrks'kjg ea dkbZugha tk; sxa ge rks [kMk eavk; sgai j vkt tks [kMk gSog cgr cMk gksx; k  
 gA vc nk&nksfdeh rd Hkh [kMk dh I hek I ektr ughagkrha

fodkl gksi j ml fodkl dsl kFk geavi usl hdkjka dksHkh I j f{kr j [kuk gkska tksi wzt ka l s  
 vk; k gSml sl j f{kr ughaj [kæsrks D; k gkska igys I kuk&pknh Fkkj ftl dk dñ eW; Fkk vkt  
 dkxt g&jnæh gA dkxt dk eW; ?kVrk tk jgk gA tcf d I ku&pknh dk eW; c<rk tk jgk gA  
 i hNs ds bfrgkl dks Hkh ns[kks i wzt ka dh n"V dkxt ds Åij ugha Fkh vfi rqqhj k] ekf.kd] i Uukj  
 I kuk&pknh vkfn ij Fkha fons kh cgko eaer cgka I kpsHkkjr D; k Fkka vkRek dh ckr djusokyks  
 dHkh ; sHkh I kpsfd gekjs i wzt D; k Fka cPpka dks; g i kB i <kuk gkska vkRerUo rd i gpusds  
 fy; sgeabl vkj ns[kuk gkska rHkh ml sl kQ&I fjkj j [k I drsgA ge dku Fk& dgk; I svk; s; g  
 cPpkads I keusHkh j [kuk gkska pkrækl eadbZckj vk; sge Hkh dbZckj vk; sgA bl ckj fQj I s  
 yks/dj vk; sgA epke ughafd; k Fk ij bl ckj epke Hkh gksx; kA tksdk; ZgkFk eafy; k ml si j s  
 mRI kg I si j k djuka I dYi dks; kn j [kka cPpka ij , s sl hdkj NkMdej tkvksrkfd osvki I sHkh  
 vkxsc<A nnæ I nð ; gh I kprsgafd ukfr dh nplku I cl scMk gka i wzt ka dh ; sgh Hkkouk jgrh  
 gA bl h Hkkouk I sefUnj 'kh?kzcuA

ck/kd dkj .k dk vHkko , oal k/kd dkj .k dk I nHkko gh dk; Zdk i knHkko gA  
 vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^kq/kk dh 'kkfr d9 s\*\*

28-01-2016

i kr%09%30

vki ykx v"Veaxy æ0; I sHxoku dh i vttk djrsgA , d&, d v?; Zp<lrsl e; Hkxoku I s dgrsgA bl dscnyseaep;s; g feyA vki cksyrsgA{kqkk jksx fuokj .kk; uösl afu- LokgkA {kqkk jksx dc I svk; kj D; kavk; kj ml dscnyseaD; k pkgrsgA yfdu vki ykx bl jksx dksc<kusokysT; knk gA feVkus okys de gA uhps dh i ær yxHkx I Hkh ykx bl jksx dksc<kus okys gA fdrusfnu p<lr&p<lrsgksx; A Hkhrj Hkh p<lrsgAvkA ckgj Hkh p<lrsgSfQj Hkh {kqkk jksx feV ughajgk gA ; fn chekj h c<+j gh gSrkls e>nkj ogh gStksog nokbzughayrka foKku uscgf Nku Mkyk fQj Hkh I e; ij Hkq[k D; kayxrh gA vkt rd irk ughayxk i k; kA ; kn djusl sHkq[k yxrh gA ns[kus ij Hkxoku I sdgrsgA, d i v/ vkj gksrk rksvPNk gksrkA ; fn 'kj hj eadk bzXMeM+gks tk; srksdbZrjg dsfopkj vkrsgjrgA tc bruk I c dñ fn; k rksvPNk i v/ Hkh nrsA bl {kqkk jksx dksc<kus dh ctk; tksuk'k djuseayx x; sosegku gA ftuds i kl ; g nkSk gh ughaogh rksHkxoku gA ftuds i kl nkSk Lo; aeagksrksD; k mul sekaxusi j feysxk dñ feyusokyk ughagA

'kj hj gSrk; g jksx gksxk gh dñ , d sHk gA 'kj hj gSij Hkq[k ughaosHk egku gA ij dñ , d sHk gSeq[k I sysughal drA chekj gSfQj Hkh ckbi kl djdsfn; k tk jgk gA Lokn ughadS k gSog] xje gS; k B. Mk gA vkt dk gS; k ckl k gA dñ irk ughA vc rksHkxoku mBk ykrsksvPNk gA bu I cdk tkursns[krsgq sHk vkt dk 0; fDr vMj xkm. M ea tkdj ep;s; sdjuk gA ep;s; sdjuk gSfopkj dj jgk gA , d cky dksHk b/kj I sm/kj djusdh 'kfDr gSgh ughabl ds i kl A {kqkk jksx dksfeVkusds fy; sce i Vd jgk gA ml I sdñ ughagkusokykA vkdkqkk; @bPNk; aD; ka gksrh gSbl vkj xgu v/; ; u djuk gA vPNh&vPNh i frHk; a Hkh bl h vkj viuk /; ku dflær dj jgh gA os dS k i <lfy [kki u gA 'kksk ok dkbZu dkbZvk/kkj t: jh gA bl dsfy; svkt dk Hkksrdh thou ftEenkj gA Hkjr h; f' k{k iz kkyh ea; sl c ughagA vjck&[kjckayxk nrs gA bl s [kkst uaeai j ugha [kkst I drA tkseux<r gSml sviuh >Bh mi yfc/k fxursgA fHkUu&fHkUu i fj .kke geans[kuseavkrsgA oLrqdk dHk mRi kn&uk'k gksrk gh ugha cñ) Bhd LFkku ij u gksul s; g gksjgk gA vHk mnkgj .k j [kk&dB ea jksx gksx; kA ckbi kl o"kkard py jgk gA oLrqigp jgh gSij ftgek noh dh rks vkj/kuk gksgh ughajghA 'kkjhfd , oaeufld i firZnksukavyx&vyx gA nkse' khuka dksfeykuk xyr gA ekufld i firZdsfy, 'kj hj dksd"V ndj Hkh i firZdjuk ¼ kkjhfd i firZdggk; rd I gh gA ; svcñ) i d d dj jgk gS; k cñ) i d d dj jgk gA bl fy; s{kqkk jksx fouk'kuk; uösl afu- Lokgk\* dgkA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ˘yTtkoku gks gj i k.kh\*\*

31-01-2016

i kr%09%30

vHkh i wtck gksjgh FkhA xhr Hkh Fkk l xhr Hkh Fkka xhr&l xhr nksukapkg; A ij fdl vuq kr ea  
 plfg; s; g egRo i wkZgA xhr l e> eaHkh vkuk plfg; A vki ughal e> xsrksD; k eal e> mka dkukaea  
 cgr >ldkj vk; sxh rksdH Hkh l e> eaughavk; sxA jksch dksHkh l xhr dsek/; e l sfpdRI k nh  
 tkrh FkhA bl rjg dsl xhr earksog 8 fefuV eaugh8 l dsM eagh pyk tk; sxA f'k{k d , oa  
 f'kf{kdkvadsek/; e l svuq kr dh f'k{k yuh plfg; A Hkkokadsek/; e l shkh i Hkko i MfK gA Hkkokadk  
 i Hkko foKku ekus; k u ekusvo'; gksrk gA , d i # "k eg eadlyk ydj i kuh Qad nrk gA efgyk  
 Hkh dlyk djdsFkud nrh gA , d cy Fkh yktorh&yktorhA i # "k dsuke l sdbzcy ughagrhA  
 L=hokpd gSyTtorhA i # "k dsij l sf[kyrh gsvkij L=h dsij l sfl dMfh gA i # "k dsHkkokaea  
 vkij L=h dsHkkokaearj gA ; sfoKku dh e'khu dsidM+eaughavk; sxA ij forjx foKku bl s  
 idM+yxkA vkt l Hkh ml v/kij sfoKku dh vkij nkm+yxk jgsgA ge 'kcn tksckyrsgaml dsek/; e  
 l s; fn cVu nc tk; sx vkRek tkxr gks tk; sxA fo" k; kaal kjk thou yxk fn; k g\$ vc tkxr gks  
 tkvka

vki l xhr l u jgsgksml dk vuq kr fdruk l e> usdh Hkh vko' ; drk gA fo}ku vyx oLrq  
 , oafokku vyx oLrqgA ekuk fd ; sfoKku eaHkh gSij {ks= dh vi {kk dky dh vi {kk vyx&vyx  
 yxkuk gA ekuusdsfcuk xhr Hkh ughal xhr Hkh ughA foKku Hkh ughaforjx foKku Hkh ughA vi us  
 i kl yktorh j [kka yTtkoku cuksrHkh Hkkjr cpusokyk gsvU; Fkk Hkkjr cpusokyk ughagA bl  
 eky dksvki l Hkh ykxkard i gpkvks; vki dk Lo; ai j mi dkj gkskA

vfgd k ijeks /kel dh t;

# ˘kj hj dks ugha vkRek dks ns[kk\*\*

01-02-2016

i kr%09%30

Nks/scPpsQyxk l s [ksyrsgA osnksrjg dsgrsgA , d x\$ okyk , oanw jk j l k; u , oai kuh  
 okyKA i kuh okysdks tc dHkh i kuh eaMkyksrksml eaHkhjh fgLI k uhps, oa [kkyh fgLI k Aij jgrk  
 gA x\$ okyk rksAij gh mMfK jgrk gSD; kkd og gYdk gksrk gA ; g tho Hkh gYdk gkusij Aij  
 dh vkj xeu djrk gA nw jk t\$ sQyxsdk vLrRo gok l sgSml h rjg bl 'kjhj dk vLrRo vkRek  
 l sgA vkRek fudyh dh ; g dkbz dke dk ughajgka ft l 'kjhj dsuke dsfy; svFkok ml dkscuk; s  
 j [kusdsfy; sml dsbrusxyke gksjgsgks vkRek dsckgj tkrsg bl sns[kuk Hkh i l n ughadjra  
 fQj rksHk\$ k mBk nk\$ l Mx&xyu pkygkstk; sxA

vkij ml smBk fn; k tkrk gA , d n' ; l ekra l d kjh i k.kh bl n' ; dks tYnh Hkay tkrk gA

Kkuh bl Hkoy Hkybz k; eaHkh vi uk jkLrk i dM+yrsk gA Hkhrj rlo jgrk gA rHkh rd Qlxk dh dher jgrh gA gk; g l d kjh i k. kh vkxsfQj l s, d u; k Qlxk cuk yrsk gA ekskekxZeaughapyksx rksl d kj ekxZrksGghA l dksi l sl q yks; k foLrkj l sl q ykA vHkh gekjk ua ughj vk; qdHkh ua ugha ns[krhA

'kjhj th.k&'kh.kZgksdj fc[kj tkrk gS uru deZcalkrsjgrsgA Kku bu deka dks dkVusdk iz kl djrk jgrk gA , d fnu og i wkZl Qyrk Hkh i klr dj yrsk gA , d nD; , d k Hkh tksfn[krk ugha j ml dsfcuk Hkh gyu&pyu l Hko ugha gj l d kjh i k. kh dh tksfD; k ns[k jsgsam l l stho rlo dh vfuok; Zrk gks tkrh gA vki l Hkh i vt u djusvk; sFkS ge cB x; svki usi vt u dh i opu Hkh nsfn; kA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

### ^Hkkoka dh egkurk\*\*

08-02-2016

i kr%09%0

l cdksofnr gS, d nhi d l snw jk nhi d ty tkrk gSvkS Hkh nhi d ty l drsgA Hkkoka dh izkkurk l styrsGA æ0; dk vkyEcu yusokyk Hkh egROI wkZgS nksuadk vkyEcu yus l sHkhrj , oa ckgj nksuka: i dk valdkj nij gks tkrk gA taxy eapkjka vkj l v[kk&gh&l v[kk gS [kr l v[k x; sgS ij dN , d si M+Hkh gS ftu ij u; sdka y i Uk&Qw vk; sqg sgS vi uh [kqkqfc [kj jsgs mudks Åij l sfdl h usi kuh nsfn; kA Hkhrj i kuh gksrk gSrksvkS Hkh i M+gjsgrsA Hkkoka dh ; gh efgek gA i r>M+gksu sij Hkh og i M+gjk&Hkj cuk jgkA

l c dN gksrsq sHkh vi usHkkoka dks gjk j [kkS tS sHkh gks vi usHkkoka dk u fxjusnA l ka kfjd foNfr; k; blgha Hkkoka l sgrh gA de l sde bu l c dschp eajgrsgq sHkh Hkkoka dks l gj{kr j [k l drsgA xkfM+ k; vkrh jgrh gS tkrh jgrh gA Hkysgh vki gkbos ij jgrsgks ij ?kj l sckgj fudyuk gkskA fvfdV ysk gksk] xkMh ea cBuk gksk] rHkh igp ikvksA ; sHkko tc gks rHkh i ; kZrd dgykvksvFkZr i wkZr k i klr djæA

Hkkoka l so) koLFkk eaHkh thou fey tkrk gS vU; Fkk ; pkoLFkk eaHkh i ænh cu tkrk gA Åij dsæ0; ij ughaHkhrj dsHkkoka ij l nD nFV j [kka

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^, drk ea , drku gš\*

09-02-2016

i kr%09%30

oknu] xk; u] uru dsl kFk i wtck gksjgh FkA bu rhukadk ; kx gA , d Hkh de gksrksvkum ugha vksj crky gh rksHkh vkum ughavk; sxA rhukaea, drk vk tkrh gSrs, d rku gks tkrh gA , dea d gksttuk gh , drku gA i Hkqvvyx] HkDr vvx] HkDr vvx bu rhukaea, drk gkstt; srks, d rku gks tkrh gA i k=rk dsl kFk Hkkokaea i fjorZu vkrk tkrk gA xnZu vkfn l sHkh u'R; dj yrs gA i Hkqrks rhukayk dka dks n[ krs jgrsgA l kprsgA; sykx , drk dsl kFk yhu gks tk jgsgA osgeš kk n[ krs jgrsgA i Hkq= d kfyd n'kk; a, oafn'kk; al c tkursgA vi usæ0; dksl ekfgr dj rsgA

; g fuf'pr gSfd ml HkDr eagh og 'kDr gStksHkxoku dksvki l stkm+nsh gSvkj vf/kd ijkd' Bk ij i gpus ij Hkxoku Lo; aeamfnr gks tkrsgA ; g vdkV; fu; e gA l gh i # "kFKZ dk uke gh l E; XKku , oal E; d p k f j = gStc rd i w k z r k i k r ughagkxh rc rd l Hkh l d kjh gš gk fl ) l suhpsl Hkh Hkxoku cuusdh vksj gA ek= fl ) i ješ Bh gh l d kj l sÅ ij gks p d s D; k f d v' kj hj gh v Hkh ge dgk gš; snf"V eaj [kksrHkh Øe l sÅ ij mB ik; sxA vc l h/kk jkLrk fey x; k gA gekj Hkhrj Hkh ; kx; rk gStksmuds i kl gš cl HkDr cuuk gA tksHkDr cusxk ogh Hkxoku cusxA ; sHkh , d rš kjh gš tš sdgha tkuk gksrks Mkboj dkscky nrsgA og rš kj gkdj jgrk gA ekj] dksde djusdh rš kjh i kjEHk dj nksrHkh ekš k /kke dksi k ik; sxA

vfgd k ijeks /kel dh t;

# ^l xak dgk\*\*

10-02-2016

i kr%09%30

dij , d , d k i n k F k z g s t k s f d l h d k s x e h z y x t k ; s r k s ' k h r k i p k j d s d k e v k r h g A m l e a l i ' k z : i j l x a k l c g š i j ; f n t y k f n ; k r k s d n u g h a c p r k A f D o a / y l s H k h t y k u s i j j k [ k u g h a c p r h A f d U r q i d k j k U r j l s n s [ k a r k s l q U / k h o k r k o j . k l s , d c M s H k o u d k s e g d k f n ; k A m l x U / k d k v u t k o v u d y k x y s j g s g A ; f n ' k j h j d k s r i L ; k e a y x k n r s g a r k s t k s g y d i j d k g y k o g h g e k j k g k s k A d e z l H k h u " V g k s t k ; s x A d k ; k H k h t y t k ; s c h A u k e H k h l e k t r g k s t k ; s x A v k t e g k o j h l s \_ " k H k u k F k d h r i L ; k d k Q y g e a f e y j g k g A o k s r k s i k j g k s x ; s g e a H k h i k j y x k j g h g A v e i r o D ; k g š ; g H k h c k š k g e a g k r k g A v k t H k h m l d h ; k n H k j g e a l q f U / k r d j n s h g A l k d k f j d x a k e a j g d j H k h g e m l l q a k d k s y d j v k u f l n r g k s j g s g A , d N k s / s l s m n k j . k l s g e i j . k k y s u o k s g š u m l d k y h u d k b z o l r q g A e k = f t u o k . k h d k l c l g k j k y r s g š r k s o s l H k h c k r a g e a ; k n g k s t k r h g š p k g s r k s m l e f i r z d k s ; g k ; f o j k t e k u d j l d r s g š r k f d l c y k x m l d k y k H k y s l d A b l c k r d k s l c d k s c r k n s u k ] g e a r f i g a r k s o g Q k d V e a f e y k g š [ k j h n u k u g h a i M k A d i j c u k s r H k h m u i j m i d k j g k s k v k j L o ; a d k s l q f U / k r d j i k v k s A



djustl sgh gYdk gksl drsgänksizdkj dsHkkj gkrsgä, d rks' kkl=h; Hkkj nñ jk Nnkeh yky vjci fr dk HkkjA l c ij Hkkjh gä eksg dk R; kx djæsrHkh Åij mBæA vkfnukFk Hkxoku dh dk; k 500 /kuqk fQj Hkh R; kx dscy ij Åij x; Å i vt u dk vFkZHkh ; gh gš æ0; dsek/; e l sHkko yxkrs gä mu Hkkoka l sdñ R; kx djra tk; š gYdsgks tk; æA l ekt dk dke fey dj djarkfd vkum Hkh vk; svkš i jk Hkh gä ; gk; Hkysgh ?kj ij Hkkst u vyx&vyx Fkkyh eai j efnj eai vt u rksl kefgd , d Fkkyh eadj yrsgš vPNh i fj i kvh gä

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^eu cuk fy; k\*\*

19-02-2016

i kr%09%80

vki ykxkadksfofnr gksk fd nñk dksQkMæsdh fof/k gkrh gš cgr egRoi wkZgSnñk dksQkMæk rHkh ml dk Nšuk curk gš ml Nšul s0; at u cursgä nñk dks [kj hndj yk; š osgh vi usgkFkka l sml s QkM+nrsngä dHkh vi usgkFkka l s, d h xyrh gks tkrh gšfd og nñk QV tkrk gSrksnñk Hkh x; k vkš Nšuk Hkh x; k vkš tksfuell=.k ij vk; sFks mu ykxka dks Hkh ughans i k; Å geafof/kor-QkMæsdh i f'k{k.k ysyuk pkfg; srkfd i ær eacBusokyk Hkh Lokn yd j [kk l dA l arkausgeaogh i f'k{k.k fn; k] vkpk; kaus tksfn; k og cgr ehBk gh fn; kA ftuok.kh Hkysgh QV tk; sij ml dk dF; rks ehBk gh gä ge ykxka dks vi uh nñV eaj [kdj D; k [kk; æš D; k fi ; æsBR; knh rFkk ml nñk dks tekusdh l gh&l gh i f0; k tku yuk pkfg; Å tekusdh i f0; k tekusdksnsnh MkyhA ml i f0; k dk ikyu dj vkt ge ?kh dk l ou dj jgsgš ml ?kh dh fo/kh crkusokysdksde l sde ; kn rks djA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^vkvks thrs i fj "kg\*\*

23-02-2016

i kr%11%45

- vKku i fj "kg , oai Kk i fj "kg l ðj dsl 'kDr grrgä ; snkskaetcr dksgä Kkukoj .kh; del /kpsr; h gš bl fy; sbu nkska i fj "kg fot; l s24 ?k. Vs' k0) dekbZgksjgh gä Kku dk fuxg Hkh bl hfy; sdgk x; k gä Kku HkVdkusokyk gkrk gä
- ^dPps?kMæš ty u Hkj k tkrk] fcuk i dk; š& Je.kl kxj th
- dPpk ?kMæ gš dke eäu ykscuk vfxu i jh{k k dA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# Li /kkz djks ekg de e\*

25-02-2016

i kr%09%0

unh dksi kj djuk g\$ unh eai kuh gA i kuh Hkh osx dsl kFk cg jgk gA i kj djuk gA , d 0; fDr r\$uk ughatkurk] , d 0; fDr r\$uk rks tkurk gSi j cgko n\$kdj ?kckj jgk gA tc r\$usokyk ?kckj jgk g\$ rks tksughar\$uk tkurk ml dk D; k gky gksxA cgko rst g\$ ck<+dh n'kk gA ck<+dh n'kk ges'kk ughajgrh gA rst o"kkz gks l sunh eamQu vkrk g\$ ij 1&2 fnu eack<+dh n'kk l ektr gks tkrh gA ml dsckn , d&n\$ jsdk gkFk i dM\$] , d& , d i\$ /khj&/khjsj [kdj i kj gksx; A nksuka r\$usokyk Hkh ughar\$usokyk Hkh i kj gksx; A ; fDr l sBku yrsks dke gks tkrk gA bl h izdkj , d&n\$ jsdksi kj yxkvkA

fodYi kadh Hkh n'kk ck<+t\$ h gh gkrh gA t\$gk i kuh ges'kk cjl rk gh jgrk gSogk l n\$ ck<+dh fLFkr cuh gh jgrh gA vki Hkh , d sLFkkukai j tkrsg\$ t\$gk fodYi kadh ck<+cuh gh jgrh gA t\$gk fodYi T; knk gks, d sLFku ij er tkvka eu eages'kk rst h ughajgrh tc 'kkar jgsrc dkcweadj ykA fodYi dk dkj .k D; k g\$ ge vi uh xYrh dksLohdkj ughadjra dkj .kkadks NkM/ksfodYi Lor% gh 'kkar gks tk; xA foUk&oBko vkfn dk vckj yxk yrs g\$vc l cdh n\$V ml v\$g tk; xh] vki ml eal sfdl h dksnuk ughapkg\$ vc fodYi 'kq gks tk; xA bl fy; smruk gh dekvksftrus l s vki dk dke py tk; A i kuh dk cgko l n\$ , dl k ughajgrkA vol j dsvud kj gj {k= eadke gkrsg\$ fodYi Hkh tc 'kkar gks tk; src i # "kkFkz djka deZrksmn; eavkdj Qy naksy\$du ml l e; dN er djka x#osy g\$vk\$ uhe pB x; kA djsyk uhe p<k ftudks e/kep\$ dh chekj h g\$ mudsfy; srksBhd gA tc rd {k=] dky vkfn dsxqk/keZughal e>rs\$ rHkh rd fodYi eavkr\$ gA

fQj Hkxoku l sdgrsg\$fd geai kj yxk nksHkxokuA Hkxoku dgrsg\$vi uk jkLrk NkM/ks\$ ft l ekxZl se\$vk; k gpm l h jkLrs l spysvkvka dN yk\$ka dks\$ek\$kekxZealHkh tYnh pkfg; \$ ; gk; 'kkz/ZdV ughapyskA ; gk; dN djuk gh ugh\$ cBuk g\$ d\$ s t\$ sHkxoku cBsg\$ Hkhrjh vk\$ [k 1/2 dksHkh can dj nka cksyksugh\$ tksvk; sg\$ mlgaHkh Hkxoku cBsg\$ 'kkar jgkA cPpkadks i xr eacB x; A igys Hkxoku cuksrc feyskA gekjk eu cgr mUk\$tr g\$, d k ughadguk de l sde eu djsyk ij rksu p<A ml h [kr eaxlUuk Hkh g\$ ml h ij p<+tkv\$ feBkl vk tk; xkA eadBk\$ g\$ rHkh rks [kMk\$ g\$ ugha rksy\$ m [kM+y\$st\$; xA Hkhrj l srkseHk gh gA

bl fy; sdekadsosx dks tks l e>rk g\$ ogh vxsc<+l drk gA fdl ku dh Hkkr&gok dk # [k n\$krk jgrk g\$ rl yk yd\$ [kMk\$ jgrk g\$ft/kj dh gok jgrh g\$ml h vud kj Hkh k mMk n\$rk gA ij h\$kk gky eafpYykus l sdN ughagkskA i s j eafy [kuk gkskA ; gk; ekkr&fi rk&x# th dkbZughal vk l drk gA vkrk g\$srksfy [kA bl izdkj geaunh dscgko] dekadsox] gok dsosx dks n\$kdj i # "kkFkz djuk pkfg; A Li /kkz djks ekg R; kx eaLi /kkz djka /ku&oBko earksLi /kkz djrsgh gkA de

djuseaHkh T; knk nj ughayxuk pkfg; A

lokba/ fxu jgsgka ml eaHkh fodYi djrsgksD; kaid eksj gh eksj gA bl sde djuk tcjnLr  
dk; ZgA cPpsdg jgsgackck vc vki dh vko'; drk ugha vki cBks/keZ; ku djksvki eksj dsdkj.k  
NkM+ughajgsgka dke djus tkvka i l huk rHkh vkrk gS tc xjeh gkrh gA eksj dksde djuk gh  
l Ppk eksjekxZgA gekj smnkj.k ; kn j [kuk&uhe ij ughaxlusij p<k nsukA eksj t: j gh de  
gkska

vfgd k ijeks /keZ dh t;

### ^vkoks ekat s Hkkoka dks\*\*

26-02-2016

i kr%09%30

e.kh; k; dbZi zdkj dh gkrh gA l cdk vi uk&vi uk LoHko gkrk gA , d e.kh gSi kj l e.kh l c  
e.kh; k; vi uk&vi uk i Hkko MkYrh gSi kj l e.kh yksg dks l ksk cuk nrh gA fdl h usi nk ; g dgk  
feyrh gA fBdkuk gekjsfy; scrk; k gS nI jkadfsy; sugha yksg l ksk cu trkr gS l ksk dks yk  
cu trkr gS feeh l ksk cu trkr gA

, d dksog i kj l e.kh fey x; h ml usykg dks Nqk ij l ksk ughacuka nI jk 0; fDr vk; k og  
vi uk yksg Nqk; k l ksk cu x; kA ml usdgg rfigkj k yksg&yksg ughagS ta [kk; k gqk yksg gA  
'kq' yksg pkfg; A i kj l e.kh Hkh ta [kk; sgq sykg dks l ksk ughacuk l drhA bl h i zdkj gekjs  
i kj l Hkxoku Hkh ta [kk; sgq sJkod dks l ksk Hkxoku ughacuk l drsgA i kuh vkS gok dsuke l s  
yksg ta [kk trkr gA HkDr vl yh gsk pkfg; s; gk; vHkh Jkod æ0; rks i jh p<k nh] eSHkko ns[k  
jgk Fkka Hko bruh cMh i jkr tS sughaFka vkt dy , s h i j kuh i jkr ughafeyrh gA ge l c dN  
ekat jgsgdyfdu Hkkoka dksughaekat jgsga; sHko ; ghan' kkl= x# dsl kfu/; eagh ekat l drsgA  
vU; xfr earksbudksekatuk l Hko Hkh ugha i kj l e.kh rksdke djsch] cl yksg vl yh gsk pkfg; }  
ftl svkl uu Hko; dgrsgA fudV Hko; ds: i eamEehnokj gsk pkfg; s rHkh vi useu dks ekat  
l drsgA

vfgd k ijeks /keZ dh t;

# ^vke I s f' k{kk\*\*

27-02-2016

i kr%09%0

, d cxhpseacgr i M+FKj ml eavke dk Hkh i M+FKkA fdl ku l e>nkj Fkk] fdl ku dksl e>nkj gksuk pkfg; A vke ij ekj vkusdksFkA nksok'kZea, d ckj Qyrk gSvke dk i MA yxkrkj ughA ekj dsmijkr ml Mky ij NkV&NkV/sewQyH dscjkj vke gksx; s'vfe; k'A yk[kkaeal d; k Fkh] ij mueal sdN /khj&/khjScM@gksx; } l q kMk l sHkh cM@gksx; A vHkh Hkh og fdl h dke dk ughA tc ml dk : i@vkdj vlg cMk gksx; k rc fdl ku l kprk gSfd vc budksmrkjuk gA ij og , d sgh ugha mrkjrkA l e>nkjh l smrkjrk gS tks; kX; gSml smrkjrk gA tks; kX; ugha gS ml s ugha mrkjrkA , d&vk/k vke dh ij h{kk dj yrk gSfd vkpkj yk; d gksx; k ; k ughA cPpk dks Kkr gkrk gSfd ij h{kk ds; kX; rksGij fcBk; aksughA ckn eagk dg nrsgA ml vke dh [kVkb] jax Hkh gjk] vñj ihyki uadd fj; k ; sl c ns[kk tkrk gA ; sl Hkh xqk gkrsgAvke eaog fdl ku ml dksiky ea j [kdj i dkrk gA i ky eam"ek@xjekgV i ; kZr ek=k ea jgrh gA vc og eyk; e Hkh gksx; kA o.kZl so.kkZrj Hkh gksx; kA

vke gjk Hkh jgsij [kèk gh gks, d k ughaehBk Hkh gksl drk gA gjk gSij ehBk&eyk; e , oa l qzkh gA tYnh ughadjuk gA ml dsdlae ea, d cVu gkrk gS ml sfudkyuk i M+rk gA vc uhpsh vlg l snckuk gS ml cVu ea {kj æ0; , df=r jgrk gS cnj Hkh [kk; sk rks ml sfudkydj gh [kk; skA {kkj æ0; ds l kFk FkkMk l k vPNk Hkh fudy tk; } dkbZckr ughA ; smnkj .k vki ykxkads fy; sgA vki usdek; k] nqdku vki dh] i m h vki dh] eky vki dk l c dN vki dk] dekbzvki dh ij {kkj æ0; fudkysfcuk dke eaughaysl drsgA l e> eavk x; k gkA bl sl c ykxkard i gpk nuka vkt gh dkuh l srktk&rktk vke ydj vk; sgA

vfgd k ijeks /keZ dh t;

# ^thus I s pyuk ughA ul Sùh I s p<tk\*\*

28-02-2016

i kr%09%0

l dV dh fLFkr ea dkbZ Hkh ckj fudyuk i l n ugha djrk] Hkhrj jguk i l n djrk gA eks{kexZea pyusdh ugha p<usdh ckr gkrh gS xqkLFku bl h dk uke gSul Sùh gA eks{kexZea vdsys dk gh fVfdV feyrk gA vki Hkysgh l rQV gS ij geaatj ughA fQj Hkh pysrkA ekxZea fey tk; s vyx ckr ij pyuk vdsysgh i M&kA vdsysgh ul Sùh ij p<rk gS, oavdsysgh mrjrk gA thuk ea , d k ugha gA thuk rks thuk gA ml ea l j {kk dk i ko/kku gkrk gS og ?kærk gvrk Hkh] ckr djrk gvrk Hkh p<+tkrk gA nk&ruh feydj Hkh p<+l drsgA ij ul Sùh og gSft l eavdsysgh p<rk gA nksij gkrsg&chp&chp eai kD j [kusdsfy; svkMk ydMk gkrh gS mu ij l Hky&l Hkydj i kD j [kuk gkrk

gA

Åij&Åij dk xqkLFkku vvx&vyx gA vki ykxkadsI kFk eks{kekxZdh ckr djarksdgl; l s  
djA vki ykxkadsfy; srksikp iſ okyk thuk jgrk gA jfookj dsfnu thusdk dke j [kk gſ tks  
dkbZHHk pyk vk; sml svk' khokh ge nsnrsgA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

### ^ekix ml gh ml gh u gks\*\*

29-02-2016

i kr%09%0

ftl dk; Zdkdjuk gkrk gSml sdjds?kj ykS/ tkrsgſ ?kj ij dgk tkrk gA gkjl kbZrſ kj  
gA oksHkh rſ kj gk tkrsgſ , d k ughadgk tkrk gSrksoksl e> rsgſfd vſſ vHkh VkbE gA bu l c  
ckrkadkscgr fnu l sl q jgk gSog NkV/k ckydA bu l cdkscyk&cykdj Hkstu dj; k tkrk gſ  
gekjsfy; sjkuk i Mſk gſ , d k i {ki kr D; ka l ek/kku fn; k tkrk gSfd rē ?kj ij gh cBsjgrsgk&  
tc jks xk rksge l e> yrsgſfd HkV k yxh gſ; k ughA og ckyd dgrk g& ge ml gh&ml gh jks a  
rksek; dgrh gSokshkh ge l e> yrsgſfd ; svl yh dk jkuk gſ; k ukVd dj jgk gA ml h iZkj ge  
Hkh l e> yrsgſfd vki ykxkadh ekæ okLrfod ekæ gſ; k ml gh&ml gh rksughA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

### ^/kii vkjrh dk deky\*\*

01-03-2016

i kr%09%0

cgſ i kFkZuk dsckn] HkfDr vkfn l snkEi R; thou ea, d iē dh i kflr gq h] ; g iē vkxsoak  
ijEijk pyk l dsckA bl iZkj ml dk ikyu&i ksk.k gksusyxkA og Hkh cMk gkrk x; kA ml dh  
f'kdk; r jgrh Fkh fd ejh Hkkouk i wZughadj i krsGſtc fd ekkr&fi rk nkf; Ro dsl kFk ml dh i firZ  
djra , d ckj og iē v/ke dj jgk FkA ek; usml seuk fd; k ij og eku gh ughajgk FkA tc bl  
ckj i kl eavk; k ek; usplwgs l s, d ydMh fudkyh vſſ fn [kk nh ml dh rjQA /kii vkjrh mrkj nhA  
vkjrh ugha/kii vkjrhA ml l e; ek; dh eæk dſ h&Qks/ksyusyk; dA ; sckk l h nōh vk x; hA D; k  
ek; bl rjg dh vkŒfr cuk l drh g& ughA bl vkŒfr eaHkh og f'kf{kdk dk dke dj jgh gA  
brusfnu eavki ykxkausgksdguk l h[k fy; k ; seny gA

fn0; Kku dk fo"k; gSrē rksgksdgrspys tkvka ; sl c ejk fo"k; gſ rſgjk fo"k; rksek=  
LohŒfr gA ; | fi ek; , d k ughapkrh Fkh ij i k B rksi <kuk gh FkA ckj l svkŒfr cuk; h ij Hkhrj

I sl ð. Ñfr dksdk; e j [kkA bl fy; sckgj l svki ykx i mtu djkj nku djkj tS shk djksdjuk gSi j Hkhrj l sjkx& }\$k] ek&diV dksde djuk gA ; g i kVZgA

vHkh , d l Ttu vk; sjktLFkku l s %yqkFM+ k th½ ukfj; y p<k; kA tc x# th dk 'kjhj f' kFky gksx; k] ml l e; ; sifrfnu mUgai dMdej 'kks vkfn djkrfKk vkt blgalykx idMdej ukfj; y p<øk jgsgA l e; dk Qj gA ; sn'; gA

vkRek dh ckr djrs gks i j ng dh vkj gh nF"V gA 'kHkFØ; k djuh gA Hkysgh clnp&rhj deku yxsgA l suk yxh gSi j 'kHkFØ; k rksdjuk gkskA clnp dS h&ck: n l shkjh gq h g& Lusg l s Hkjh gq h ughagA

vki dksjcj kj n[ krsjgkA D; k dj jgsgA dkbZ l qokbZ ughagksxh ; gkA l h/kk dj nrsgA gks %gk½ dg nrsgks rksfQj Hkh Bhd gA ?kj ij ckjkr vkus dks gS vHkh b/kj&m/kj dh ckrA l qus dk vol j ughagA /kui vkjrh i kl eagA ys ; k vyx oLrqgSvkj vHki k; vyx oLrqgA vkRek eaD; k Hkko gS ckj D; k Hkko gA ckj ds Hkko k l shkhrj dk i rk ughapyrk gA tksfo | kFkhZ x# th dsvk'k; dks l e>dj dk; Zdjrk gS ml s'kck' kh feyrh gS tksughal e>rk ml s/kui vkjrh fn [kk; h tkrh gA i mtu dsckn ; s10 fefuV dk l e; l c Bhd&Bkd djusdk gkrk gA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^deky dk gS pj [kk&grdj?kk\*

02-03-2016

i kr%09%20

jDr l pkj rHkh l Hko gS tc Hkhrj i k.kok; qdk l pkj gkA /ku dh mi ; ksrk gSi j l æg dh ugha l pkj dh vko'; drk gA tgg l æg gkrk gS ogk l pkj ugha gkrkA l pkj gksk rHkh thou fodkl 'khy gkskA i k.kok; qjDr l pkj ea ; ksnku nrh gS jDr nkM/ us yxrk gA jDr 'kjhj ds dks&dk useapyk tkrk gA ; fn jDr dk forj . k Bhd ughagksk rksog dguk 'k# dj nrk gSejk ; s v& dke ugha dj jgkA Hkstu dk 'kjhj dsfy; segROI wZLFkku gA ogh Hkstu Hkhrj tkdj jDr vkfn l l r/kr qea i fjo frz gkrk gA ; fn Hkstu ugha feyrk gS rksog [kkvka 'kq' gok ugha feyrks nok [kkvka nok Hkh ugha feyrks xe [kkvka xe Hkh [kkus dh pht gS bl fy; suke j [kk tkrk g&cxeA cxe dk mRi knu dgk l sgq& Hkhrj dh mi t gSrks l [k dh mi t Hkh Hkhrj l sgh gksr h gA ckj dk izdku djuk gh ugha gS eu dk izdku djuk gA ; fn Hkhrj dk izdku gS Hkhrj dk i nHk. k nij gksx; k rksrhu ykd 'kkr gkst k; s kA

itzk dh ckr ckn ea itkifr dksu gS bl sigys n[ kA thou D; k gS ; g l e>uk igys vko'; d gSrHkh thou dh l kexh dk eW; gA i frHkLFkyh dh cgusvk; h gq h gS epS [kq kh gSfd de l sde ; q ykS/ jgk gA /keZ q ea; q dsvkxs/keZ pyrk gS tc fd ; q/keZ gSrks/keZ xksk gks

tkrk gA /kezdsek/; e l sgh dUkD; fd; k tkrk gA , d cgu uscrk; k tksLukRdkkikj dh Qkbuy  
dh Nk=k gSml sd{kk eæekWly cukusdsfy; sdgk x; kA oksyV l si gph vl; ekWly vk pædsFkA  
Dyki dh v/; kfi dk usdgg ; srks i gysnuk pkfg; A jDr c<lvk&jDr c<lvksdgg tkrk gSeu  
i QqYyr gSrksjDr c<æk ghA vFk&vFkZdh ckr djusokyksfdl h vFkZkkL=h dksvFkZdk vFkZugha  
vkrkA vFkZds }kjk døy vuFkZeagh yxsgg sgA ml cgu dk ekWly Fkk xk/kh th dk pj [kkA 'kCn  
gh dj jgk gSi gyspj fQj [kkA i gysegur dj fQj [kkA vki i gys [kk fQj pj djrs gâbl fy; s  
l Hkh Mæc jgsgA

pj [kk&grdj?kk fo' ofo | ky; eæHkh i #LÑr gksx; kA chuk ckjgk eæ tks; øk ykx f' kf{kr gS  
bl h dk; Zeayxsgg tksegur djrk gSJe djrk gSml dsjDr dk l økj Lor%Bhd jgrk gA tgg  
[kui tek ughafd rjar vkWjs ku dj kA [kui dk vkWjs ku gsrk gSdHkh\dhHkh ughA bl fy; sJe dj kA  
Je djusokysdk jDr l økj Bhd gks tk; æk , oai kpu 'kfDr l gh jgschA nok eadN ughaj [kk gA  
eBh curh gSrc , drk vkrh gA vki l kshkh jgsrksHkh [kui vi uk dke dj jgk gA bl ds#dusdk  
uke gh og pyk x; kA vc ughaj gkA 0; fDr pyk x; k 0; fDrRo rks; gh gA

'kksk@vuq ækku djusokys0; fDrRo l s0; fDr dh vkj tkrsgA [krs tkvks vkj dekus tkvks  
dN ughagearks tks0; fDr l æg djdsj [kk gSml ds/ku dh fpark gA gea/ku dh Hkh fpark ughagea  
rksml /kuh dh fpark gA dgg; tk; æk og cøkj kA grdj?kk&pj [kkA i kFkfed ; k ek/; fed eæugha  
fo' ofo | ky; eæi #LÑr gksjgk gA vkt gekjk yMæk&gekjk yMæk dj jgsgkA i <æsvk; æk rc  
^, syMæsvkvs\* fd l svfHkHkkodkal A ; sgh n' kk gksjgh gA

vHkHkkodkal ser yMæ; fn yMæk gSrksvi usdekål syMæ&i frHkoku gkA Je djksbl l su  
døy jDr dk l økj gksæk vfi rjDr l ækks/kr Hkh gksækA fparu dsfy; § cf) dsfy; shkh jDr dk  
l ækks/kdj .k gksæk t: jh gA jDr 'kq) ughagkrk rksdgrk gS HkS k eu ughayx jgk gA i æaku dks  
dkbZolRqugh. Je djuk gh i æaku gA bat hf; j l shkh T; knk dke dj jgk gSog grdj?kk l A gkFk  
dk uke gh gSdj bl fy; sgkFk l sdjA djksæsrksbat hf; j l shkh T; knk gkFk l si klr gksjgk gA vkt  
vki ykææadsdkj .k Fkk&lk foyEc gksx; k yfdu dkbZckr ughA

Hkk&tu¾ gstu l økj vc ftu cukA tu cusfcuk ftu ughacu l drk vkj Hkkstu feysfcuk  
tu ughacu l drk gA tksdkbZHkh l ks jgsgæmudksmBkvsugh. ogk; l spy nkj vi usvki gh mB  
[kMæ gksækA ; øk dkspykuk pkgrsgksrks; øk ds l keuspyuk i kjEHk dj nksvki dksn[kdj og Hkh  
t: j pyskA pysk gh ughank&ækA

vfgd k ijeks /keZ dh t;

# ~nf"V gks Hkhrj eš

03-03-2016

i kr%09%30

vki ykx cgr nj l svk; sgA dgk fdruh nj l svk; sgA l gh fBdkuk gksrksrk nA nj l s vk; sgA; sckysrksrsgA tksfudV dk ughans[k l drk og nj dk D; k ns[kskA vkt rksnj & n' kU dk tekuk gA nj dk ns[k Hkh ughal drkA 20]000&40]000 fdykehVj nj tksjk"V" gš mlgan[k kusdsckn Hkh rflr ughagksi k; h gA

gekjs l arksusdgk nj n' kU ughapkg; snj & nf"V pkg; A nj dh oLrqdksn[k kusdsfy, , d oLrqgksh gš ml dk uke gsnjchuA i gkMka l suhpsdk n'; ns[kk tkrk gsnjchu l } fd ge fdrus ÅpsgA tc uhps l sÅij pys tkrsgārksckny Vdjkusdk vgl kl gkrk gš Åij vkh vkš gA nj n' kU l sfo'o dsl kjsjk"Vka dksn[k jgk gš ij fn'kk cksk l sughafn'kkghu gkdj fopkj djrk gš fd eš dgk & dgk x; kA , d ekufp= vi usekul eaykrk gš eš; gk Hkh x; k gš 3A pkj karjQ ns[k fy; k uhps Åij j vkt & ckt j fn'kk & fofn'kk l c ns[k fy; k ij Hkhrj ughans[k kA tgk ns[k kuk Fkk ogha ughans[k kA ni z k er ns[k kA ni z k eans[k kabl h l sLo: i dh i kflr gkschA

vkš d n ughans[k kshxoku dksn[k kA ; srksefirz gš gk mudh ed[k dksn[k ykA Hkxoku dh ed[k ns[kusl shkhrj ns[kusdk l kškkx; i klr gkrk gA Hkhrj dk ft l eafn[k kusdh {kerk gš ml h dksni z k dgrsgA vki ykx cgr & nj & nj l svk; } cgr vPNk iz kl gš vc Hkxoku dksn[k ykA Hkhrj ns[kusdk iz kl dj ykA dbz ykx cM&cMsekV ¼ kks e½ cuk yrs gš dbz cM&cMsf o'of o | ky; cuk yrs gš ij vki dschp , d shk cBsgš ¼ keijk th½ tkscM&cMefunj cuk jgsgA ; sefunj rks cuk nrs gš ij tc ml eaHkxoku fojkteku gkrsgārHkh og efunj uke l kFzd gkrk gA ; gk cBsgk rksdoy ohrjkrk dh ckr djka Hkhrj ns[kusdk iz kl djka nj tkusdh t: jr ugh nj n' kU ; k njchu dh Hkh t: jr ughavkš vc p'ek dh Hkh t: jr ughacl Hkhrj ns[kuk gA p'ek D; kayxkrsg & ckjhd l sckjhd Hkh ml l sfn[k tk; sij og p'ek Hkhrj dk ughafn[kk l drk gA gk Hkhrj dk ns[kuk gSrks' kkr cB tkvkš vk[kscan dj dš gkFk ij gkFk /kj dj cB tkvksi Hkqds l keuA Hkhrj dkbz bPNk gSrksHkxoku ughafn[k kA Hkysgh l kusdsHkxoku fcBk nka gea; fn l kus; k pkph dh Fkkyh fn[k jgh gSrksHkxoku ughafn[k kA

nj l sl q jsggk; k fudV l sl q jsggksvki tkua gekjk ; sNks/k l k oDr0; gA Hkhrj ns[kus ij doy vki gh vki fn[k kA p'ek eaghj syxsgārksghj sughafn[k ksvfi rqua dsvu d kj fn[k kA Hkxoku dksn[kus ij gekjh vk[kka ea Hkxoku dksn[kus yk; d ua vk tkrk gA D; k fy[k jsggkš tek & [kpzd juseayxsgA p'ek ea, d ckr vkš nj dk vyx , oai kl dk vyx vFkz gekjh vk[kka ea og Hkh ua gšfd nj dh oLrqgh fn[ksch i kl dh ughafn[kschA l d kj dh nplku gh fn[kschA eu opu dk; l s' kkr cBksrks cM&cckk fn[k kA nj ugha tkuk] i kl vkuk gš bl fy; sgekjs Hkxoku ukl k nf"V l s/kj s--- epek eacBsgš tskhkrj vkusdsdg jgh gA

vfgd k i jeks /keZ dh t;



# ^vi us&vi us deka dk Qy\*\*

04-03-2016

i kr%09%0

I e; &l e; ij deZQy nrsgjrsga bl Hko eafd; k gvk Hkh bl h Hko eaQy nsl drk gsvksj i mZHko eafd; sgq sHkh bl Hko eaQy nrsk ga nksukaHko eafd; sgq deZvi usedk l sHkh Qy nsl drs gsvFkok vl; edk l sHkh Qy nsl drsga gk geusfd; k vksj firktH dksQy feys, d k ughags l drkA vi us}kj k fd; k deZdk Qy Hkh Lo; adksgh Hkksxuk i Mxka geusml deZdk l dfyr dj fn; k rksog ml h : i eaQyska xnk fd; k gvk deZrsth eaHkh Hkksxk tk l drk gsrsth l scalk del em Hko l sHkh Hkksx l drsga

vki useky [kjhnk Hkko rst gksx; } 'kkarukFk Hkxoku l si kFkZuk djrsgsvHkh Hkko vksj c<A dQ l e; ckn emh vk trnh gS Hkko fxj trsgsdkbZ [kjhnusokyk ugh og l kprk gsvHkh Hkko vksj fxj tk; stc flFkj gksHkko rc [kjhnaxA vki usdS k vk'khokh nsfn; kA vki usrsth eaD; kaughacpkA vc Hky l sHkh Hkko uhpsfxjusyxA egjkt ; selnh dk dky dc rd pyxka tc rd eky cpax ugharc rd Hkko uhpsgh fxjska

tc rd l kr i Nfr ea l De.k vkfn ughadjrsrc rd /kfeZd vuBku ughadj l drA djsyk rksdMok Fk gh uhe p<+x; kA , d xkl [kksgh mYVh tS k gksyxka deZdk mn; gkrk gSrk dkbZ l kFk ughanska ?kj okysHkh vHkh rd rksxjt jgsFksvc cjl usHkh yxA eryc deZdk Qy emh , oarsth dsl kFk feyrk gS ij dksughafeyrk] Lo; adksgh feyrk ga bl h fparu dk uke foikd fop; /keZ; ku ga pkgsefinj eajgk nplku ij jgksvFkok ?kj ij jgks24 ?k.Vs; g foikd fo"k; /keZ /; ku dj l drsga i q; dk; Z; fn vPNsHkkokal sfd; k rksQy rhozfeysk rFk i ki dk; Zem Hkko l s fd; k rksQy de feyska

nkuk&efk ga upjki Fk ga dMeh gkrh ga MKDVj usdkg ehBk ugha [kkuk ga Mk; fcVht gS vki dkseFkh] djsyk vkfn [kkuk ga ml dh dMogV de dj l drsgagk; mkydj i kuh vyx djus l sdMogV de gsktk; xhA T; knk dMogV gksrks3&4 epDdk Mky l drsga vki usdMok cks k Fk ij fNokjk&epDdk Mkydj ml dh dMogV de dj l drsga geustksdeZckalk Fk ml sl a e dsek/; e l s'kHkkokadsek/; e l sde dj l drsga

nks0; fDr eafookn ij QYxq; dk eghuk ga gkyh dk ekgkSy jgk ga 'kkar gksx; A ftruk cjl uk Fk mrnk cjl x; kA >Yyk ds>Yyka cmckanh gksrksT; knk nj rd gkrh gS emh yk/kj Fk 'kkar gksx; kA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^vPNs dk; l ds fy; s egirZ er [kkstks\*

06-03-2016

eaxy i ds k& 09%5

i kr%09%50

dkuh th l sdy dk fogkj gvkA nki gj 02%00 ctspy fn; A l Hkh ykx }kiki {kk eayx x; } fd/kj tkuk gA geusMkej jkM NkMdej egkjkt jkM i dM+ybA /khj&/khjsjkLrk l dj k gksx; k] i xMAMh vk x; hA okgu l c i hNsNW x; A geusl kpk vc gekjk Lojkt; gksx; kA dy xehzHkh dkOh FkA jkLrseaeK/h&ek/h ekrh tS h cnavkuk i kjEHk gksx; hA rst gksx; h rkscM+dsi M+dsuhps [kMs gksx; A l keus?kj l sXokyk vk; k] i kp&N%ckj fuonu fd; k geuseuk fd; k FkkMh nj eaXokfyu fQj l svk; h vc nksukavi uh dQV; k eaysx; sijs l ak dka >V l s kn i zkkyu Hkh dj fy; kA fQj taxy dsjkLrsl sl dj k vk x; A chp ea, d Xokyk vi uh x\$ k dksysdj tk jgk FkA og [kMs gkdj geans[kusy xk brusea x\$ k dk NkV/k l k cNMk nwk i husyxA egir D; ka [kkstrsgkA taxy eaHkh eaxy gkstrk gA

bl vki dk iq; dQ T; knk yxrk gA l dj k gksx; kA ogk; T; knk ok | ugha i jkr eanokaus [koc oknu ctk; A fo | r 1/2ctyh/2dk Hkh izak Fk , oao"kkzHkh gg hA rhu dk; Zoknu] fo | r , oai kuh , d l kFk gg A ykxkaeamRI kg gkrk gSrksnokadkshkh 'kkfey gksuk i M+k gA tS sturk bdBBh gks trk gSrksurk rksvi usvki gh vk tkrsgA no ykx dgrsgA geaHkh iq; deku gA i xMAM; kads ek/; e l srksvk x; A vHkh eaxykpj . k gvk gA ns[ kka

vfgd k ijeks /kel dh t;

# ^gks l gh fn'kk ea l gh l e; ij i # "kkFkZ\*

07-03-2016

i kr%09%30

vki ykx fn; k l ykbZl si fjfpr gA frfYy; k jgrh gA vki ykx tc eaj [krsg&foLQk/d l kexh dka vki ykxka dksfo'okl gSfd og vi usvki ugha tysch] fo'OkV ugha dj sxhA deka dks tykuk gSrksosvi usvki ty tk; aks, d k fo'okl dj j [kk gStksxyr gSvki dks l ak"kdjuk gksk rHkh foLQkV gkskA jkx&}sk dsdkj .k deZcak dks i klr gkrsgA l gh fn'kk ea l gh l e; ij i # "kkFkZ djusti j deZtyaksgh l e; T; knk ughayxkA

vki ykx bruk l ak"kdj jgsgk jkr&fnu , d dj jgsgk ml l sdeZtyaksughabruk djus dh vko' ; drk gh ugha FkkMh l si # "kkFkZ l shkh dke gkstrk; sxA egRoi wkgSl gh fn'kkA deZcak eaHkh l ak"kgS, oadeZu"V dj useaHkh l ak"kg\$ jkx&}sk dk vHko gksuk t: jh gA egeku ds; gk; tkvksx rks, d V [kk dk [kpkZughaj T; knk fnu jgksxrks [kpkZekaxusyxA fo'okl ds l kFk l gh fn'kk ea

i#''kkFkZ djuk gksckA Mch eafryyh jgsh rc rd gh Bhd gA o''kiz ds l e; eankuka l kbM dk QkLQkj l dkxt m[kM+tkrk g\$ frYyh Hkh cjckn gkstkrh gA bl h rjg l sek\$kekzZea; fn l gh <æ l sughapyksrks0; ki kj ughapysckA bl ekzZearksQkdV dsgh dke gkrsgA l dYi ysyrk gSrks Lo; agh gkstkrk gA

vHkh vki ykxka dks [kpkZ dh fprk gksjgh g\$ vken rksdjka vken de g\$ [kpkZT; knk g\$; s y{.k Bhd ughagA dtkZydj fuokZ djusdh vknr iM+x; h gA ek\$kekzZeaHkh dtkZydj pyus okyk dHkh l qkh ughagks l drkA eut; thou , s k thou gSft l eade [kpZea fuokZ gks l drk gA deZcalk dh vi \$kk deZdkVusdsvol j bl h eut; Hko eagA foosd , oavkLFkk ds l kFk l gh fn'kk ea dk; Zdjuk gksckA , d&, d fnu de gksjgsg\$ geavk; srhu fnu gksx; A ds A tc dkuh th l s fogkj gqk oghal svki dsfny tM+x; smnkjg.k&tcyij l sl kxj cl tkrh gSl kxj igprsg h tcyij dh vkj eq gkstkrk g\$ iVvh yx tkrh gSl kxj l stcyijA bl fy; svc tV tkvksgea xtgd ij fo'okl gA

vfgd k ijeks /keZ dh t;

## ^eu&opu&dk; Z rhuks 'kq) gkA\*\*

08-03-2016

i kr%09%80

l quk ughafdlurqvey ea ykuk gA vki ykx 'kq) cksyrsg\$ eu'kq) &opu 'kq) &dk; Zkq) fdlurqvkt dsyxs foi jhr djrsgru'kq) &opu'kq) &eu'kq) ; g Bhd ughagA fo'kky jk''V<sup>a</sup> dk vuqkkl u Hkh bu rhu 'kq) ; ka l spyrk gA igysukeka dk ukekadu gkrk g\$ fQj muea i k=ka dks p; fur fd; k tkrk gA mudksp; fur djusokyk dkbZvkj ughaernku nusokyk gh p; fur djrk gA puko eaHkkx ysusokyk gh purk gA bl ds mi jk l okp p U; k; ky; dsU; k; k/kh'k dQ l dYi fnykrsgA osdgrsg\$ cksyksge tksckysxogh nkgjkuk g\$ vi uh vkj l s, d v{kj Hkh dka/&Nka/ ugha dj l drsgA , d&nksckj ugharhu ckj cyokrsgh ; srhu ckj D; k g\$ ; srhu ckj dk eryc g\$ eu'kq) &opu'kq) , oadk; Zkq) A tkscyok; k tkrk gSogh cksysck Hkysgh jk''V<sup>q</sup> fr Hkh D; kau gkA

dk; De gkrk g\$ dk; ZdrkZdk; Zdjrsgh vki ykx ml dk; De ea i k= cudj Hkkx yrsgh l c gkrsg\$ sHkh ea vki ykxka l sdgpk&vki vi useu dks i fo= cukb; \$ eu'kq) gksck rHkh 'kq) vkLro gksck , oavuq kr l srkRdkfyd cak ds l kFk {k; Hkh gksckA eu dks dyq''kr djusokyk 'k=q geskk gekjs i hNsyxk gh jgrk g\$ og g\$vgakjA jfookj ds i opu ea, d l R; ?kVuk l qukbZFKh tc Hkkjr i jra= Fkk rksyky fdyk ds l keusyky eflnj cukA ds scuk gksck ml l e; og eflnj i jra= gksudsckn Hkh jk''Vh; /otk ds l keus/keZotk Qgj kuk] tksforjkxrk dh xkFk xk jgh g\$ cgr cMk i#''kkFkZ gA ^ijLijksxg thokuke\*\* ^vfgd k ijeks/keZ\*\* dk t; ?kksk gqk jkt/kkuh fnYyh l A

vfflkeku dksfudkydj Qad nkš ftl l seu dyf"kr gksml snij l sgh NkM nœuk pkfg; A ejk l Hkh l s ; gh dguk gš vHkh l kekf t d dk; Dœe l keus vk jgk gš vki l Hkh vgœkj dks NkM+nœa vkxs Hkh Lohdkj gh ughadjuk gœ

l kekf t d dk; Zfdl h , d 0; fDr l sughagrš l Hkh 0; fDr; kœdsfeyusl sog dk; Zl Ei Uu gkrk gœ orkad h 'kŋ) dsfy; sfu; eka i ffer dk >kM--- dgkA vkt hou dsfy; s tksfu; e fy; smudh j{kk dsfy; sl e; &l e; ij cgr l sfu; e yrs p yst k; œA bl h rjg l s, d&, d fu; e yrs p yst tkvka fu; eka dk Dœe VWsughœ cPpkœdsfy; s; g dk; Dœe i kB' kkyk dk dke djsœkA i kB l h[kusdk dkbZLFkku ughagrœkA geus muds thou l s i kB l h[k fy; k] ml us l cd l h[k fy; kA dkbZ i <k fy [kk ughafQj Hkh geai kB fl [kk nrœk gš fgd d i 'kq l shkh i kB l h[krsgœge yky vk[k fn [kk rsgœog uhyh vk[k fn [kk; œkA ge gkFk ekjus dsfy; smBk; œsog nœuks gkFk tkMœlj cB tk; œkA eut; l kroœujd rd tk l drk gSij fl œ i kposrd gh tk; œkA

bl fy; svi uh d"kk; dks NkMœs pyœ fdl h l s Hkh Vdjkvks ughœ ge rks LokFkz gœcl vi uk dke Hkj gkstk; A eq; rks; gh gœ cMœ egur dj dseflnj cuk; k] ckj dk , d i S k ughafy; k vc xtjFk ds l kFk i.k.k i fr" Bk l Ei Uu gksœh Hkxoku onh ea cBœs; gk; iœtk] tki fo/kku gkœA l œg&e/; klg&'kke rhuka l e; dk; Dœe p yœkA bl dk i q; fdl sfeyœkl l kpls bl fy; s/kkfeZd dk; Zdh vuœknuk djksfojœk ughœ

vfgd k ijeks /keZ dh t;

## ^pnu l e 'khryrk i kus\*\*

09-03-2016

i kr%09%30

vHkh vki yks v"Vœ0; dks Dœe' k%p<krsgœ svu?kz i n dsgrœv u?kz dks p<k; kA ml ea , d i fDr vk; h] ftl ij /; ku x; k] cgr vPNh gœ ml h dks [kksy jgk gœ [kœh gSij vki dsfy; svFkz yxkrsgœ pnu l e 'khryrk i kus--A 'khryrk i kuk pkgrsgœ mnkgj .k fn; k pnu dk pnu vki dh xjeh dks feVk; s; sl Hko ughœ vki dh xehZ dgk l smRi Uu gœ h] dc l sgš ml dsc<œs ds l k/ku D; k&D; k gœ; sl c tkuuk vfuok; Zgœ vki dk 'kjhj eœ e i fœœZ dks yrœk gœ 'kjhj eœrki eku de , œat; knk gkrœk gœ FkeœhVj l suki rsgœ vc rki eku dks l œyœ eaykusdk iz kl dj rsgœ ml dh l œk eayxrs gœ v u?kz dk eryc tksnœœk gš œœxk gœ cœkj dh eœœ dj jgsgœ tc ml ea Qdzughærks, s k D; kœdj jgsgœ ml i S œk vkš dkbZmi ; œœ dj kA

gekjk rki eku c<œk&?kVrk D; kœgœ l nhZdk eœ e gkš fdl h dse[k l s dkbZ' kœn l œk og eu dsvuœœy ughœFkk] cl œn; dh xfr c<œx; h rki eku Hkh c<œx; kA l gu ughagrœk egkjktœ vuFkz dj jgsgœ œFkk dke ughœdjœkA ml l e; ml dk fi œk œk/; e gœ fpœk HkMœusij Hkh fi œk ughœ

HkMærk gA xehzdkshkhrj vkusughanrk gA l nhzdsi e; og fi Ûk Nkrh eavk tkrk gS ftl l sl nhz dh ekj u i M; o"kkzeag og fi Ûk i Skaegkrk gA pkj eghusi kuh l gu gkrk jgA xehzdsplj eghusog fi Ûk ekFkseapyk tkrk gS rkfd vejdv/d tkusdh vko; drk ughai MA ekFkk B&M cuk jgA gekjh rjQ er ns[kkA l e; de gSdke djrstkvkA vkt rksl e; gksx; kA

vfgd k ijeks /kel dh t;

## ^vI yh&udyh dk Hksn i gpkus\*\*

10-03-2016

i kr%09%30

dn fo'kkl i RFkj gkrsgA vki mlgajRu uke l si plj rsgA , d jktk us, d fons kh tkjhh dks fuea=.k fn; kA geusl qk gSLQfVde.kh dny l Qn gh ughagr[h] dbzrjgsdsjkaeag flQfVd e.kh gkrh gA jktk usdgk crkvksvki vi usns k l sD; k&D; k yk; A ml usfudkyuk 'kq fd; kA jktk usdgk ghjk crkvkA tc jktk usdgk ghjk crkvksrksog tkjhh bruk rksl e> x; k fd jktk Hkh jRukadsckjseatkurk gA vux<+ghjk gkrsgq shkh ml eai gyqfudkys tkrA l qrsqdl gL= iggy okyk Hkh ghjk gkrk gS tS sl gL=ny dey gkrk gA

tkjhh tksgrk gSog xtgd dh i gpkj j [krk gA tksekak jgrk gSog yusokyk gS; k ughA ekpxusl s dksl k eky feyrk gSvki ykx tkursgh gaml tkjhh us, d ghjk tS k fudkyk tks pednkj , oai gymkj Fkk j [k fn; k jktk dsl keuA 5 fefuV Hkh ughagq sjktk usi j [k dj fy; k dh ; sD; k ekeyk gA og feJh dk VpIMk FkkA fons kh feJh Hkh gkrh g& ns kh feJh dh rjgA vkt fons kh feJh l sl c i jfjpr gS ns kh feJh dksNkM+fn; k bl fy; sMk; fcVht gksjgh gA cukusdh i f0; k , d g& xM& [kkM&'kDdjA 'kDdj ea i kly'k gkrh gSbl fy; s l Qn fn [krh gA [kkM i hyh gkrh gA 'kDdj ea l Hkh xqk l eklr gks tkrsgaxM+dksvk; pznkpk; kausHkh xqkdkjh ekuk gScl ek=k vuq kr l sgkA ; seD [kh crk jgh gSdh ; sfejH gSghjk ughA

dkp , oaghjk dh ij [k l keku; 0; fDr ughadj l drk gA vkt l gh D; k gS, oaxyr D; k gs bl dh i gpkj ughajgh bl fy; s<xstkrsgA l E; Dn'kzu , d h gh oLrqgSftl si gpkj dsvHkko ea <xstk jsgA Kku ughagSdksbZfpLrk ughan0' kkl= x# dsifr n<+J) ku gksuk t: jh gA feJh dks Hkh 'kku ij p<kdj i gywfudkyrsgj og fons kh tkjhh 5 fefuV eai gpkj x; k fd ; sl c ij [knkj gA udyh l svl yh dh i gpkj gksx; h ml h rjg tho dh i gpkj djuk pkgrsgarksi gysvthc dh i gpkj djka i kuh Nkudj i hrsqD; kfd ogk tho gSbl h rjg vtho dksHkh i gpkuka 'okd ek= ysjgk gSeq[k l s [kk; k&fi ; k ughatk jgk gS eNkzeagSog D; k R; kx djsxkA ?kjokysdg jsgg egkjkt bl dsthou nsnkA vc D; k gksl drk gSek= vk; qdsvk/kkj ij i rk yxrk gSfd ; g thou gS vtho ughA

i pk; rh djksrksQd kxA ekj mrj tk; sk rksfnekx vPNsl sdke djsck vU; Fkk , -l h- eaHkh yMdrsjgxA , d dsÅij cks> Mky nksl e> eavk tk; sxA ghjsdh dkbZ i gpku ughagkrh] tks ghjk ugha gS ml h vk/kkj ij vl yh ghjk D; k gS igpku tkrsgA eD[kh l nð feJh ij gh cBsxh&vl yh ghjsij ughacBsxhA vkrk ij J) ku dk uke gh l E; Xn'kU gA vtho dsek/; e l sgh bl ij J}ku gkskA tkj cBk gStho&vtho dk Hkn crkuA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^xys ea gks jLI h\*\*

11-03-2016

i kr%09%0

xk; kadkspjkusdsfy; sXokyk taxy ydj tkrk gA ogk; xk; [kr ea?kd] dj [kk yrh bl ij ml syfB; k dh ekj i MfHA vxysfnu Xokyk usxk; dsxyseajLI h 1/2yEch1/2ckak nh vc xk; ml jLI h l spkj kavks mxh ?kkl [kkrh dkbZekj ugha i MfHA og xk; l e> x; h jLI h l sckakusdsckn ekj D; kaughai Mh vc og vH; Lr gksx; hA

; fn xyseajLI h gksrsekj ugha i MfHA bl h rjg xgLFkkaeanksi dzkj ds{kkod gksrsgA, d orh , oant jsvorh JkodA xyseajLI h gsrksog orh Jkod gA xyseajLI h fdl usckakha Lo; ausckaku Lohdkj fd; kA thou eakj u [kkuk i Mh bl fy; sjLI h dk cakku Lohdkj fd; k] tcjnLrh jLI h ughackakh ugharksvki fl j ^; &; i' djrA , d , d k Hkh O; fDr gStks thou eau rksjLI h dk cakku Lohdkj djrk gsrFkk u gh fdl h ds[kr ea tkdj eg ekjrk gScfyd vki ykx ueks Lr& ueks Lr& ueks Lrqgdj ystkrsgA mRdfBr jgrsgA ekj rks[kkrk gh ughagA l oZ; g mi yC/k gks, d k ugha gA deka dsmn; dsckjseal kprsgArksyxrk gSfd ; sml ds}kjk l pkyr gksl drk gA og nsuk pkgrk gSi j nsughal drkj vki ykx pkgrsgai j ysughal dra ^Åij okyk i kl k Qadseabl sdgrk gHkhrj okyk i kl k Qadseckj pyusnk\*\*A

tc bl deZfl ) kur dksHkay tkrsgArHkh nð jsij vkjki & iR; kjki yxkrsgA ml us, d k fd; k&3 ; sgh vKku dh dks/h eavkrk gA Kku rksogh gSfdruk Hkh dj ykxfeyuk gksck rHkh feysckA vki caksgq sgA ge vki l s; k vU; fdl h l shkh caksgq sughagA gk; fn ge caksgArksvixel s caksgA , d k fo'okl gksck rHkh gekjshkhrj tksckkk gSog Vw/sckA vki ykx Hkh ; fn bl jLI h dsHkhrj pyksrksvixkeh HkokaeadY; k. k gksl dsckA vki l cusl qk tkdj l Hkh ykxackdscrk nsckA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^chtRo dks dja l eklr\*\*

12-03-2016

i kr%09%30

dN n^V ean[kuseaughavkrk ij Qy n[kuseavkrk gA ckgj dsyxs b/kj vkrsgab/kj ds  
yxs m/kj tkrsgankukadsfy; suxfjdrk crkuk t: jh gkrk gA i rk crkuk t: jh gkrk gA vkt  
bl ykd ea?kne jgsgal c dsl cA fdl h dksviuk i rk gh ekyme ughagA dgk; l svk; &dgk; tkuk  
g&D; ka tkuk gD dc l svk; sgD vki dksu gD , d gh tokc feysx&i rk ughA fdl h l sHk i n yk  
l cdk ; sgh gky gA

iz u vl he ughagkrk mlkj geskk&geskk vl he gksl drk gA fdl h dsAj cks> Mkyuk pkgks  
rksxyr gkskA bl s, d mngj .k l sl e>ka l d kj dsckjseal kpusokyk 0; fDr gh ojk; dk vutko  
dj l drk gA i Eke Hko dsckjseadHkh l kpk ughab/kj &m/kj dh ckradjrsjgrsgkA , d Qy n[kk]  
dgk; l svk; k b/kj &m/kj n[kk dN ughafn [kkA Aj n[kk , d o'k n[kk ml h l sl sfxjk gA fn'kk; a  
nl gkrh gA l kjh fn'kkvka dh [kcj yrsgk] bl Qy dsckjsealHkh [kcj ya cgr l kjh [kcjaNki rs  
gk] bl [kcj dksHkh Nki k djka

o{k l sQy VWdj uhpsfxjk] nll jk dgrk gsbl dk jak ihyk gA cktkj eatksQy feyrsgD  
mudk jak vyx gkrk gA D; kau gksosi M+i j ugha drscfyd Nf=e : i l si dkdj fcdrgA vl;  
Qy bl hfy; sughafxj] D; kad osi dsughagA og Qy l Hkh yxskaus [kk; ka Qy o{k l svk; k o{k  
dgk; l svk; ka bl dsi gysdku vk; k FkA o{k i gysvk; k ; k cht i gysvk; ka vki yxs l u jgsgA  
gkA i kxy gDvki ykxA nll jk dkbzvki dks i kxy dg nsrka o{k i gys; k cht bl dk dkbzmukj  
ughA dkbz i rk ughA vki dks i rk gsrksvki yxs gh crkvka l ukusokysdksHkh i rk ughA ge bl dk  
mlkj <wuseayx tk; srksvPNk gkskA cht l so{k ; k o{k l scht bl dk i rk ughagkrsgq sHk ge  
bl i jEijk dksjkd l drsgA Qy rksghxh gh bl sdS sjkd l drsgA ftl eavdijr gksudh {kerk  
fo | eku gD bl fy; sbl sdbzjkd ugha drka ; g dfBu vo' ; gSij vl Hko ughA ; fn chtRo dks  
l eklr dj fn; k tk; srksml sAxusl sjkd tk l drk gA

oLr%; g l e>uk vko' ; d gSfd cht D; k gS chtRo D; k gS xq usdgg jkx&}sk ds }kj  
cht mRi lu gkrk gA jkx&}sk l s tks deZcalk gwv og mn; eavk; sk gh ; gh chtRo gA ml  
jkx&}sk dsfuferr l sfQj deZcalk gksk ghA , d sea deZl eklr dS gkskA ml sl eklr djuk  
i MxkA tc jkx&}sk djxsgu ugharksdeZdk calk Hkh ughagksk tc uohu deZdk calk ughagksk rks  
deZdk mn; Hkh ughagkskA Lo; atkxir jgusi j gh , d l Hko gA ^vukfn l calkspA\*\* bl l e ealHk  
p dk vFKZ; gh gSfd vukfn l sl calk gkrsgq sHk ml dk dgau dgah l i kjEHk gkrk gA , d&, d  
i ; kZ; dsckjseal kprsgArka

vki usemQyh n[kh gkskA bl dksNhydj nksQy[k dj nka pkoy dsAj /kku 1fNydk]  
; fn gVl nsrksog dHk mxrk ughA , d spkoy gedksucuk gStksviusvukfn thou dks l eklr

dj nrk gA R; kx djks vkt l sgh R; kx dsfcuk chtRo l ektr ughagks i k; sxA deZ ds mn; ea jkx&}s'k gksgh , d k ughagA ; fn , d k gh gksrksfQj cht dkso{k cuusl sdbkZjkcd ughal dsxA ; s l kjh i fØ; k bl i pdY; k.kd eans[kusdksfeyxhA i k'kk.k l sHkxoku cuusdh i fØ; k rksghsch ghA cht dk chtRo d d sl eki r dj l drsgA ; g bl i pdY; k.kd eans[k l dxA vki vi uh nplku ij cht cprsgA cprsjfg; A

vfgd k i jeks /keZ dh t;

### ^egRo ukedj .k dk\*\*

13-03-2016

i kr%09%0

l oā Fke l arku dk tle gksrgh uke l hdkj fd; k tkrk gA vkrEk dk rksdkbzuke gkrk ughA ; Fkk uke rFkk dkeA bl ckr dk Hkh ekrk&fi rk /; ku j [krs gA xqk#i gh uke j [kk tkrk gA ukedj .k l hdkj cgr egRo i wkZgA ml h uke l sog thou i ; Ur pyrk gA og 0; fDr pyk x; k fQj Hkh ml dsuke l sdke gwpk djrsgA bl fy; sekrrk&fi rk cM+l kp dj uke j [krs gA; g gekjk i e cuk jgA D; ksd iur diir rks/ku l p; \$ iur l iur rksdk /ku l p; A iur dk eryl fo= cuk jgA vPNsukedj .k dsl kFk vPNh Hkkouk cuh jgrh gA bl fy; sukedj .k dsvuq kj dqMyh cuk; h tkrh gA fo | ky; eavyx , oaykM&l; kj eavyx uke gwpk djrk gA

vki l sglrk{kj dj; k tkrk gsml dk eryl gStksHkh fy [kk g\$ ml dsuhpsLFkku l jf{kr jgrk g\$ ; sy[k l ā kn d dk g\$ ; sy[k i zdk'kd dk gsvkfn&vkfnA ml ds }kj k Kku dj fy; k tkrk gA 'kh'kd dk vFkZ xEHkj gksrsg s Hkh gLrk{kj i gpkursgh l e> yrs g\$ ; sy[k mudk gsrks t: j i fl ) y[k gksxA ; Fkk uke rFkA bl l svkxsc<uk pkgrsgfQj Hkh gLrk{kj dksl ā k; dh dks/h ea j [kk tkrk g\$ D; ksd gLrk{kj ea fpm+; k ; k edkM/ t\$ s Hkh dj fn; k tkrk gA bl fy; sglrk{kj fcYdy 'kq' j [kuk plfg; A

U; k; ky; kaefpFM+; k ughaedkM/ ughagearksvaBk ekuxA ; sNki ughagStksHkh rj gA l h-vkbZ Mh okys blghackrka dks yd j i f' kf{kr fd; s tkrsgA ckY; dky l sydj ej .k rd oghavaBk g\$ gLrk{kj l gh l sl gh gA gkFk dk vaBk dHkh cnyrk ughagA gk HkkX; dsdkj .k cnyrk gA epek bl h dksckyrsg& ml eanksi gyqgrsg\$ , d rjQ fp= gkrk g\$ , d rjQ y[k jgrk gA i fo= dk; Zds ek/; e l \$ i fo= uke l svk\$ dQn i fo= djusdk l kprsgA vkt xMεM+gksjgk g\$ bl fy; s; sfo"K; j [kA tksi gysFkk] chp eaFkk vk\$ vr eaFkk ml h dh bfrgl ea dFkk gksxA Hkkj r i gysFkk] chp ea Hkh Fkk vk\$ ckn eaHkh jgsxA rhusckra; kn j [kuk ukedj .k] gLrk{kj , oagLr{ki A glr{ki dk eryl va ½vaBk½gA bl vaBsdck cM/ egRo gA fo | k Hkh bl h l st\$ s/kufo | k] f'KYi Hkh bl h l sglrk gA rjktqearksyrsg&vaBsdscuk mBk ughal dra vaBsdscuk doy xkl cukdj [kk ughal dra jks/h dkbZ [kk ughal drkA doy cukdj gh [kk l drsgkA i 'kq/ck; ½ j ks/h [kk yrh gA jks/h dks i hvks



, oa nvlk dks [kkvka ekuoh; rk D; k gš bl ds ckjs ea l kpuk pkfg; } bfrgkl tkuuk t: jh gš  
i kphudky ea tksfy [kkoV Fkh ml sl j f{kr j [kuk vki dk dÜkD; gš dqMyh dke eavkrh gšfookg  
dsl e; A Hkkjr dh dqMyh D; k gšml s/; ku eaj [kuk pkfg; Å

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^Kku vkš f' k{kk dk dja l nq ; ksx\*

14-03-2016

i kr%09%30

tc l eæ dk ty l wZdsrki @?kke l sok"i cudj Åij pyk tkrk gš bruhek=k eai kuh  
Åij x; k] vki bl dk vnktt ughayxk l drsgš u gh l eæ ea uhpsfdruk i kuh gš; sHkh vnktt  
ughayxk l drsgš ; sHkh i rk ughafd l eæ ea uhps i kuh T; knk gš; k Åij i kuh T; knk gš ; fn  
ftruh ek=k eaog tksi kuh Åij x; k gšog i jk uhpsvk tk; srksD; k gšxkA i y; gšstk; sxkA i y;  
dk eryc id"kl: i l sy; bfr i y; A bl ds mi jkr /kjr h Hkh ri x; h] /kjr h l; kl h gš l; kl  
c-kuk pkgrsgš cknYA ; fn cknY QV tk; srksD; k gšxkA l; kl h /kjr h l; kl h gh jg tk; sxkA  
bl fy; smu cknY kads/kjr h dh ri u n[ kdj c n&c n dj gh uhpsvkrsgš ; s/kjr h dsi w gš ml ea  
Hkh dHkh&dHkh Jko.k dh >jh yx tk; srksvPNh ekuh tkrh gš Hkyk dsHkyk ; fn cjl k rksxMeM+  
gšxkA i Nfr c n&c n dj dsgh l cdkr lr djrh gš

; g mnkgj .k bl fy; sfn; k fd ge ykx vi usdÜkD; dks l e>Å Hkxoku dsi kl bruk Kku gš]  
ftruskš gš ml l svur xqkk Kku gš , d LFkku ij , d k Hkh fy [kk fd , d sykdl vur vkš vk tk; a  
rksHkh og Kku oš k gh cuk jg l drk gš dkbZHkh cp ughal drk ml Kku dsl keuÅ brusKku ds  
/kuh gšgekjs l oK ; fn l cdksf i yuk pkgrksge i h ughal drsgš mudk Kku ge ykš kadsfy; s  
i pusokyk gšgh ughA d n c n s f e y tk; s2&4 mruh i ; klr gš tk; sxkA ekš tekxZeacgr t: jh gš  
Kku , d k l jLorh dsojni e ekursgš vi usvki dksbl dh dkbZt: jr ughA x.k/kj nD dksd#.kk  
gq hA vkr , d h Hk"kk eackyrsgš ml sfy i hc) d jusdh Hkh 'kfdR ughagšgekjs i kl A x.k/kj i ješBh  
usi Fkekuq ksx] pj .kkuq ksx] d#.kkuq ksx , oaæ0; kuq ksx : i h pkj tx Hkj fy; Å tš &tš s, d i kuh  
dk tx] , d nvlk dk tx] , d NkNdk tx] , d j l dk tx gkA fQj i jkd uk i kjEHk fd; kA ml eaHkh  
Fkk&Mk&Fkk&Mk i jkd uk i kjEHk fd; kA tYnh gš tk; srksHkh dke ughapyskA fdruk yEck&pk&Mk Kku  
gšrk gš vki fofnr gš

l wZdsek/; e l sok"i curk jgrk gšfujUrj i jUrqdHkh og l eæ [kkyh ughagšrk gš ; sHkh  
døyhxE; gh gš Kku dk mi ; ksx dgkj fdruk] fd l dksnuk gš ; s l Hkh tkuuk t: jh gš vkt

f' k{k dh ; gh xMεMh gksjgh gÅ ; sgh i zy ; gksjgk gÅ vk; [k.M eagh i zy ; gkskA Kku vksj f' k{k dk vkt n#i ; ksx gksjgk gÅ ek= /ku gh iz kst u gksx; k gsvkt dh f' k{k dka /ku oLr% D; k oLr g\$ ; sfdI h dh Hkh n"V eaughavk jgk gÅ

I ehfpu Kku gh oLro eaLo; agh /ku gÅ ; g ft/kj ystk; sxk] ogh I gh gksk& vk[ kaHkj [kyh gkÅ dke eaD; k vkuk pkfg; \$ og ughavk jgk g\$ 0; ol k; hdj.k gksx; k gÅ tc Nks/k Fkk ml I e; eflnj th ea dkbZ Hkh 'kkL= feyrk Fkk] ml ea eW; ds LFkku ij fy [kk jgrk Fkk & Lok/; k; , oa I ni; ksA vkt fy [kk jgrk g&I okZ/kdkj I jf{kr , oani jh vksj eW; fy [kk gsrk gÅ bl ds mi jkr Hkh ; fn vki izdk"ku dj kuk pkgs rks& ughA I okZ/kdkj I jf{kr gÅ ; sdi r gS; k I i r gÅ bl dk uke u Lok/; k; gSu gh f' k{k gÅ f' k{k dh uhfr gh , d h gÅ uhfr] i hfr] j hfr] Hkhfr I c dsl c xMεM+ gksx; h gÅ vc rksjkt uhfr gksx; h gÅ I c txg I e> eavk jgk gÅ

geustksfn; k gSmI sckdkdj j [kukA , d&vk/k dksI uk nka I oK I eæ g\$ x.k/kj &g.Msds I eku g\$ cM&cM+vkpk; Z tx ds I eku] Nks/s vkpk; Z/kkj ds I eku gÅ /kkj ea Hkh I ko/kkuh dh vko' ; drk gsrh gÅ bl gaus/kDdk fn; k bl fy; s/kkj fcxM+x; hA pksdseage rksk& jgrsg&vki ykskaea/kDdk&eddk pyrh jgrh gÅ eæ pyrk jgrk gSmI sgh eddk eku ykA ; sn#i ; ksx gSKku dka vkpk; kadsI drkadsI jf{kr j [kuk vfrvko' ; d gÅ tc i wkr%/keZu"V gkst k; sx rc rksd& jgsk gh ughA tks tkudkj gSmudsek/; e I si nrkN djdsgeaKku dj yuk pkfg; A pjd vkfn vkpk; kadsI = vkt Hkh pfdRI k eacgr dke dj rsg& pfdRI d gh ; g dke dj I drsg& jksx ughadj I drkA jksx rksmi pkj dsek/; e I s; k n[kdj vi usvkpj.k eai fjorZu yrk gS, oajFk ij vk#<+gkstkrk gÅ i wkp; kads}kj fyf [kr 'kkL= gausdsckn Hkh vkt I gh vFkZughayxk; k tk jgk gÅ ftI dke dsfy; sfn; k x; k gSog Kku ml h dke eayukA ml h : i mi ; ksx djukA vU; = mi ; ksx ughadjuk , oavU; ek=k eaHkh mi ; ksx ughadjukA ekskezx&ami ; ksx djuk gh I gh mi ; ksx ekuk gÅ

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^thou Vk; j , oa V; ȳ dh rjg\*

15-03-2016

i kr%09%30

vki ykx vYi l e; dsfy; svi usHkkokadkseñ tksdj jgk gwml vkj yxkusdk iz kl djA  
vki ykx okgu pykrsgñ dd spyrk gñ ifg; sij pyrk gñ ifg; k Hkh rc pyrk gñ tc ml ea  
bujA V; ȳ gkrh gñ V; ȳ eagok gkrh gñ vki l c dñ [kjh l drsgñ ij gok Hkj uk Hkh t: jh gkrk  
gñ gok Hkj rsgksbuj & V; ȳ ea; fn Åij dk Vk; j detkj gksrksHkhrj V; ȳ QV tkoxkA ; fn de  
gok Hkj nariksVk; j dsÅij Bkdj yxshA

bl mnkgj .k eaHkhrj dh V; ȳ Hkko dk irhd gñ ckj dk Vk; j 'kjhj , oaopu dk irhd gñ  
bl fy; svi uh {kerk n[kdj nksk adkspykusdk iz kl djA vkt Vk; j fcYdy detkj gsfQj Hkh  
Hkkokadk vfr'k; crkrsjgrsgñ Vk; j eaifjorZu gksughal drk og vktou dsfy; sfeyk gñ ghu  
l ghu gksusdsdkj .k ge vi uk tkj ughafn [kk l drsgñ tc Vk; j eamM+m+gkstkrh gsrksge xS/j  
yxk nrsgñ xS/j l c ykxadksyxkusdh t: jr ughai M-fh gñ ; svyx crk gsf d fdl h&fd l h dks  
Vk; j gYdk , oaV; ȳ vPNk feyrk gsrksfd l h&fd l h dksVk; j gYdk , oaV; ȳ vPNk feyrk gñ ; s  
gsfd curh dks'k'k V; ȳ dksvPNh cuk; sj [k] gk; Vk; j dk Hkh /; ku j [kA

vki l Hkh ykx iær ea cBs gñ viuh&viuh tBj kfxu dsvuđ kj ys l drsgñ ij bPNk dh  
Toyar l eL; k gñ j l uflæ; vyx gñ j l uk vyx gñ, oajl vyx gñ Hkhrj tksi kd gkrk gñ vfxu  
nørk½ og Hkh vyx gñ l c ml vfxu nørk dks l rñV j [kayfdu og j l flæ; nõh l c dks'o'k ea  
fd; sgq sgñ ml nørk dksdkbzughan [k jgk gñ tks vkRek j ke cBk gsm l dh Hkkouk dks Hkh n[kkA  
bl Hko eaughacu ik jgsvxyh i ; kz; ea i jh gk; ; g Hkkouk rksvkt Hkh dj l drsgñ l erk dsl kFk  
bl Hko dk mi ; kx dfj; A l erk nõh , d h nõh gñ tksojnku ds: i ea dke djrh gñ vkpk; Z  
clñndñ usHkh dgk gsf d esml l erk dksueLdkj djrk gw tksek k dk l a knu djrh gñ ge tks  
Hkh fufeUk feyrsgñ mu l cl smi knu dksvkj cyoku cukr tk; A vHkh vkt tksfcæ yk; sgñ mu  
fcækadksn[krsgst s si frfcEc >yd jgsgkA bu fcækaea Qykukpñ] u fn [k] u gh yky fn [k] u gh  
fl ?kbl fn [k] u gh /kheku] xjhcpñ fn [kA ml ea vi uk gksudkj vkRerRo fn [ks bl fy; s bl dh  
LFkki uk dh tk jgh gñ

ge fujkyæ ; k=k eacgr tYnh Fkd tkrs gñ bl fy; sl arkausgeabl i dzkj dk vkycu yusds  
fy; sdgkA , d k u gksfd bl fcæ dh LFkki uk rks gks jgh gñ i j i Mñ h l srks36 dk vkadMk gñ ; s  
cktk# uke gñ geaml ea36 dsLFkku ij 63 dk vkadMk Hkh fn [kA bl dsek/; e l s6 dk eqk 3 dh  
vkj vkj 3 dk eqk 6 dh vkj gñ bl dk eryc gekjk J }ku ohrjxrk dh vkj gh cMæbl h Hkkouk ds  
l kFk eal Hkh dsfy; s, oavi usLo; adsfy; shkh dgrk gwfd i # "kkFkZdjA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^nf"Vdks k ugha nf"V gk\*\*

16-03-2016

i kr%09%30

nf"V , oanf"Vdksk eavlrj gA bl dksl e>uk cgr t: jh gA nf"V 0; ki d gSnf"Vdksk , d igyqgSI hfer gA nf"Vdksk u; dksfo"k; cukrk gSnf"V i ek.k dka

, d dFkkud l sbl sl e>rsGA fdrkc dk 'kh"kd ep>s; kn ughavk jgk gA , d gkFkh , d o{k dsuhpsi gpkA bl cktwdksgjh&gjh i fUk; kadks [kk fy; kA , d 0; fDr usdgg yxrk gS; sgkFkh , d vkj[k okyk gA bl hfy; s, d gh rjQ dh i fUk; kj [kk jgk gA nf"Vdksk bl h dksdgrsgA nf"Vdksk ea dksk dk vFkzgsvaka orny eadksk ughagkrA 360 vak gkrsgaorny eA , d vak Hkh de ughagkrkA l exrk dks vkj[k l s ugha i dM+i k; xA nf"Vdksk dk vFkz gkrk gsvk'kd xg.kA vkpk; ka usbl s u; okn dgkA , d u; dk fo"k; nlt jsu; dsfo"k; l svyx gS ij , d u; &nlt jsu; dk fu"ksk ugha djrk gA ml 0; fDr us, dka l sdgg b/kj okyk gh [kk jgk gS bl fy; sgkFkh , d vkj[k okyk gA , d fo"k; eaLi s kfyLV gksx; kj vl; eadn tkurk gh ugha l okak.k fodkl dS sgkskA vkt dh f'k [kk , d h gh gksx; h gA

vki fueæ.k dsfcuk Hkh vk; sgksge ijkl naksij vki viuh tBjfxu dksrksn[kuk] ml dk /; ku j [kuk vl; Fkk gekjk vPNk Hkktu cckh pyk tk; xkA , d igyqdsel/; e l sfu.kz yxk Bhd ugha , d&, d vak l sorny dksi dMA bl dsfy; s/kS Zgk cf) fo'kky gkA nlt jsdsi kl ml dk D; k nf"Vdksk gS ml sl e>uk l gkl dk dke gA nlt jsdksl e>sfucuk fu.kz yxk v/kjk gkskA tki ku , d ns k gS ekd kgkjh gS ml dk l eFkz ugha gS ij ml ds ns kokfl ; ka dk ns k ds ifr l eizk vupj.kh; gS, d txg depkjh oru c<leuk pkgrsFk ekfyd usdgg vHkh eghuseacr k naksrHkh depkfj; kausfeydj dgk ge Hkh eghuseacr k naxA vkSj gMfky dj nhA Hkkjr dh rjg gMfky ugha; gk rksdkepkj dk eryc gMfky gA ml gkausJe djuk can ughafd; kA 1 ekg eavkMj vk; k tkMk pkfg; A tkMk /kkrh dk gkrk gS l Mlt dk ughaD; kkd /kkrh dksvkM+djdsgh dke yrsGA og pli y dk tkMk pkfg; A depkfj; kaus1000 pli y dny , d gh i kd dh cuk nhA nlt jsi kd dh ugha cuk; hA ekfyd usdgg ; sD; k fd; kA ml , d gh i kd dh pli y dksdku [kjhrxkA ml dksl e> ea vk x; kA , d nf"Vdksk l sdn ughagkskA Je rksfd; k ij , d gh rjQ l A

dkbz cPpk cksyrk gsrks cMsdgrsgA , scPpk cB tkA vc cPpk rksekrk ds l keuscPpk gh jgskA os80 dsHkh gaks; s60 l ky dk cPpk gkskxlaos?kj NkMaksgh ugharks; sD; k djxkA mlghadsuke l s0; ki kj djxkA QeZdk uke cny ugha l drkA ; sl c , dkach nf"Vdksk dk i fj.kke gA dkj [kkuk can ughafd; k ; sdqkyrk Fkh dh viuh ekax dksbl i d kj j [kkA geaviuh ifrKk dksl gh i kyu djuk pkfg; A ml h dsvuq kj ge i wkh"V j [k l drsgA

vfgd k i jeks /kel dh t;

# ^fdjk; s dk ?kj@nøku\*\*

17-03-2016

i kr%09%80

vki ykxkadksKku gkuk pfg; sfd vi uk ?kj , oanøku ughagkrsqg sHkh [kksyrsgÅ nli jkadh  
nøku fdjk; sij ydj vki vi uh nøku [kksyrsgÅfQj tS k vuøU/k gkrk gSeghus; k 6 eghusea  
ml dk fdjk; k nsuk gkrk gS fcuk ekaxsghA Hkhrj nøku gkrh gSrkspyrh ughagÅ tS sctfj; k l s  
f[kl ddj b/kj vk x; Å ctfj; k dkbZugha tkrkA ckgj jkM@jLrseHkh ekdsi j nøku [kksyrsgÅ  
gj 0; fDr ekdsdk yHkh yrk gÅ bl izdkj fdjk; k nrsqg sHkh vkuan dk vuøko djrk gÅ ge vi us  
ikl l sdN ughans} xæk ea l s, d yk/snsnrsqgÅ dekrst; knk gÅnrs, d Nks/k l k fgLi k gÅ  
ftudh vi uh nøku gSmudksrksokshkh ughansuk i MfK gÅ yruk gh yruk gÅ

gekjsx#vkauscrk; k vkRk l k/kuk djusdsfy; sbl 'kjhj : i h nøku dk mi ; kx dj jgsgS  
FkkMk l k fdjk; k bl snrsjguk pfg; Å bl h l sde pykuk gÅ l k/kuk bl h dsek/; e l sdjuk gÅ  
bl h ds}kjk vko' ; dkædk ikyu djrsqgÅ ; fn 'kåkkdk; ZHkh NkM+næsrksfutj k dS sgksxA dHkh Hkh  
futj k dsl k/ku dksughaNkMæuk gÅ i utk] vfhk"kd] fo/kku] tki vkfn l srkRdkfyd iq; cåk dsl kFk  
i wZdsdekædk {k; Hkh gkrk gÅ vr l e; rd N%vko' ; d dk ikyu djrsjgrk gÅ 'kåkki; kx l s  
døy cåk ekuuk xyr gS, d sykxadsi kl l e; Hkh gS; k ughan[kuk gkxkA ek= vi uh nøku pykrs  
gÅ

vi uk foKki u djusdsfy; sbl rjg dk dg jgsgÅ ckn eai 'pkrki djusdh vi sKk vHkh gh  
Hkxoku ; k x# pj . kkaevk tkokA , dkar l s'kåkki ; kx dksçk ekuuk ek; ftuokuh dk vi eku gÅ  
vkxsHkh ; fn , d k djæsrksvkxsHkh bl h rjg dk Hkksuk i MæckA /keZdksdeZcukuk Bhd ughA gj  
l e; ge FkkM/æagH xyr Hkkodj yrsqgÅHkxoku dsvk; ru dks i fjxg cukuk] xøFkædks i fjxg  
cukuk ?kij i ki deZdk cåk djuk gÅ gekjs/keZeHkko i Zkku gkrsqgÅ Hkkokædsvuq kj deZæk gkrk gÅ  
ftl dk eFk l nq ; kx dh vkj og 'kåkki; kx , dkar l scåk dk dHkh dkj . k ughaml l sfutj k Hkh gkrh  
gÅ

# ^/otk dk l ær\*\*

18-03-2016

i kr%09%80

vki l Hkh vYi l e; eaijk vFkZ l e>usdk iz, kl djæÅ vkt vHkh /otkjkq . k gø/kA bl dks  
/ot mUkksyu ; k /otkvjkq . k ekursqgÅ/otk Åij dh vkj pyh x; h vc xkß [kksyuk gS xkß cåkH  
Hkh vki us gh gÅ ml ea tks Hkj k Fkk og rks uhps dh vkj vk; kA bl chip , d 0; fDr us gkFk  
yxk; k@/otk crk jgh gSD; k\ ml h dks i gpkuks tksfn[k ugha jgk ek= l ær nsjgk gÅ ml dks  
l ær dkæ nsjgk gÅ og egROI wZgÅ og l ær nsjgk g&ok; Å

gok og fn [kuseaughavkrh] i j l ær nuseal {ke gA cāpkjh th usl ær fn; k døj dk eky  
 [ky x; kA ftl rjQ gok cgrh gSmI h rjQ og /otk tkrh gA ml h l sl ær fey tkrk gA vkj  
 Hkh l ær dsl k/ku gkrsgA ml gA Hkh /; ku j [kuk pkfg; A l ksyg d {kk i kj dh tkrh gS i R; d d {kk ea  
 fyf [kr ; k 'kCnkai sl ær feyrk gA cksyh gSog d.kzdk fo" k; gS d.kzHkh ughaeu dk fo" k; gA eu  
 ml vkj ughagSrksdkysv {kj Hkh cjkjA , d sgh dk; Zgksuspkg; sft l l sfo' o i fj r gkS fo' o Hkh  
 ml l sij .kk yrk jgA Hkko rjæ ekul rjæ egROI wKz gA gok fn [krh ughafQj Hkh l ær , d sgh  
 Hkhrj dh tkxfr dsfcuk ckjg Klu ughA

vfgd k ijeks /keZ dh t;

## ^l a ksx fo; ksxe; gS\*

24-03-2016

i kr%09%0

dy tc i pdY; k.kd i wKz gksx; srks \_\_ "kHkukFk Hkxoku dks dc efdR gg h fd l h usml dk  
 l k {kkRdkj ughafd; kA blæ dksHkh [kcj ughackn eavkS pkfj drk djusdk vol j i klr fd; kA bl h  
 chp , d 0; fDr QW&QW/dj jksusyxA ml nq [k dksHkny gh ugha i k jgk FkKA og ml nq [k dksrHkh  
 Hkny l drk gS tc døyKku i klr gks tk; A og l kp jgk gS vc ejs thou eafdl h rhFkZdj dk  
 dY; k.k eukusdk vol j ughavk; skA

l d kj ds l Hkh l a ksx fo; ksxe; gA l a ksx dks l Hkh vPNk ekursgS i j fo; ksx fd l h dksb"V  
 ughA fo; ksx eaD; k dj l drsgSjks l drsgA jksuk vkrk gA pØorhZjksjgk gS mudksdkA l e>kus  
 okyk gA fuokZ k dY; k.kd gksu i j l c dN xk; c gksx; kA vki gil jgsgA ogk; l sHkxoku vk x; s  
 vc esyk [kRe i S k gteA vki ykx vc ; kn djksk= bruk gh dUKØ; gA ydr gksx; k i fj .keu  
 fuf'pr gA l E; dnf"V u gil rk gSu jkrk gS og ml dsi fj .keu dks; Fkkor cukusdk i # "kkFkZdjrk  
 gS vki , d k gh i fj .kke cuk; sj [kA

## ^l gh fn'kk ea l gh dne\*\*

25-03-2016

i kr%09%0

, d 0; fDr tksvLoLFk FkKA bl ds mi jkr oS] th ds i kl x; kA D; k [kkrs gkA dc&dc [kkrs  
 gkA ; sHkh crkvks tks [kkus; kX; ughagSog Hkh [kkrs gks; sHkh crkvkA oS] th egjkt ge rksnokbz  
 yusvk; sgA vki rkscl nokbznsnkA oSk th us; s [kj kd ysusuk ; s [kj kd ysukA vkj D; k [kkuk ; s  
 Hkh crk nkA rØ ¼NkN½ dsl kFk ; s [kj kd ysuk 4 [kj kd gS4 l øg , oa4 'kke dksusuk gA [kj kd dks  
 rksNØøk fn; k vc ; s dks l h [kj kd gA vkSk/kh gh [kj kd gA i N fy; k dgha [kj kd xMεM+u gks

tk; A vksk/kh dk i Hkko rHkh i MÆk gStc vuq kr Bhd gksvFkkR ftruh ek=k ea ysuk gksrFkk ft l  
l e; ysuk gksrHkh i Mæka

vki usgea; gk; cBk; k gS vc vki tkspgæksoksuhaçksvc rks tksge çksyuk pkgrsgæogh  
çksyæA dbZyks , d shkh l u jgsgæ tks [kjkd ugha ysuk ogh [kjkd yrs gæ bl h rjg ekskekzæaHkh  
dne i kjEHk gksppdsgæ vc xyh er fudkyksR; kx rksR; kx gæ gk; , d k Hkh ughafd i gysR; kx djks  
; k çkn eaR; kx djka R; kx Øe l sgh gkrk gæ i gys tksT; knk upl kunk; d gSmI sNkMæA i gys  
vksk/kh ughaNkMæ tkrhj vkskf/k ydJ LoLFk gkdj fQj NkMæ tkrh gæ vl a e dks i gysNkMæA eks  
dks xk<k djuk Bhd ughaekg dks i ryk djuk vPNk gæ nky nuh Hkkr er djka nky de Hkkr  
T; knk rks [kk; k tkrk gS ; fn nky T; knk Hkkr de rks i hyka i v Hkjuk gæ dN Hkh dj ykçdHkh nky  
T; knk Hkkr deA dHkh Hkkr T; knk nky de gks tkrh gæ

døY l E; Xn'kU&l E; Xn'kU fpYyk jgs gS pfj= dh çkr ugha djuk pkgrs gæ  
Lok/; k; &Lok/; k; l sdN ughagkska pkgusl sefDr ughavkS pkgusl shkh efDr ughavkS ughapkgus  
l sHkh efDr ughafeysæA l gh fn'kk ea l gh dne j [kus l sgh dke gkska nokbz yrs jgrs gæ og  
vuq kr l sgh dke djrh gS vuq kr food ij vk/kfjr gkrk gæ T; knk ek=k ea nokbz ysuk  
gkfudkj d Hkh gks tkrk gS gekjk l e; gksx; k gæ vki yks rksegkjkt th l uuk gekjk dke gS  
l ækh gSge bl fy; sl u jgsgæyfd u l uuk l cdh djrseu dhA dS sgksdY; k.ka vkxe dsvuç kj  
gh djukA l uusl shkh gYdki u vk tkrk gæ gæ

dy vfire fnu Fkka dy'kkjkg. k Hkh gksx; ka fgy jgk Fkk ij vc te x; ka e# gkrk gSeyk  
eaml dsvkrsgh i rk py tkrk gSfd ekyki gh gksx; hA vPNsnçkunku dN u dN vi usi kl j [k  
yS bl h iZkj ge Hkh vPNsnçkunkj gSuka

vfgd k i jeks /keZ dh t;

fcgkj 26-03-2016 i kRk%06%80 ij dVæh l s13 fdeh- vkgkj p; kZl ækei j e& jkf=  
foJke nçkçrh vH; kj.; xLV gkÅl 7 fdeh ij ikr%6 fdeh- ij tçjk ea vkgkj ppkZ  
oghagpA

## ^f[kys dey dh rjg\*\*

27-03-2016

i kr%09%80

vki l Hkh tkursgæpkj kavkj l jkøj eadbZdey gksrsgæ osdey fd l h dk fufeUk i kdj f[ky  
tkrsgæ l kjsdçl kjsdeykaçksf[kykuseal w ZfufeUk gS, d sgh , d l Pps/kekæek çk gn; dey nç  
'kkL= x# dk l ekxe i kdj gn; dey f[ky tkrk gSmuds fufeR l sD; ka l sD; k efku gwç ; srks  
ogh tku l drsgæ j l w Zdknsç[kdj f[kyuk LoHkko gS; gh fufeUk&uæefrd l æçk gæ

bl h idkj ftuky; kadksn[kusl s; k ftuky; kadkskuskul syk[kkayks i Hkkfor gkrsgA tc  
rhFkdj dk fuokzk gksx; k rks; q dsvkfn eapØorhZusHkh ftuky; cuk; srkfd mudk l k{kr-n'kZ  
ughagSfQj Hkh ge mudh i utk vpZ dj l dA ; g 0; oLFkk vkt Hkh fuckZk py jgh gA eku yhft; s  
fdl h dh mez50 fdl h dh 70 fdl h dh 80 o'kZgA mezvyx&vyx gSvkuk Hkh gkrk gS tkuk Hkh  
gkrk gS ij ftu n'kZ@ftuky; ds}kjk vi usl idkj kadksftUnk j [krsgA tc efujkt dsn'kZka  
dk vHkko gkrk gS rksblgh eflnjkadk vkyEcu yrk gA JkodA

vkt l wZ rks mfnr gvrk ugha vekS e ds dkj .k½ fQj Hkh l c ds dey f[kys gq s gA  
fufek&u&fkd l adk bl h dksdgrsgAdHkh&dHkh vPNk ; ks feyusij Hkh iz ks ughadj i krsgA  
ekjfp dk tho vkfnukFk ds l ekskj .k eackgj gh fudy jgk gA vi us<ak l s; }k&r}k djus l s  
dN ughagkusokyk] dY; k.k rHkh gksk tc i Hkqdh ckr dkskekuxS x# dh ckr dkskekuxA ft l  
l e; Hkkokadksyxk; k tkrk gSrHkh dke curk gA vkt dh 0; oLFkk dsdkj .k , d k gksjgk gS l c  
mYVk gh nkM+jgsgA pky dksl qkkjuk t: jh gA

vkRek dsdrkZughA vkRek dk LoHkko Hkh ughagA drkZ u&HkDrki u , oaLoketROI usl sAij  
mBkA vkt pykdj drkZcuk tk jgk gA d"kk; ka l scpusdk ; gh JSB mik; gA nqk /khj&/khjsgH  
tkrk gS , d l kFk ughafudy l drkA 'kkar cB tkvk& l keusokysn[krsjgkA tYnh pyk tk; skA  
^gYnh yxh u fQVdjh jax Hkh pks[kksvk; A\*\* /ku; gS, d h vkRek tksfdl h jax l si Hkkfor ughagkrhA  
vurdky dsfy; sml varjx , oacfgjx l sml 'kk'or jax dksLohdj djrsgAvkt vud idkj ds  
jax fonskh gok ds: i eavk x; sgS T; knkrj yks ml h jax eaijjsjx ppsgS fonskh gksppsgA tc  
Hkh eksk i klr gksk pru dksgh gksk tM+dksughagkskA vHkh rks tM+l sbrusi Hkkfor gSfd ml h ea  
xkfQy gksx; sgA Hkxoku us; sughadgk fd cjl usyx tk; A

vfgd k ijeks /keZ dh t;

## ^ty rfgjk jax dS k\*\*

28-03-2016] pks jk i Vh

i kr%09%0

i kr%7 fdeh pydj 'kkarukFk Hkxoku dsvfr'k; {ks= pks jk igpsty l sdbZjakausi nNk fd  
ge ykska ds rks jax gA varjx vyx cfgjx vyx vud idkj ds 0; fDr ds 0; fDr geanskdj  
i l urk dk vutko djrsgS gs ty rfgjk jax dks l k gA ty usdgk geksi kl rksdkbZjx ugha  
vkS u gh fdl h dksjx nsl drsgA u jax gS u jax ipeh gA ge rksft l dsl x gks tkrsgS ogha  
gekjk jax gA /keZdk dkbZjx ugha fQj Hkh l c ml dsjx eajx tkrsgS; g ml dk irki gA

xkp okysHkh 'kgj ea tkdj ogk; dsjx eajx tkrsgA , d 0; fDr nll jk jkLrk crk jgsFkS gea  
ekyE Fkk fd dks l k jkLrk tkuk gA fdruk 'kq okrkoy .k gS i fr{k.k funkkrk gA l d kjh i.k.kh



ykd I si Hkkfor ughag\$ ykHk I si Hkkfor gA vi usi fj .kkkadks'kq) j [kusdsfy; si fj I j dksHkh 'kq)  
 j [kuk i M-rk gA xkpkæagh ; g 'kq) okrkoj .k jgrk gA vkfnukFk dksvkgkj nnsokyk Hkh , s sgh vlu  
 mi tkusokyk gkskA jktk ds vlu Hk. Mkj eavlu dgkj I svk; k\ 'kgj dk rks i kuh Hkh i husyk; d  
 ughA x; k fdrsl sbrsl sgh x; s'kgj eacl uA ; gkj dk fdl ku fnu eaJe djrk gS, oajkr ea  
 <kyd&eahjk dsek/; e I shkxoku dks; kn djrk gA jktk ds i kl /ku Hkh fdl ku dh [krh I sgh  
 vk; kA bl fy; sgeus'kgj okyk jkLrk NkM+fn; k bl rjQ I svk; A

Lora= jkt pyr k gSb/kjA og jkLrk gkbosFkA xkp ds jkLrsi zkkuea=h dksk I scusgA ; gkj ds  
 jkLrs{krxLr ughagr\$ gksHkh dS sxkpkadsi S sl stkscuH gkA ty usdgk ftl eafeyk nksogh ejk  
 jak gA pksGYNh eafeykvks; k yky eafeykvkA jak i peh euk jgsgk\$ ty i peh eukvka jak gh  
 thou gS; sdbzughadgrk] ty gh thou gS Hkh , s k dgrsgA ty i zaku gkuk t: jh gA fuf' pr  
 : i I sl e; ij o"kkzgkrh gA igyscM&cM\$tyk'k; cuk yrsFK\$ og ty dHkh I v[krk ughagA

vkt I jdkj cM&cM\$'kgj dsckjsearksl kp jgh g\$ I kRrod thou thusokysxkpkadscckjsea  
 Hkh I kpuk pkfg; A vkgkj I kRrod g\$ thou'kSyh I kRrod g\$ Hkxoku dk Hktu dj jgsgA 'kq) thou  
 gA i R; d i k. kh dk dUk; gSfd d"kk; kal scpA ekRl ; ZHko Hkh geæeku dh vkj ystkrk gA 'kgj ea  
 rks; scgr T; knk gkrk gA dkbZ; fDr cMk ughagrk] ekU; rk eacMk gkrk gA I p ea i Hkqgh I cl s  
 cM\$g\$ mudsl keus [kM\$gkstk; srksgeai rk yx tk; skA ; sKkr gkrsgH nH jkadsifr o&uL; Hkko]  
 vgdkj] vfhkeku Nw trk gA

vki ykska us tks 'kkar I sJo.k fd; k ml s; kn j [kæA ty dk dkbZ jak ughagrk] ml dh  
 fo'kkyrk jgrh g\$ dkbZHkh jak xq.k ughadjrkA bl h rjg xkpkæagh 'kq) gok feyrh gA 'kgj ea  
 ekuf l d] 'kkjhfd] [kku&i ku I c nH'kr gksx; k gA 'kgj ea Åp&Åps< trsg\$ fo | r dsek/; e  
 I sp<+rks trsg\$ fQj uhsughavk i krA gkV&vVd gks trk g\$ ogha Åij I sgh Åij pystkrsgA  
 /kjr h I stM\$ jgk/kjr h ds i e-ks; fn /kjr h ek; dk vkJ; NkM+nksxrksdkbZHkh j [kokyk ughA /kjr h I s  
 v/kj earkso&kfud nð gh jgrsgA vki dksok&kfud nð cuusdsfy; shkh /keZ I stM\$ uk gksk vk\$ /keZ  
 xkp okysvPNsl sdj i k; æA /keZ dk i kyu i 'k& i {kh bR; knh Hkh djrsgA Je djdsJe.k cusgA  
 mudkseu dk fo"k; cukvka fnu eaJe jkr eaHktu , s sgh eut; dk bl Hko ea tle yuk I kfkZd gS  
 ckdh rks th jgsgA vki vi uk thou I kfkZd djka

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^l ðÑfr dh j{kk gks\*

29-03-2016 cuokj

i kr%9%30

vfr'k; {ks= pks Mle pkchl k l s11 fdeh l xjk eajkf= foJke dj i kr%3 fdeh ij ijl qk ds n'ku djrsqg s6 fdeh ij ouokj eap; kZgg hA i opu&

geust kpk dVakh&l xteij dsckn bl ckj u; sykskadksykhk feyuk pkfg; svr%28 o"lzckn e[; ekxZNMelj ge xpkal svk; A pks Mle dsckn bl vkj ?kæ x; } bruh Hkkjh HkhM+gks x; hA l xjk&ijl qk gkrsgg scuokj vkuk gqkA cMackck dspkj kavkj l suk dk ekpkZgA ckandij okykaus dgk rksckandij fdrusckj vk x; svki yksx Hkny jgsgA 28 o"lzdsckn cksy jgsgA ; gk; l sl h/kscMæ ckck dksx; sFksfQj oghai j prækZ fd; sFkA vki ykskadh l ðÑfr dsi fr vxk/k J) k gA vkt Hkh cPpkarFkk vkcy o) kaethfor gA

gekjk l kp gsfed fo'kks : i l sl ðÑfr dh vkj xk<+ i l sc<uk pkfg; A 'kgjjkadsekj dksde djukA iS k rksdghaHkh tkvksvko'; d gkrk gSij mruk ykyp fdl ku dksughagkrk gSftruk ykyp 'kgj okyka dks gkrk gA [krh ckMæ NkMærs rks l ðÑfr dh j{kkA vfgd k dh j{kk ugha dj i kvksx} tks i kphu dky l spyk vk jgk gS ml dk l j{kk.k xkp ds l j{kk.k l sgh gkskA xkp&xkp n[ksul s; g Li "V gksx; k] FkkMæ cgr varj rksi Mæk gS/oppkZea xkp eaHkh nksekckby Vkkj [kMæsgks x; k , d k dgk FkkA½vki ykskadksml h dks/; ku eaj [krsgg si wZt ka dsi fr vLkFk j [kA /keZ/kkfeZl dsfcuk ughagkrk ¼u /keZ/keZdsfcuk½y{eh Hkh /keZdsfcuk ughavkrhA y{eh dgrh gS/keZtgk; ugha ogk; tkdj eãD; k d: achA vki yksx tS s/ku pkgrsgAoS s/keZHkh i l Un djuk pkfg; A fdl h ds i ykHku eavkdj /keZdksughaNkMæuk ughagA ; gk; Hkh xtjFk py pøtk gA tc gkFkh tø pøtk gS rks cSy rks tøruk gh pkfg; A cSy jgæsrksfdl ku Hkh jgæA i kphu ekxZdks l j{kr j [kuk pkfg; A dgk; l sbruh l æ; k eavk x; sÅij l svk x; sD; k\ ge ghaughavki ykskadksHkh cMæckck dh i fjØek djuk pkfg; A bl l sl c ykskadk esy feyki c<xkA pks Mle ea#dusdk vxzg l xjk eavkgkj dk vxzg gqk l c dks l e>kf'k djrsqg sl e>kdj vk; sgæfQj n[ k yæA f'k{kk dk jkst xkj l su tkMæ

i wZea tks jkst xkj ds l k/ku Fks mudks ughaHknyuk pkfg; A ijd cudj dk; Zdjuk pkfg; A , d&nw jdsi jid@vuqzg@l g; kx@ mi dkj djusl sgh dke pysk rFkk bl s/keZdk i Hkko c<+ tkrk gA , d&, d cpm tc feyrh gSrc /kkjk curh gS ml h /kkjk l sugha, oacgr l h ufn; k; fey tkrh gærksl eæ cu tkrk gA tS si wZeaFksml h iZkj ekxZea vksxc<fstkvkA ml shkny tkvksrks iS vkj detkj gkst; æA vki dks gkFk Hkh , oai kp Hkh nksukaet car cukuk gA xpkæa tks l æ; k de gksjgh gS ml dks jkduk t: jh gA cPps yks dg jgsFk& ^geaHkny u tkuk\*\* ræ cMæckck dksHkny tkvksxsD; k\ ; kn j [kukA

vfgd k ijeks /keZ dh t;

# ^m/ołfr LoHkkoh vkRek\*\*

31-03-2016 dq Myi g

i kr%09%30

/kjr h dh vki ns[krsgārkspkjka vki bflæ; fo"ka, oad"kk; kadh vki gh n"V tkrh gā i gkM+ dh vki ns[kusi j ; sl kjh l kexh /khj & /khjsde gkrh tkrh gā i gkM+ij Hkh tc f'k[kj ij i ggp tkrh gā rks l Hkh xk; c gh gkstkrsgāek= 'kdk vkdk' k gh vkdk' k fn[krk gā vkRek uhpsdh tš h ugha; g geafo'okl gkstkrk gā l d kjh i k.kh dh n"V l nō uhpsdh vki gh >qrh gš Åij rksdōy cMš ckck fn[krsgā l kjh dh l kjh turk Åij tkrh gš FkkMk l k l e; gvk ughafd rjar uhpsvk tkrh gā uhpsvkusdh vknr gā

ml h l d kjh i k.kh dsl ldkj , d&, d ?k. Vsds tksvkt i M+jgsgā, d fnu 24 ?k. Vshkh /; ku dj l drk gā vki ftruk izlU/k djæks/kkfezd okroj .k mruk gh de gkrk pyk tk; skA ¼dšjs l fjdKfMk gksus i j½, d QkYMj i <useavk; k l c txg ykxwgk tk; sk og QkYMjA ijgst fd l dk djuk gš; g vki dksn[kuk gā 0; oLFkk vki gh ykskæusdh gš; sBhd gšij pdkpkk l kfk eaydj tk; æsrksbl l siz kstu fl ) gksusokyk ughagā

foŭk dk ; fn l nq ; ks djuk pkfg; srksbl vki /; ku nsuk pkfg; Å vc vki yks i jkusgksx; s gš FkkMk cgr cnyko rksgkuk gh pkfg; š vkh rksgeavki ykskæadkbzcnkyo utj ughavk jgk gā

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^i q ; dk Hkks&i ki dk dkj .k\*\*

01-04-2016

vkfnukFk t; r h

i krk%09%30

¼Åij i gkM+ij i ōpu½

dy ughai j l ka; gk vkuk gvk l , d fnu eagh dq Myi g {ks= ij l kgL=dW ftuky; dh j puk dk ekafyd dk; Øe dh : i j[kk cu x; hA bl eadkbz l mš ughal e; , o {ks= nksuka dksfd l h Hkh dk; ZdsgekuseaLohdkj fd; sgā dky@l e; rksvi uh xfr l spy gh jgk gš {k= ; gk dk vki l c dksekya gā ; gk dh turk dk i q; gš tksbl i dzkj dh ubz; kstuk bruh tYnh l keusvk x; hA turk ftruh i fo= HkkokæaMšsch mrusgh ekafyd dk; ZgkrsjgæA Hkko rksgkrsjgrsgā i j l d kj dksc<kusokyš i pšlæ; fo"ka; kadks i ũV djusokysgh vf/kd gkrsgā ^i jsekšk grq dgkA vkrZ, oa jkæe/; ku rkscusgh jgrsgā

; g , d , d k {ks= ftl dh fo'kq) l s/ke&'kpy /; ku dsHkko gkrsgā; g cgr ngyHkze {k.k gā p/dh ctkr&ctkrsfudy tkrk gš; g l e; fdUrngyHkre bl fy; sdgk fd l kxjki e vk; qrd

og Hkko Qy nsudh {kerk j [krsgf^uj dk; k dksl j i fr rjl s\* l k8keZblæ Hkh bl euq; Hko dsfy; s  
rjl rk gA vki ykx Åij tkusdh Hkkouk j [krsgkÅ Åij rks tkuk gh gSogk; tkdj vl a eh cukxs  
; gk; gksrc rd l a e dsl kFk iq; dksxk<k dj l drsgkA iq; dksj [kksxrks iq; c<xk gh bl ea  
gkfu ugha gS cl iq; ds ; kx ea tks fo" k; ka dh miyfc/k gkrh gS muds ifr ges'kk gS  
cñ) &mi {kkHkko& fufjgofÙk cusjgsrksog iq; dkbZHkh gkfudkj d ughagA

i j k . k iq; i # " k dgrsgA iq; ftudk fodkl kbeq kh jgrk gA tS & tS s Åij c < f s tk; a s  
iq; cgr xk < k gkrk tk; s k A l E; dnf" V dk iq; rksxñ. kr Øe l sc < r k gh tk; s k , oai fr { k . k i ki  
dh fut j k gkrh gA cl i ki dh fut j k dj r s p y s t k v k A i ki l s c p u s d k l n b H k k o j [ k k A d k e d j r s  
t k v k s H k k o d k e d j u s d k g k r k g s r k s t : j d k e g k s k A v k t v k f n u k F k H k x o k u d s t l e d Y ; k . k d i j  
v k t c m l k d k e g k F k e a f y ; k g A d q M y i j { k s = d k r k s m ) k j g k s j g k g S v k i y k x H k h v i u k m ) k j  
d j k A e k u L r t k r k s F k k g h v k t l g L = d W f t u k y ; d h ? k k s k . k k g k s x ; h A 1 5 & 1 6 v k u k e a l g L = d W  
f t u k y ; , o a Å i j e k u L r t k r k s k A v k i y k s k a d k s y x s k g h u g h a d c p < s v k s j d c m r j x ; A c l r j  
x ; A

vfgd k ijeks /keZ dh t;

## ^l Qyrk dh dqtH\*\*

04-04-2016

i kr%09%30

pkrekl dk l e; Fkka cM&ckck ds n'ku dsfy; sykx tkrsgA , d&, d l h<h p<+jgsgA  
Åij l s/kkjcg jgh gS l c Åij l suhpsdh vkj gh cg jgsgA rkykc eam l fo"ke i f j f L F k f r e a H k h  
, d e N y h , s h f e y h t k s u h p s l s Å i j d h v k j c k j & c k j v k j g h g A v k i y k x d g r s g & i # " k k F k Z u g h a  
g k r k & i # " k k F k Z u g h a g k r k j g n g k s x ; h A ; s l c u k V d g A m l e N y h d k s f d l u s v k ' k h o k h f n ; k j m l d s  
r k s i j H k h u g h a g k r s f Q j H k h i # " k k F k Z e a d e h u g h A

/kkjk dkser ns[ kka u h p s l s Å i j ; k Å i j l s u h p s c g j g h g A j k s u o k y k i # " k k F k Z u g h a d j r k t k s  
i # " k k F k Z d j r k g S r H k h d g h a t k d j v k R e k d k s i k l r f d ; k t k l d r k g A

vfgd k ijeks /keZ dh t;

# ^fn'kkcksk nsuk ; k yuk\*\*

05-04-2016

i kr%09%80

yxskadks, d k yxrk gSfd dkbZekark gSrksnuk pkfg; A i jUrqokLro eaekskexZeanuk ; k yxuk I Hko gh ughagA gk; ekskexZea; fn dkbZnuk pkgrk gSrksfn'kkcksk fn; k tkrk gS vksj fn'kk cksk gh fy; k tkrk gA i Hkqgeafn'kk cksk nsnrsgage mul sfn'kk cksk ysyrsgA mudk dguk gSfd I d kjh i k.kh dh n'kk js'ke dsdhMsdh Hkkar cgr [kjkc gkrh gA og dhMk i kyk tkrk gS ml ds ; kA; [kjkcd nh tkrh gS og i Ukkavkfn dks [kk yrk gA [kkusdsmi jkr og ykj NkMfk gS ml ykj ea og viusvki dkscn djrk tkrk gA vc ml tky eau og fgy I drk gSu My I drk gS u 'okl ysl drk gA vc ml dks i kyusokyk ml sxje i kuh eaMky nrk gA ; g dk; Døe pyrkJgrk gA ykj ughaNkMfk rksxje i kuh eaMkyk tkrkA ykj dsdkj .k , d k gprkA dskkdj dhMk dgk tkrk gS ml A bl h i dklj I d kjh i k.kh jkx&}sk NkMfsjgrsgvFkkz djrsjgrsgj bl I sdekadk cak gkrk jgrk gA ; g dk; Døe fujrj pyrkJgrk gA

; fn vki bl I snij gkuk pkgrsgarjsjkx&}sk I scpuk cgr t: jh gSftI svurdky I sdjrs vk; sgA Hkxoku geafn'kkcksk nsjsgs jkx&}sk ughagksk rksu; k cak ughagksk vfi rqcakk gprk Hkh pyk tk; sxA vHkh vk'khbkn ekack] vk'khbkn Hkh ekack geusvk'khbkn Hkh nsfn; k , oavkf'koju Hkh nsfn; k gA vc fo"K; i wkZgksx; kA thou dks I elkr dj jsggkA fn'kk cksk nsfn; kaKkr gkus ds mijkr Hkh ; fn vki ml s i ky ugha djaks rks Hkbb&cu/kj I x&I cak dkbZ dke ugha vk I drkA ekl; rk dkscnyuk t: jh gS vki ku ughagS i j vl Hko Hkh ughagA pkjkarjQ HkVdu gh HkVdu gA

ujd okysukjdh ughacu I drj no Hkh ughacu I drj eulj; @fr; j cu I drsgA eulj; , oa fr; j pkjkarfr eaHkst k tk I drk gA vki ns[k yksvki dh dcr fdruh gA dcr rkscgr gS i j ge ml dk vuoku ughayxk i k jsggA I gh crkvkA tksfeyk gSog cMackck dspj .kkaeal efi r dj nkS I cdksckuk pkgrsgkrskr nsukA js'ke dsdhMsdk mnkgj .k ; kn j [kukA ge jkx&}sk dsek/; e I sQd rspystkrsgvi uh vkRek dkscaku ea@onuk eaMkyrsgvKku dsdkj .k vurdky I s, d k gh py jgk gA I Hkh dksKku gks, d h Hkkouk gA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^no'kkL= x# : ih tkeu\*\*

06-04-2016

i kr%09%80

bl I d kj ea I Hkh oLrpkadk i Hkko ns[kuseavkrk gS ty dk i Hkko i Mfk gS gok dk i Hkko i Mfk gS okrkoj .k dk i Hkko i Mfk gS 'kCnka dk Hkh i Hkko ns[kuseavkrk gA viusvki tksHkko gS mudk Hkh i Hkko ns[krsgA fo'kSk æ0; &{k= ea tkusij fo'kSk i Hkko i Mfk gA nwk I sngh tekuk gS i gysnwk dksri kuk gksk fQj tekuk i Mfk gSrc ngh gkskA

ij 10 fdxk nwlk ea5 fdxk yhVj tkeu Mkyusl sughavfi rqvuij kr l sgh tkeu Mkyuk gksckA  
 10 fdxk nwlk rjy Fkk tkeu Mkyrsgh vc teusyxA ehBkiu dN [kiki u ea cnyus yxkA  
 Li 'k&jl &: i&x&k l Hkh 10&15 ?k.Vka ea i fjo fr r gksx; A vukfndky l s; gh 0; oLFkk gA ; fn  
 l Ppsno'kkL= x#: ih tkeu fey tk; srksbl l d kjh ik. kh dk D; k gksq; vi uk eu feysrHkh dke  
 gksck ; fn nwlk dkeu ughafeyxk rksrhudky ea te ughal drk gA geanwlk dk ekq NkM+uk gksckA  
 ekq egkre fi ; ks vukfn Hkny vki dh Hkjer 0; kf/k----A nwlk ds ekq eero dks NkM+n; tkeu dks  
 Lohdkj djavk; i kfkZuk djafd gshkxoku gekjk nwlk te tk; & te tk; chp eaxMeM+u gsktk; A

bruh {kerk gSml tkeu ea tks10 fdxk nwlk dksHkh tek nrk gA i # "kkfkZfof/kor-djjsrksD; ka  
 ugha ikr gksckA ftUgkaus vius thou dks tek fy; k gSge Hkh muds ikl ea jg&srks vo'; te  
 tk; &A igysgeusl kpk ughA vl; = rksl kp yrsqk ftl fo" k; eal kpuuk pkfg; sml eal kpsugha  
 bl l s tks/ku gkfk ea Fkk og Hkh pyk tkrk gA l e>/kkj gksrgq svki usnwlk Hkh NkM+fn; k] vc D; k  
 djA , d fnu ?kks/kyk gksx; k] nwl jsykx ; g dg nrsg&vsr&usrksnwlk [kjk dj fn; k] bl i zdkj  
 dN gksrk ughA mlgaD; k i rk fd ngh dS sterk gA og 12 ?k. Vsyrk gA fof/kor l c dke djksrks  
 ; g ckr cu l drh gA nfu; k dh ckr dksxkSk djksrHkh fof/kor~; g gksckA , d kj tkeu My x; k  
 vc nwlk rksugha jg&ck ml sfof/kor j [kksrksngh rkscusx ghA bl 'kjhj eavkRerUo gksrgq sHkh  
 geusefku bl i zdkj l sughafd; k] nwl js<ak ; k nwl jh i zdkj l sgh fd; kA ge efu rkscu x; A tc  
 Hkh efdR feysch bl h jkLrs l sfeysh ml dk vlurZxr fHkuu gks tkrk gS ml dk fparj ml dh  
 pky&<ky l c cny tkrh gA vfojr n'kk ea; sl c ughagkrkA vc dbZ i zdkj dh i fj l fkr vkrh gS  
 ij og l dYi & l k/kuk vkfn l svi uk fuok; djrk jgrk gA chp eadkbZvk dj dN dg Hkh nrk g  
 rksl u yrk gS djrk viusvud kj gh gA tc ckj&ckj dkbZdgdj ck/; Hkh djsk rksml l e;  
 viuk l dYi ml scrk nsckA

tkeu dk mnkj .k fn; k tc rd texk ugharc rd eFku ughadj l drA nwlk dk dHkh eFku  
 ughagkrk] ngh dk gh eFku gksrk gsm l h l suuhr dh i kfr gksckA ftl fn'kk ea/kkj .kk cukrg&vc  
 l kgl ] /kS ] fo'okl j [kdj ml h fn'kk ea i fr l e; i # "kkfkZdjrsjguk rHkh l Qyrk feyschA fdl h  
 dks, d Hko eagh vFkok fdl h dksT; knk Hko Hkh yx l drsg&ge Hkh vof/kKkuh ; k d&yKkuh l s  
 i N&A dgk l svk; s, d k i Nusij , d Nks/k cPpk nekq l svk; A dN ykx irk ughA tc irk ugha  
 rksml dksD; k j [kuk ftl l s irk feyuk gSml dk irk j [kka ek= cM&ckck dk irk j [kka ge D; ka  
 fpark djA tc vki cM&ckck dh fpark ughadj rksrksge vki dh D; kafpark djA vki Hkh i N l drsgks  
 1/2 ykxka }kjk fd cM&ckck l svki dh D; k ckr gksrk gSA mlgkaus tksckr; k ml snwl js dksckrus dh  
 t: jr ughA

crZu Hkh n[k yksfd dS k gA nwlk rkscgq vPNk gS crZu ij Hkh vk/kfjr gS Hkhrj Hkh gkfk  
 MkykA vki ykx vi u&vius l Hkkyks ge vius crZu dks l Hkky&A vkxs tkeu ds ek/; e l s  
 viuk&viuk nwlk tekvka

vfgd k ijeks /keZ dh t;

# ^Kkuh ds fNu ekgh\*\*

07-04-2016

i kr%09%0

, d fi at Mle gSml h fi at Msea, d rkrk gS og Hkhrj pSu dsI kFk cBk jgrk gA ml dk ekfyd ml sl e; &l e; ij nwl i kuh&Qy vkfn nrk jgrk gS og [kkuseaelr jgrk gS ml rkrskd , d l kFkh tksckgj Fkk ml scjk&ckj vkdj vi uh Hkk"kk eadgrk gA vjd rø rksvktknh dk vuttko ugha dj i k jgsgkS og Hkhrj okyk rkrk dgrk gSfd rø vi uh bl vktknh dsbrusxkusD; kaxk jgsgkA rø ejsg h i hNsD; kai MægksrFkk rø ckj&ckj vkdj dsejsckjseaD; kafpørk djrsgkA vl y ea tks ckj okyk gSog ml h eavVdk gøk gA Hkhrj jgusokyk vi uh i rth{kk dj jgk gA vki dksbu nksuka rkrkadsek/; e l sfparu djuk gA ft l usNkM+fn; k fQj Hkh ml h ds i hNsi Mle gS; k , d og vuttko ft l l sNkM/le ugha tk jgk gSfQj Hkh vkuan dk vuttko dj jgk gA Kku dsfNuekgh--A ge Lora= gksr gg shkh l e> ugha i k jgsgA ng dksfi at Mle l e> gh ugha i k jgsgA Je. k gksudsmi jkar Hkh l e> uk dfBu gA døy vki d&l øj dk uke jVusek= l sdN ughagkrk gA ckj okyk rkrk Hkhrj okys rkrsdh vkj gh n"V yxk; sgq sgA Kkuh l kprk gSejk Fkk gh D; k tkseSsNkM/le gA vuarckj 'kjhj NkM/le gS, oavur ckj 'kjhj xg.k fd; k gA bl j l k; u dh i fØ; k dksl e>uk vfuok; ZgA

ckj dk rkrk cak k gS Hkhrj dk rkrk Lora= gA bl dk n#i ; lxx ugha djuk pkfg; A bl dksKku , oavKku n"kk dsI kFk xBr djuk pkfg; A t gkj jg jgsgksml snS[kdj pyksvU; Fkk cak vkj 10 xuk c<+tk; sxA Hkfredk&foo{kk dksdHkh xkSk ugha djuk pkfg; A vki ykx bu nksrkrkadks t : j ; kn j [kaxA ckj okyk T; kn cak dkskgl drk gA

^vukfn l ælks p\*\* vukfndky l srst l &dkekZk 'kjhj tMle gA ^p\* dk eryc ml dh Hkh flFkr&vuttkx gkrk gS bl dk v/; ; u djrsgq si #""kkFkZdjuk pkfg; A  
vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^d"kk; kfxu l s cps\*\*

08-04-2016

i kr%09%0

vfxu dk LoHkko tykuk gkrk gS m".krk ml dsLoHkko eagA ty dk LoHkx 'khry gkrk gS fdUrqt vfxu dk l a lxx ty dksfeyrk gSrksvfxu ty dksrik nrh gA ty 'khry LoHkko dks NkM/dj ds m".k LoHkko okyk gk tkrk gA bl ea dkbZ l ng ughafd vfxu tykrh gS bZku ugha tykusdsfy; shkh tyusdh {kerk pkfg; } rHkh og tyk l drk gA ty vc xje gksx; k&vaxgh Mkyarsrky tk; sxA ml h xje ty dks; fn vfxu ij Mkyarsrksvfxu cø tk; sh fdUrq; fn ml vfxu dksbZku fey x; k rksog ty tk; sxA vfxu ml ty dks tyk ugha l drh Lo; acø x; hA d"kk; dsdkj.k gekjh vkRek ty tkrh gA {kek} vktb vkfn Hkko ugha j [k i krhA tc Hkxoku dh HkFDr djrsgaml l e; d"kk; dk vHkko rksughagkrk ij ml HkFDr Hkkouk l sdek dks tyk fn; k

tkrk gÅ d"kk; Nw/h ugh&d"kk; gkrsgq shkh HkfdR eaog 'kfdR gStksgekjsdeZtykuseal {ke gÅ  
i Hkq dsifr vujkx j [kdj vKku n'kk eaackks deka dks tykus dk deZdj l drsgÅ tks 0; fDr  
ftruh vf/kd HkfdR djxk ml dsmrusvf/kd deZu"V gkæsc l ; fDr Bhd gkÅ gekjsHkxoku dñ  
nrsguh ge pgrsHkh ughacl gekjsdeka dsk; dsdkj .k gks; gh Hkkouk j [krsgÅ

vfgd k ijeks /keZ dh t;

## ^vkj[kæcñ d: a ; k [kksy]\*

09-04-2016

i kr%09%0

geusl kpk vkt jfookj dS svk x; kA jfookj eryc HkhMA jfookj , d fnu ckn eavkusokyk  
gS vkt 'kfuokj gÅ vkdyrk l c txg jgrh gS HkfdR eaHkh oksvkdj cBsm l sigysvi uh txg  
jkddj cBrs gÅ fQj mudsl keusgh ukpusyxA ; shkDr gSHkfdR eayxsg ge tks pkrsgÅoksdj  
jgk gS , d k djus l sdeZdh futj k T; knk gkrh gÅ l eo'kj .k ea , d h vkdyrk ughagkrh gÅ ; s  
l kp&fopkj dh ckr gÅ mudspkj kafn'kk eaed k fn [krsgS] pæ [kh Hkkoka l sdYi uk djka l c ykx  
Hkxoku dh HkfdR djrsgfdrurq; fn 0; ofLFkr dke djarksfdruh xij. kr Øe l si Hkkouk gkxhA m/ke  
u djdsek= HkfdR djarksbl eacgr jgL; fNi k gÅ Hkxoku dh HkfdR eagh ; sjgL; gÅ vkdyrk  
ughagkuk pkfg; Å

; g l e> eavk tk; srkscgr cMk dke dj l drh gÅ l kSkeZblæ Hkh l kprk gSfd /kjr h ds  
okl h ejsl srkscgr vksxgS bruk gh ugha, d i mtu djusokyk ead Hkh Hkkouk l sejsl shkh vkxs  
fudy x; kA

tks cku gSml srkMæus dk mi Øe ; gh HkfdR gÅ nrk ykx Hkh l a e ekZkk dsegRo dks  
l e>rgÅ vr%ftl vkj vkdyrk gksh pkfg; sml vkj Hkh FkkMæ vkdyrk djA l a e dsifr  
vkdyrk gkÅ

vki tki dj jgsgÅ vkj[kæcñ djds; k [kksy djda Hktu l uk jgsFk&vkj[kæcñ d: ; j; k [kksy  
cl n'kz nsnukA vki dksn'kz nsuk gh gkæc ; si frKk gSgekjhA [kksyusl sughafn [k jgk gSrkscñ  
dj yksvkS vPNs l sfn [kæcA cMæckck ds; gk; esyk rks, d k gh pyskA tc tkxrHkh l ojkA gea  
vi usHkkokadh vkj ns[kuk gÅ vHkh rksgyr , d h gSfd ukp u tkæ&vkxu VMkA vkykpkuk ughadj  
jgk] ij vHkh l gh HkfdR djuk vkrk gh ughagSfQj Hkh vki ykx l jkguh; gSfd HkfdR dj jgsgÅ

vki ykx prj HkDr gÅ l ifjokj vMkæ & iMkæ ds l Hkh ijik neksg vk tk; srksvkS vPNk gÅ  
fueæ .k nsuk i Mæk gÅ ; fn fcuk fueæ .k dsno vk tk; srksvkS vPNk gÅ vki ykx Hkh dg nrsgks  
dkbz iZU/k dh fplr er dfj ; ksc l 0; oLFk l kFk esysvkb; kA l c feydj , d l kFk i mtu djrsgS  
rksfo/kku dk : i /kkj .k dj yrk gÅ ogh i mt k jgrh gS yfdu fo'kkrk vk tkrh gSbu 8&10 fnuka



eA Lo; ai utu djrsgksml eamYykl @mRl kg dk Hkko jguk pkfg; A ni jks i utk djs rks ml sHkh vPNk crkuk pkfg; § ge Hkh vki ykxkadhi i utk ns[kdj , d dk; k&l xZdj yrs gA ; scgr vPNk gA l E; dnf"V dks rks vks & vks vkun vkuk pkfg; A Kku dsek/; e l sn[kksxs rks vks vf/kd Li"V n'kū gkax J) ku dsvk/kkj ij vfrKku dk fo"k; veirZgkrk gA Kku l E; d-g§ Hkxoku veirZgA Hkxoku fn[ks ; k u fn[ks gekjks J) ku rks gksxk ghA Hkkoka ds }kjk oru c<Fk gA geskk Hkkoka dks mRn"V dh vksj ystkuuk pkfg; A cPpkadksHkh , d k gh fl [kkuk pkfg; A

vuod 0; fDr; kadksl u&l udj Hkh ckr l e> eavk tkrh gA J}ku dk fo"k; gA fl ) i jeSBh dsHkh n'kū gkstrsg& vks[kacan d: ; k [kksymcl n'kū nsnsukA n'kū nsnsuk ughan'kū ysyukA  
vfgd k ijeks /keZ dh t;

^vxjcūkh dh [kq kcq\*\*

10-04-2016 i kr%09%0

vkt jfookj g§ fQj Hkh /; ku dūaer djA vki us panu dks f?kl dj yykV ij yxk fy; k] vki dks' khryrk ml l sfeyhA bl 'khryrk dk vutko vki rd jgk] fdUrqxak rksdbZ0; fDr ysjg gA , d k rks gSughafd , sxak l qkksughavc ml panu dks vki us ty ea?kksy fn; k vkr&tkrs ykx ml dh l qak ysyukA /kfebd nf"V l sbl dk forj .k vksj vf/kd dj l drsgA , d vxjcūkh yh , d cMsHkou dsdkuseaml syxk nh ml dk QSyko i jseagksx; A Hkou dk i R; d 0; fDr dksog l qU/k jke&jke ea tkdj vi uk i Hkko fn [kk jgh gA bl dks cksyrsgavfoHkxh i frPNnksdk foLrkjA 'kfDr bruh jgrh gSfdUrqml dk mi ; kx ugha dj l drsgA vkpk; Zdgrsgage HkDr dscy l s vi usvfoHkxh i frPNnksadksbruk QSyk; afd A ij dsno Hkh ukprsgg s; gk rd vk tk; A vki ykx dat v gksvi uh [kqkcqLo; agh yuk pkgrsgA vc bl smnkjrk dsl kFk QSykusdk iz kl djA

vfgd k ijeks /keZ dh t;

^.keksdkj ea= gS Lok/; k; &/; ku\*\*

11-04-2016 i kr%09%0

/; ku dsek/; e l sdekadh futj k gsrh gA bl fy; s/; ku dk fu"ksk ughafd; k gA f"k"; usdgg fQj xDFk eadoy /; ku dk gh o.kū djuk pkfg; A x# usdgg /; ku cgr xfj"B gA vksj tksxfj"B gkrk gSml sgj dkbZi pk ugha drk gA vki ykx l u jsgsgsk; bl fy; snik ea i kuh feyk dj yrs gA vFkok i kuh eanik feyk dj yrs gA /; ku cgr xfj"B g§ ml h&ml h dks [kk ugha drsgA ?kh i ks"Vd gkrk g§ i kpd Hkh gS, oaLokLF; o/kbd Hkh gS ij fQj Hkh ek= ?kh gh ?kh ugha [kk l drsgA

i gyoku l si nk bruk cfy" B 'kjhj dš scuk&?kh [kkusl Å ek= ?kh l sugha?kh dsi nkFKZ [kkusl s, d k  
'kjhj cukabl h rjg ekskeksZealHkh ek= /; ku gh ugha/; ku dsl kFk vkš Hkh i nkFKZ t: jh gÅ

Jkodkadh vi škk /; ku dh vi škk nku djuk l i vt k djuk l Lok/; k; djuk vkfn Hkh crk; k gÅ  
i gyoku dh tBjkfXu rst gkrsgq sHkh dšy ?kh gh ?kh ugha i pk l drkA bl h rjg ekskeksZe  
/; ku&/; ku dh jV yxkusokyk dc vkrZ; ku dj yxk i rk ughA Ñf=d mi ; kx u djusokykads  
fy; sdšy /; ku ekskeksZdk dkj .k ughacr; kA

pfj= dsi d j .k dkscrkrsgq svkpk; ZmekLokhegkjkt usxqir&l ehfr vkfn dksHkh crk; kA  
dñ ykx Lok/; k; dksgh ed; &dñ ykx i vt k dksgh ed; dgrsgānkukagh Bhd ughA dñ ykx  
tki d j rsgš tki ea/; ku Hkh gkrk gš Lok/; k; Hkh gkrk gš Hk fDr Hkh gkrh gÅ gka. keksdkj ea= dk tki  
Hkh Lok/; k; ge ugha vkpk; Z dñ dñ usd gk gÅ oksfy [k jgsgš tks t i kfn vjgark. ka--- tksvjgr  
Hxoku dks tkurk gsdš stkusx& nš n'kū d j r k gÅ nš n'kū eaHkh Lok/; k; gksjgk gÅ tksugha  
ekurk gekjs i kl ys vkuk l T; knk l e; yxsk ek= 5 fefuV eafpdr l k dj nāÅ nRos gh xqk  
i vt rfg--A dšy h J r dšy h dsi knewy ea l E; Xn'kū gkrk gÅ i p i ješBh dsvkj k/kuk l s {kkf; d  
l E; Dn'kū gkrk gÅ LokL/; k; dksek= fdrkc rd l hfer ughaj [kuk pkfg; scgēd kh vk; ke gksuk  
pkfg; sl e; vki dsi kl gSgh ughagekjs i kl rksl a e jgrk gh ughA ; fn dkbZ l e; ekark gsrkse  
dgrk gw; fn 1 ?k. V k pkfg; srksi gysea2 ?k. V k nsnksge ml ea l s1 ?k. V k nsnāÅ

vkpk; kād h ckr ; kn j [kuk mlUkaus; gh mi Øe fn; k gÅ Lok/; k; djks i j i j i vt u n'kū Hk fDr  
Hkh djka /; ku Hkh djks tki Hkh djka ea= fparu vkfn dsek/; e l sHkh dezfut j k gkrh gÅ Lok/; k;  
i fe; ks l qks J kod dk D; k dūk; gsmu l cdk iz kx ; Fkk; kx; djuk pkfg; Å dšy ?kh&?kh ugha  
[kkb; kA jks/h ea Å i j yxkdj vf/kd ek=k ea [kk l drsgš Lok/; k; dsek/; e l sdezfut j k rHkh  
gksxhA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^ {kerk dk djā fodkl \*\*

12-04-2016

i kr%09%0

ge ; stkursgāfd ni Zk gš ni Zk dsl keusvud i d k j dsi nkFKZfn [k jgsgš l kjsdsl kjsi nkFKZ  
bl ea>y d jgsgā i nkFKZ& i nkFKZ eajgrsgq sHkh ni Zk&ni Zk eajgrsgq Hkh bl i d k j dh >ydu gÅ  
ni Zk ea dkbZ ck/kk ughagksjgh gš i nkFKZ eaHkh dkbZ xMēMē %deh&od h/2 ughagksjgh gÅ Nk&k&cMk  
i nkFKZ; gk&ogk; ughagksjgk gš ni Zk eaHkh dkbZ fodkj ughagkrk gÅ

bl h i d k j dšy h Hxoku gš mudsbn&fxnz tho jg jgsgš fQj mueafdl h i d k j dk 0; o/kku  
ughagksjgk gš 0; o/kku D; ka ughagksjgsgā; scgē cMk i z u gÅ ge ykx , d&nū jsgS0; o/kkfr

½ckf/kr½ gA gkrs gA cgr I kjs iz u gkrs gq sHkh muds i kl 'kkár gš geamuds i kl tkus l sgea  
 v'kkfUr gkrh gA vi uh ekU; rk gh geus, d h cuk j [kh gš bl dkj .k vkdyrk gkrh jgrh gA  
 egkjkt , d h dksul h l k/kuk gStks i Hkqdh Hkkár ge Hkh fcuk vkdyrk dsjg ik; A vki Hkh dj l drs  
 gámu tš h l k/kukA l e> eal c vkrk gš cl FkkMh l kp&fopkj dj djKA vki ds?kj eaegeku vk  
 tkrsgávki dksvPNk yxrk gA ckjkr vk tk; srksog Hkh vPNh yxrh gA ij og ckjkr 2 fnu ; k 2  
 ?k.Vsdsfy; svkš T; knk l e; dsfy; sjg tk; srksfl j nnZcu tkrsgA 2 fnu dN ughagrk vc  
 fl j eannZgkx yxk bl fy; sckjkrh vkuspkfg; sij egeku cudj ughA egeku l sT; knk eW; gš  
 ckjkr dk fQj Hkh FkkMh nj dsfy; sgh vPNh yxrhA nkekn vkfn Hkh fu; U=.k eajgrsgáml ckjkr  
 dsvkxA eč; Hkh gks; k l keku; Hkh gksmuds l keusgeškk ckjkr cuh jgrh gš fQj Hkh fl j nnZugha; s  
 l k/kuk dk Qy gA

mudsfl j gš; k ughA mudsKku eal c&dN ½e0; @i; kZ ] eč; &xkš k½>yd jgk gš bl dks  
 ckyrs gAohrj kxr@gekjs i Hkqohrjx gš ; g iek.k gA vki ykx HkDr dgykrs gš l gu'khyrk  
 vkuh pkfg; A muds i kl vur 'kDr gš HkDr dsi kl FkkMh cgr ; fDr rks gkuk gh pkfg; A ge vk; s  
 gA l e; l sl c dke gkxk vkdyrk djus l sdke ughagkr l e; ij l c gkrk jgrk gA fo'kš  
 0; fDr dsckjkrh cudj vk; s gš rhu ykd dsukFk dsckjkrh l keku; rks gks ugha i gpkuks vi uh  
 'kDr dks i Hkqdk D; k egRo gš foKki u ds: i eavki dks crkrs jguk pkfg; A ge rsohrj kxh ds  
 HkDr gA vi uh l kp vi usfopkj kaea; g /kkj j [kaksrksbu fopkj kal sHkh vki }kj i Hkkouk gks tkrh  
 gA /khj &/khj sl h [krspystkvks, d l e; , d k gkrk gStc LoHkko dk Kku gks tkrk gA i Hkqdh {kerk  
 dksi gpkukš mudh fo'kkyrk , oamudh mnkjr dh tkustc ge ; stku tkrsgá rks/khj &/khj svi uh  
 'kDr dks tkxr dj l drsgA vHkh og 'kDr l kbZ gq h gš bl hfy; sge dgrs gš ^ons rn-xqk  
 yC/k; \*A Kku gekjs i kl gSrks {kerk Hkh gekjs i kl gš ml {kerk dks fodfl r djus dh vko'; drk  
 gA foKku eaHkh bl s?kVr dj l drsg&vks/k dh {kerk gkrh gSjksx dksnj djus dh bl h rjg  
 jkxh eaHkh {kerk gSjksx dks l gu djus dh [kkrs tkvks& [kkrs tkvks MKD Vj ; sgh dgrk gSegh nok  
 [kkrs tkvksA ; sxyr gA

vksk/k dh ek=k de djksrHkh ge LoLFk jg l drsgA vksk/k dks Hkktu dh rjg [kk jgsgD; k  
 Bhd gkxs, d Nks/scPpsdh rjg [kkrs tk jgsgA tš scPpk tš &rš s [kk yrk gSegg&gkFk l c ea  
 Nik jgk gsvkr rksclMags i Ni kN dj ckj tkvksvU; Fkk ykx gl xA /khj &/khj sgh {kerk vkrh gš  
 iz ksx djus l sgh {kerk c<rh gA , d foKku dk fo |kFkhz iz ksx'kkyk ea tkdj iz ksx djrk gA ogh  
 i <dj , oal fQj Hkh i <kbZ djrk gA iz ksx ftl eafd; k ml ea'kr&ifr'kr uEcj yrk gStcfd  
 l quusokysfo" k; ea33 ua l srkspsygkrk gA

iz ksx'kkyk eafo |kFkhz dks dN fnDdr ½dfBukbZ gkrh gSi <u&l quuseadkbzfnDdr ughagkrh  
 gA i <kbZdk l e; vf/kdre 45 l s50 fefuV jgrk gStc fd iz ksx'kkyk ea2&4 ?k.VsD; k T; knk Hkh

yx tkrsgA fo |ky; ds fo |kFkhZ gkrsg q s Hkh iz; ksx'kkyk ds iz; kxckFkhZ cuA tYnh u dfj; kA  
NkV/&cPpkadks tYnh NkMuk i Mrk gS cMscPpkadks; fn ckj rkyk Hkh yxk nsrksos?k. VksHkhrj gh  
Hkhrj iz; ksx'kkyk ea viuk dke djrsjgkA bl h rjg ij kus HkDrka dks dke djusjguk pkfg; s  
iz; ksx/kehZcuuk pkfg; sl Hkh dka

vfgd k ijeks /keZ dh t;

## ^, D'ku ugha Mkbj D'ku ns[kA\*

13-04-2016

i kr%09%0

I c ykxkadh rjQ I s; gh dgk tkrk g&egkjkt pkgrsgq shkh gekjk eu ughaekurk gA ; g ijs  
fo'o dh I eL; k gA no&nkuo] eut; &fr; p] i 'k&i {kh I Hkh xfr; ka ea pkgs i <k gks; k vi <+gks  
I cdh; g I eL; k gA fo'o eajgdj I eL; k g&I ek/kku ge dS snA

; sekU; rk dsAij gA vki ykx ekuusdsfy; srS kj gks tk; srksbl I eL; k dk I ek/ku gks  
I drk gA ekuuwl eL; k vki dh I ek/kku gks, d k rhu dky eal Hko gSgh ughA vki ds?kj eaHkh; fn  
nksHkbbZg&rks tksekusxk ml h dh I eL; k Bhd gksI drh gA ; g drbZ I Hko ughadh ekusdkbZvkj  
Qy fdl h ml jsdksfeyA eu ugha ekurk gsrks I eL; k [kMh gh jgxA gj ckr dksrksvki euokus  
eayx tkrsgA mnkj .k crkrsg, d 0; fDr Aij cBk gSepku dsAijA cB&cBseukjat u ds: i  
eadHkdsAij, d iRFkj 1/2dM1/2Qd fn; kA T; kagh iRFkj nij x; k dHkksusml sn[kk og iRFkj dh  
vkj yi dka Aij cBs0; fDr us2&4 iRFkj vkj ekjdsHk mudksi dMuskMka

bl dsmi jkr, d 'kj vk; kA ml usl kpk; scMk dHk gS, d k gh djrk gkskA ml dksHkh iRFkj  
ekj fn; kA og iRFkj dh vkj ughans[kkA ml us; &; q/b/kj &m/kj 1/2 ns[kkA og Aij epku ij, d k  
ekuusuhpsfxjusokyk gA ml us 1/4 kj 1/2 Aij dh vkj ns[kk og 0; fDr vc rks; sAij vk tk; xkA og  
Hkh fr; p] ; g Hkh fr; p gA og 'oku iRFkj dh vkj ns[krk gS; g 'kj iRFkj dgk I svk; k ml vkj  
ns[krk gS iRFkj dh vkj ughans[krk gA og Mk; jD'ku 1/4n'kk1/2 dksns[krk gS vki, D'ku 1/4 DI u1/2 dks  
ns[k jgsgA Hkkrh; I hNfr, oafons kh I hNfr ea; gh emy varj gA Hkkr okyshkh vc fons k dh vkj  
ns[kusyxsghavi uh I hNfr Hkky jgsgA

'oku dh Hkkr iRFkj dksi dMuskdsfy; snkM+jgsgA emy dh vkj ns[kkA Mk; jDV'ku dksns[kkA  
fdl rjQ I s; g vk; k ml h vkj /; ku nA n[k&l [k vkfn dh vuHkr djrsjgrsgkA I [k dh  
vuHkr gksrksgeusfd; kj jkr ds12 ctsHkh dkbZ i Nsrks; gh tokc feyck dh geusfd; kA ; fn  
dke fcxM+x; k rksrgeusfd; kA geusfdruk i fJJe fd; k rpusrksxM&xkj dj fn; kA efV; keV/  
dj fn; kA nksukackr gSij bl rjg dk foHktu D; kA I ko/kkuh I sn[kk ykA

/ofu dksi dMuk pkfg; si fr/ofu dksugha i dMuk pkfg; A /ofu dgha I shkh fudys i fr/ofu

Vdjkdj gh vk; schA vki ykx vkdk'kok.kh l qrsghA vkdk'k eaok.kh ughagkrhA gk; vkdk'kok.kh l s  
 id kfjr dh tkrh gA , d&, d 'kcn LV\$ku l sifr/ofu ds: i eaid kfjr gksjgsgA vkdk'kok.kh  
 , d l quseavkrk gA ok.kh Bhd g\$ fQj vkdk'k D; karyxk; k vk\$ dkbZ/ofu ughavkd'k eaek= ; gh  
 /ofu bl fy; s, d k yxk; kA

vki ykx ftl fufelk l sfeyrk g\$ ml ij gh VW tkrsgkA vPNk gpk rksgekjsyMedsusfd; k  
 cjk gpk rks i Mkd dsyMedsusfd; kA ; s/kkj.kk cuk yh g\$ ; gh xyr /kkj.kk gA Hkxoku dh ok.kh  
 ekudj@vkxe dh ckr ekudj tks l gh J) ku j [krk gSogh l E; Dnf"V gkrk gA eq-s l qk&ndk  
 feyxk vi usdekadsmn; l sfeyxkA ml jk ejk dN Hkh ughadj l drkA ; s tksfn [k jgk g\$ l kjh  
 dh l kjh ukVd eMyh gA ge rEga, d k dj nxA /ofu b/kj l svk jgh gA vHkO; fDr gkFk&i kp dh  
 dj jgk gA ge xkfQy gksjgsgA ndk dk eq; ; dkj.k ; gh gA vi uh dh x; h xyrh ; k Hky dks; kn  
 ughadjkA

Kkuh Hkh xkfQy gks tkrk gA eu ekurk gh ughA vHkh rd rkseu dh ckr ekursjgA eu dh  
 ckr rksjkr ds12 ctsHkh eku yrk gA og dgsdh l kuk ugharksvc l ks sk ughA ml dsgj d b'kkjs  
 dk ikyu djrk jgrk gA eu dk ukdj g\$; k eu ukdj g\$ l kpusdh ckr gA

l B th vki ukdj g\$ dkbZ, d k dgsrksd\$ k yxkA vki ukdj l sHkh x; schrgANk/h&Nk/h  
 ckr dksekuusdsfy; sukdh djusdsfy; sr\$ kj gks tkrsgA ekskekxZeaNi kdj , d k O; fDr u vk; A  
 vk Hkh tk; sk rksog Qy gks tk; skA cgr tYnh iyV tkrk gSog euA ckyrsgAu fd eu%LFkfr  
 Bhd ughab/kj d\$ svk x; svki ykx cMackck dsi kl A ; gk; rksdkbZLV\$ku Hkh ughagA eu dkso'k ea  
 djusdsfy; svk; sgA vkpk; ZJh eu dso'kHkur gkdj vk; sgA, d k rksughagA

nokbzgSrksgekjs i kl g\$ml eu dkso'k eadjusdsfy; A vki ykx ml dk ikyu djxsrks  
 xkjUVh l sjkx Bhd gks l drk gA l c dN NkMek gkskavui kr l sughaNkMek gkskA vki dsi kl  
 ftruk gSog l c dN R; kxsrHkh vkum dk vutko gkskA vki ; fn r\$ kj Hkh gksx; srks?kj okys  
 r\$ kj ughagkA ejh otg l sgh l c dke gksjgsg\$; gh feF; k HkkfUr gA ftl dk eu fcxM+tkrk g\$  
 og i xxy dgykrk gSrFkk tkseu dkso'k eadj yrk gSog egkeuk dgykrk gA vki ykx mnkgj.k  
 ; kn j [kuk 'oku , oa'kj dka ge ykxkadh ckr ughadgh egkjkt useu dh ckr dgh Fkha i kxy  
 gkuk i Mfck g\$ nfu; k dsi kxyi u l snij gkusdsfy; ; r\$ kj gksrksndk ykA

vfgd k ijeks /keZ dh t;

# ^ngkMks fl g dh rjg\*\*

14-04-2016

i kr%09%80

vki ykx tkursg&taxy dk jtkk@i'kq/kadk jtkk 'kj gq/k djrk g& fl g dsek= ngkM&usl s gh ijk taxy {kfn gkstrkr g& l c ykx vi u&vi useayp&fNi tkrsg& ; g fl g dk vi uk i Hk&to jgrk g& , d og fl g Fkk tks taxy ea, d k dk; Zdjrk Fkk tksvufpr FkkA , d ckj ml fl g us, d k dk; Zdj fn; k rkuk' kkg&A nknkfxjh c&sy [k. M eap&skj kgV dgrsg&

taxy dsvl; l Hkh l kffk; kausd&k tokc rksnsuk pkfg; & 'k&kl; 'kh?ka& ogkj, d cMk l ewg Fkk taxyh Hk& kadkA mudh Vksyh py i M&A 50 l sHk vf/kd eaFkspkj jkLrscuk fy; sm&ug&A , d&, d Vksyh pkjka vkj l svkdj ml s?kj fy; ka jtkk ekuk tkusokyk og 'kj f?kj x; ka jtkk dk l c l Eeku djrsg& ij og rkuk' kkg tks&ksx; k FkkA ; fDr rksFkh ml ds i kl ] ftl i M+dsu&psog c&Bk Fkk ml h i M+i j p<+x; ka pkjka vkj ns&krk g& l c vkj l svk&e.k g& l cdh vkj[k&ayky] jkr eark& pedrh gh Fkh fnu eaHkh ped jgh g& pk&skjh l kprk g&sd& rd fpi dk jg&kk] vc l kjh pk&skj kgV l ektr g&ksx; h] os?k. Vka&rd u&ps&Bs&jg& fp= ns&kk Fkk ea&us, d i &rd ea , d h fl&Ffr eark&dr oky Hkh gjk tkrk g&

taxy eajtkk ds l kFk jgrsg&, drk dk , d k i&kg Fkkj Fkk&M& Hkh xM&M& dj nh rks tokc feys&ka og Nyk&x y&kdj Hk&x x; k] ; sy&ks Hkh i hN&i hNsHk&x jgsF&A l d kj eatc LoHkko dk Hkny tkrsg&rksg&j gh gjk g& vki ykx fl g rks&g& ij vi usLoHkko dksHkny&sg& g&A vi uh pk&skj kgV dks de dj n&A vk&Rek dks&Bko] vk&Rek dh 'kfDr vk&Rek ds v&LrRo dks i gpk&ks tks l cl sfHk&Uu g& l c &0; vi u&vi useag&Si j ; svkrejke l sgh i gpk& l drsg& ij ?k&jkgV g&skjgh g&sf l g dh i ; k& ea Hk&A v&sg&M&+y&x&kuk Fkkj Hkny x; k vi uh vk&Rek d&A c&g& g&ksx; k jkt deh fr; p ou eut&; ij dHkh eut&; cu fr; p i j&A i fr' k&sk dh gh Hk&kouk jgrh g& ; fn l g {kk gh g&sn& j&ka dks rks vki dks l g {kk feyrh g& fl g rks&de&t&g& g&sk& g&sk&Fkh ds l keus&vdj og b/kj&m/kj ns&krk g&sm l dh l M+ l s?k&jkrk g& ; fDr l sog ml ij c&Bdj fl j dksQkM&+nr&k g& l M+rk&sm l dh t& hch t& h g&sk&h g& ml dkspy&kusokyk 0; fDr Hkh g&sk&' k; kj g&sk& g&

vk&Rek dksHkny&us&ds&dkj .k , d k g&sk&jg& g& ek&g jtkk cudj c&Bk g&st&cd& ek&g vk&Re' kfDr l sr&ks c&g& det&g& g&sk& g& i R; d {k.k , d h n; uh; n'kk ea&Q& k g&sk& g& ujd&ka&eaHk&A fr; p&ka&eaHk& , d h gh n'kk g&sk&h g& , d&n&nl& j&sl se&g& dh i frLi/k&Z&ds&dkj .k n&g&kh g&sk&jg& g& vc ; g l k&pk& g&sf&d i w&Z ea&fd; k x; k i q; dk d&N mn; eavk; k g&A Åij m&Bus&dk&@ t&ku&sd& d&N l k&ku mi y&C/k g&sk l dk g& og Kku gh l E; X&Kku g& gekjh n'kk Hk&sk&rd@vk&f&k&Z& n&V l sv&PNh g&ks& i j Hkh l E; X&Kku ds v&Hkko eage l Hkky ugh&i k; &A

; fn n&sk&L= xq dspj .k&ea&Hk&h vk tk; &sr&ks&Hk& l E; X&Kku , oal gh vk&pj .k ds v&Hkko ea&d&N ugh&g&sk i k; &ka c&pk&jk r&ks&g&Sgh cM& n; uh; n'kk g&A geus, d &, d s&de&Z&ck&ks&g&sk&n; k ugh&dj&sk& D; k&id oks t&M&+g&A ek&guh; de&Z i j n; k dj ns&ks&Hk&h ugh&dj l dr&sd; k&id ml ds i kl l E; X&Kku ugh&g&A t&ks&vi us&Kku dks l gh j [krk g&Sogh o'k ea&dj l drk g&A t&ks'k&j&kc i hrk g&Sogh xgy&Hkko ea

vrkr gA 'kjkc viusvki xysrd ughavkrhA ; fn l dYi ysykrks tksdeZvKku n'kk eackalksgS  
oghaKku n'kk earij gkstkrsGA Qad l drsgAmI 'kjkc dksFkd l drsgkA l dYi yusij , d k gkrk  
gA vki ykx l q jsgk&goA vc rksl c ksyusy&goA jktLFkk okysHkh cksyusyxA mB&cB]  
br&mrsdh ckrANkA/kA

l kgl djsviuh i ; kZ dh l qkyh gA ml vkrejke dh 'kFDr ij vLfk@J) ku djA og  
dghaHkh pys tk ; avki dsdke eavk ; xh] feV ughal drhA ge ml 'kFDr dks ugha i gpkuus l sgh  
obko@vkum l sofpr gA ge fl og ughaujfl og cuA ujfl og dk vi uk obko gSml scn eacr ; xA  
vkt bruk ghA de l e ; ea ; s , d k vksk/k gStks , d xsyh gh i ; kZr gA vk/kh xksh Hkh rksMelj nh  
tkrh gA gkbMkst gSgekjk bl l e ; dk mi ns kA

vfgd k i jeks /keZ dh t ;

## ^nokbz ugha vksk/k yk\*\*

15-04-2016

i kr%09%5

bl oDr de l e ; eægROI wZcckr dksl fki djdsvki rd nrk gA jfookj dksrksfoLrkj l s  
fey tkrk gA vki ykxkadsiki l e ; ughaGsvkj gekjsiki rks l e ; gkrk gh ughaG tkscgr  
l e ; eægksuokyk dke ; fn de l e ; eægksl dsrksdj yuuk pkfg ; A

vki ykx i fjfpr gkxskpkaea , d Hkhyokj uke dk i nkFkZ tksdkyk&dyyk gkrk gA , fl M gkrk  
gS tks tykus dh {kerk j [krk gA xpkaea tgk; oS] @MkVj ykx ugha i gpp i kr&ogk; Hkhyokj  
jkeck.k vksk/kh dh rjg dke djrk gA jke dk ok.k ugh& jkeck.k dk eryc vprd vksk/kh gA cPpks  
; k vU ; fd l h dks tc beyh@ [kVkbZ [kkus l s ; k i kuh i hus l s [kkd h yx tkrh gS rkscl Hkhyokj ys  
vkvkA bl s [kk ughal drsvfi rqtgk; dghaHkh yx tk ; srks tyk nrk gA ml sHkrj i gpkuk gS i j  
dS s 'kDdj ; k xM+dschp eabl srikdj , d ; k nkscn Vi dk nrsgA cl oks2 cpi ml ehBsds  
chp eaydj 'kjhj eai gpp tkrh gA [kkrsgH tks [kkd h Fkh l ekr gkstkrah gA vc 'kjhj eafryyh]  
fyoj] vek'k ; vkfn&vkfn vuud izdkj dh l jupuk gS tgk; dHkh /ki Hkh ugha i gprh] mu dkey  
vackadksog vksk/kh dHkh {kfr ugha i gprh gA

^nokbzogh gkrh gStksfoNfr dksnij djs , oal l Nfr dksl g f {kr j [kA\*\* vki ykx bl  
ckr dks ; kn j [kuk gA og yMelk Nks/k gS dpeky gS fdUrqog nokbz] jkeck.k vksk/k dsdke vrh  
gA 1&2 cpi ysyh mruseagh l c BhdBkd gkstkrah gA bl ds mi jkr Hkh i q ; &iki dke djrsgA  
bl dk eryc gS Hxoku dh HkFDr djusl siki dk gh {k ; gkrk gS tksykx i q ; dk {k ; Hkh dgrsgA  
mudks Hkhyokj dk ifjp ; djkvkA Hxoku dh HkFDr l s , d k i q ; l p ; gkrk gS ml HkFDr l s  
vl f ; krxqkh futj] k gkrh gA xBFkkaefy [kk gS l E ; XnV dksvPN&vPNsDokfyVh dk gh i q ; cak  
tc rd eQDr ughafeyxh rc rd gkrk gA

vki dk l qusdk dUKD; gš gekjk l ukusdk dke gš fo'okl djusdk vki dk dke gš gearks  
 oru fey gh jgk gš HkfDr l si ki dk {k; , oav{k; i q; dk l æg gkrk gš vki ykx ns kh nokbz i j  
 fo'okl ughaj [krA tksjks dksnck nsog nokbzgš gekjsi kl vksk/k gkrh gSog 'kks/kr dj nrh gš  
 gekjsi kl osl th ykx vkrsgš ut [ksgrsgš tksnkukarjQ l sde djrs gš ¼ ki dk {k; & i q; dk  
 l æg½ cdk gkrsgg shkh iki dk {k; dj nrk gš iF; : i ea yusl s'kfDr vkrh gš vkyL; nj gks  
 tkrk gš i q; dsmn; eagh vPNsdK; Zdj l drsgš vr%i q; dk gs ughal e>uk pkfg; } gk; i q;  
 dsmn; ea tksl kexh feyrh gš ml dsi fr fufjgrk jguh pkfg; A i kp fefuV ge o"kkādh [kkā h nj  
 dj nrsgš tksughavk i k; smudkshkh crk nsukA gekjk Hkhyok; dk mnkgj . k ; kn j [kukA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## ^fo'okl dk gks vgl kl \*\*

16-04-2016

i kr-%09%15

ge ft l dksmi s{kr djrs gš dkykUrj eaD; k rRdky eaQy n[ kusdk sfeyrsgš ft l dh mi s{kk  
 dh Fkh ml dk i fjp; , gl kl gkrk gš dHkh&dHkh vgl kl dsvHkko eafo'okl gS; k ugha, s k Hkh  
 Kkr gkrk gš tc vgl kl gkrk gS rks l keusn[ kuseavkrk gš ; srks Hkfredk gpA vc mnkgj . k l s  
 l e> eavPNh rjg vk tk; s kA

ek; vi uk dke dj jgh gš yMek ml dksdkbz dke ughagš og ck/kk Mky jgk gš eukj at u dj  
 jgk gš ek; tkrh gSfd ; seukj at u dj jgk gS; k T; knk eukj at u dj jgk gš og ckj & ckj nhi d  
 dh vkj tk jgk gš ek; l sdN ekx jgk gš ek; dgrh gSge nsnæ; l e; ij nsnæA ij ml yMedsdk  
 fo'okl ughagš vgl kl djka tks0; fDr nusdh {kerk ughaj [krk ml ij fo'okl dš sdjA vc  
 og ek; dh vkj [k ea/kny Mkydj vFkkz ml dsb/kj & m/kj n[ krsgh yi dj nhi d dks i dM+fy; kA  
 ^fo'okl dksvgl kl ds: i ea i fjorZi djuk vfuok; Zgš\*\* vc ek; dgrh gS ½ p < kdj ½ y&y scs/k  
 y&y scs/kA og yMek l kprk gš og Hk; kud phT gSfn [krh rksvPNh gš ml sgkFk ughayxkrsgš  
 gk; ml l sj l kbzcuk l drsgš fQj Hkh fo'okl djuk tYnh ugha djuk vU; Fkk xMεM+gh gkskA

tksfn [krk ugha ml ij fo'okl djuk dfBu gkrk gš Hkfo"; ea gSml ij fo'okl djuk  
 pkfg; A tksvuttkoh gSml ij fo'okl djka gk; fo'okl djusgr qfo'ol uh; gkA Hkysgh tksvuttkoh  
 gSvæBk Nki gh D; kau gksvki cgr i <sfy [ksD; kau gksi j fo'okl djuk t: jh gš

ft l {ks= ea tkuk gSml {ks= dk ml dks o"kkādk vuttko gš vc og i <k fy [kk gks; k u gk; ml s  
 ekuu pkfg; A fo'okl ml ij djuk gksxk] ekš tekxZea, s k gh gkrk gš ; srks cgr VM/k dke gš geus  
 l h/kk dc dgkA cgr dfBukbz l sfo'okl gks i krk gš vc oks yMek ckj & ckj dgxk ; sn[ kks; s  
 vuttko gš vki ykx J) ku dsLFkku ij J) ku j [kks tc rd J) ku u gksrksdgks^, sbrscB tk\*\*A



vuttko i ktr djuk gSrksdjka vkrEk ea vur Kku gSij /; ku j [kuk nhi d ds}kjk vaxfy; k; ty  
l drh gA ftUgkuvuttko l s, d k tku fy; k gSmudsi fr l efi r gksdj pyka

vkt dk ; q ek= orZku eans[k jgk gA vrhr dk i rk ughavukxr dk Hkh i rk ughagA , d  
chrk gvk dy gS , d vkusokyk dy gSbudk /; ku u j [k dOy orZku dksn[kusokysds t hou ea  
dydy gA Hkfo"; dsfo"; ea i rk ugh vrhr dsckjsearKku gSughaoksyki rk gS i rk rksvkt  
dk gA vaxyh tyxh&vc nll jkadksdgrsfOjka , d 0; fDr fo'okl ughadj jgk gS nll jk 0; fDr  
vuttko dj jgk gA fo'okl dsfy; shkh fo'okl fnykuk t: jh gA Lo; ai gysfo'okl dks thrka Kku  
, oaeku bl ea 0; o/kku mi fLFkr dj nrs gA vkt bruk ghA vki Lo; aykbu ea ugharks vki ds  
yM&cPpsdS sykbu eagka ge bl pDdj ea i M&k ughapkrA vkj rh@vfxu dks Nuuk ughagS  
bl eajkt fNik gA

vfgal k ijeks /keZ dh t;

## ^i kj .kk l s egROI w kZ /kkj .kk\*\*

17-04-2016

i kr%09%15

, d 0; fDr fcYdy LoLFk] ukMh dh /kMelu] 'okl vkfn Bhd gA 'kjhj&opu&eu l Hkh Lokfer  
gA og vi usgh ?kj dh , d efty dks i kj djrk gvk tk jgk gA fdruh efty ml sekye gA  
Aij&Aij tkusij 'okl @ok; qrktk fey jgsgA tkrk&tkrk Aij tkdj [kMh gksusdk LFkku  
cukdj [kMh gkdj fugkjr gSikNfrd n'; dka bl h chp , d k vgl kl gvk fd ml dksfdl h us  
/kDdk nsfn; ka dka 0; fDr fn; k i rk ughavki dksrks/kDdk ughayx jgka og uhpsdh vkj yM&  
x; kj og uhpsvkdj fxj x; ka cpusdk dksZl oky gh ughaD; kAd ApkbZdkQh FkhA ukMh vkfn l c  
an gkspdh Fkh og ej pplk Fkka

fdl vo; o dks/kDdk yxusl sbl dk ej .k gvkA 'kjhj dk dksZlHkh i kvZ {kfrxLr ughagvka  
, d i kvZftl seu@gkVZckysrgS ml eaHkh {kfr ugha i gph] ml ea/kkj .kk ; sgksx; h fd vc e&cp  
ughal drka x; ka /kkj .kk dsek/; e l stkukA vki dk 'kjhj tks i kx&fyd gS fopkj l s/kkj .kk l s  
vk; qdh mnhj .kk dh , oavUregurZeagh dke reke gksx; ka bl fy; svki yxs 'kjhj dsl kFk&l kFk  
geskk ekuf l d l rnyu cuk; sj [kka ; sl cl segROI w kZ gA vk; qdks i k. k Hkh dgrsgA 'kjhj dkseks/k  
cuk; s; segROI w kZ ughaegROI w kZ; g gSfd vki vi uh vo/kkj .kk l gh cuk; sj [ka rjg&rjg dh  
rktk&rktk rjdkfj; k; gksh gS mughadh rjg rktk&rktk vo/kkj .kk cuk; sj [kka vi us 'kjhj dks  
ughavk; qdeZdh mnhj .kk dkscpkuk t: jh gA i kj .kk dsi wZ/kkj .kk gksh gS /kkj .kk i Ddh jgrh gSrks  
l gh ckr gSfd i kj .kk Hkh i Ddh gksxA /kkj .kk dsdkj .k og rRo vi usvki vkrsgh jgrsgA vi us  
vki dksde u vkqds' k fDr vi kj gA

vfgal k ijeks /keZ dh t;

# ^fcu e; kzhk fo'okl dš k\*\*

18-04-2016

i kr%09%80

ge ykx i k; %dj J}ku ml ij gh djrsgSftl eal [k fufgr gA dšy fo'okl ek= l sdke ughagkr&i # "kkFkZHkh vko'; d gA l keusokysusfo'okl fnyk; k&; g ekU; rk ij vk/kkfjr gA vc 'kšk l ehfpu i # "kkFkZHkh vi š(kr gSrHkh fo'okl dj l drsgA bl smnkj .k ydj l e>rsgA

fdl ku usvi uscs/s l sdgkA ; scht gš bl scs k tkrk gš 4&5 eghusea; g Qyrk gSvkš g tkjkaxuk gkstrk gA ml sfi rkth ij ijk fo'okl FkkA cht fy; k vkš cksfn; kA fo'okl Fkk fQj Hkh 4&5 ckj ml chp dksfudkydj nš[kus dh pšVk dh tkscks k FkkA dš h i fØ; k gkrh gS; g ftKkl k FkhA firkt dhksekye i Mle rksdkg tkvkscht vadljr gpk fd ughh tš k gkrk gScs/k i gysgh dg nrk gS; sdke rksgeusi gysgh dj fn; k gA ml N"kd&i # usdgk ešrksfnu ea2&3 ckj nš[krk gšvHkh ughagp/kA fdl ku usdgk fd geaD; k ekye Fkk fd nš bl idkj dk yMedi u djrsgkš cgq xgj h ckr gSbl eA

fo'okl rksFkk ij Bhd l sfØ; kko; u ugha tkurk FkkA nš[kksrksog cht rhu dky eavdljr ughagkskA tc Hkh mxsck og vi uh e; kzhk eagh gkskA ; g e; kzhk gh geapkfj= dh vkš vkN"V djrh gA firkt dk vuHko gš ; g fo'okl gksuk pkfg; š e; kzhk pfj= dks i V djrh gA bl sgok ugha yxuh pkfg; A feeh dk Åij dk vkoj .k gkš cht Hkrj gkš feeh xhyh gkš Åij /ki gksrc tkdj g tkjkadh Ql y ydj vkusokyk og i kškk [kMle gks tkrk gA tksJ}ku&J}ku fpYyk jgk gš ml ds l keus; g iz u [kMle gks tkrk gš cht rkscks k ughans[k vkš jgk gA vkt rRo Kku ek= f'kfojkard l hfer gksx; k gA ml dsfo'okl ds l keusnš jkadksfo'okl djusea/kš Zfu/kkš .k djuk i MškkA vki dsfo'okl dscjseafkkMle l k l dko l k yxrk gA ; sckr vi uscPpkadsl keusdgksrks D; k i Hkko i MškkA e; kzhk dsvHkko eankukads Åij gh i Hkko i M+jgk gA dšy J}ku dsHkjd sge dHkh Hkh l Qy ughagkA e; kzhk dk /; ku j [kuk ekškekxZeat: jh gA

vfgd k i jeks /kež dh t;

# ^i w kžekl h dk plæek\*\*

19-04-2016

i kr%09%5

, d o"lz ea 12 i fi. kžek , oa12 vekol; k vkrh gA ftl i {k dsvar eavekol; k vkrh gSog cnh i {k dgykrk gA ftl eai fi. kžek og 'kšy i {k dgykrk gA vc 'kšy i {k dh ckr dksydj pyrsgA vekol; k dsnš jsfnusl s'kšyi {k yxrk gš plæek mn; dks i kr gkrk gA , d&, d dyk dks i wkZ djrspyk tkrk gš i fi. kžek dks i wkZpknuh gkrh gA , d&, d i j [kMle dsek/; e l sdey f[kyrk tkrk gA plæek , d&, d fnu eavi uh dykvkads [kšyrk tkrk gš , d i {k gksu i j l i wkZ dyk; a [kšy nrk gš l Qn&>d jgrh gA jkr eacPpsyks Hkh ml pkanuh ea [kšyrsgA i gysfnu Hkh dyk gSvkš

i {k dsckn Hkh dyk gSi j tc i fi. kék ij i wkárk i klr djrk gSrHkh l eæ meMÆk gÅ ; fn pæek l sgh meMÆrksi gysgh fnu Hkh meMÆuk pkfg; Å

'kðyi {k gkdj dsHkh i fi. kék dsfnu ij h i; [kðM+; k; [koyrh gÅ rHkh l eæ eamNky vkrk gÅ fodkl gkrsgg sHkh vi wkZpknuh l eæ eamNky dk dkj .k ughacurh gÅ ; sl c eabl fy; sdg jgk Fkk fd Lok/; k; i fe; ka dh /kkj .kk xyr cu tkrh gS; k /kkj .kk dksxyr cuk yrs gÅ tksdøyKku dk vlLokn gkrk gSog i wkZKku gkus i j gh gkrk gS 'kSk Kkukaadk vlLokn døy Kku dh Hkkfr ugha gkrk gÅ bl mnggj .k l svki l Hkh dks tkxir dj; k gÅ mn?kkfVr gksuk , oaml si wkZKku ds: i ea eku ysuk Bhd ugha gÅ e/; LfK voLFkk eaLokuHkñr i R; {k gkrsgg sHkh og bl døyKku dh rjg gkrk g& ; g xyr ckr gÅ vl; Fkk l eæ eamNky D; kaughavkrk gÅ , de-dks, de-dgæksi fi. kék rks ughadgæÅ nit dksnit dh rjg plæek gkrk gÅ ed yekuka ds; gk; nit dspæek dk gh egRo gS D; kfid , de-dksml plæek dh dyk bruh Nks/h dh og Li "V ughafn [krk gÅ

nit dk pæek Hkh l c yxskaadksughafn [krk gSfd l h LFkku fo'kSk eafdl h dksfn [k x; k rksbñ ekukuk i kjEHk djrsgÅ vr%i fi. kék dk pæek gh l eæ eamNky yk l drk gS ; g vkxe eadgk x; k gS ?kj dsvkxe eaughadgk x; k gÅ ge , d sgh ^go\*\* ughadgæS bl l svki ds l E; dKku eankSk yxska bl h l E; XKku dksfunkSk cukusokysvkxe dk gh l eFkZu djuk pkfg; Å

, d mnggj .k l svkS l e> l drsgksbl i jdsdi jsi dj .k dka l uk g&vk; øñ xBFkkaei <k Hkh gSfd i fi. kék dsfnu ver dh o"kkZ gkrh gÅ 'kðyi {k ea15 fnu gkrsgÅ ij 'kSk fnuka eaD; ka ugha bl fy; s; g ckr fl ) gSog ver cj l kusdh 'kfDr Hkh i wkZplæek dsi kl gh gÅ vl; fnu eaughA ml l qkka qobl hfy; sdgk gÅ

fo'kSk& vkpk; ZJh us t; /koyk th i <krsl e; fo'kSk'kkFKZ eafcydy xyr fy [k fn; k i a QmYplææth uA ml h ckr dk [koykl k ohj l u egkjkt th useyl w=ka ea vPNs l s dj fn; k cl fo{kkl l sv?kZyxkusokysdHkh HkVd ughal drk gÅ

vfga k ijeks /keZ dh t;

## ^fo'okl djks feysxh efdR\*\*

20-04-2016

i kr-%09%15

nks l kFkh l qg&l qg ?kæusdsfy; sfudy x; S ?kæus&?kæus jkLrk Hkoy x; Å xehZ dsfnu FkÅ , d l kFkh ckyk ge vkxsughat k l drsxehZ dk l e; gS xehZ c<æh] fBdkuk gSughA nit jk ckyk eku ykFkk&Hk rkspyksejh ckr ij fo'okl rksdjka igysokyk ckyk dkbZHkh rksughafey jgk gÅ vjsi jh{k k gkrh gSrksd{k k ea i dsk dsckn gh i jh{k k gkrh gÅ vkt dkbZHkh vi usLokFKZ dks NkMæj nit jsdksl g; ksx nsuk ughapkrkA

brusea, d rhl jk 0; fDr m/kj l keusl svkusyxkA txy Hk; kud gSfQj Hkh pyksdkbzrks vk; k oksvdsyk gSge nksGA i Nk dS &D; k gSrksml usdgg ; gk; l keus i kl eaunh gS vki FkkMk pyksrksml rd igp tk; xA og pyk x; k tc fdl h ij fo'okl gkrk gSrksml ds'kCn l qdj Hkh dB xhyk gkstrk gS vFkkz fdl h ij Hkjkl k djdsdB xhyk cuk; k tk l drk gA

bl h izdkj eDr dk ekxZvHkh ughafeyk fdllrqfo'okl djxsrkseDr vo'; fey tk; xhA vur dky l sHkVdrsvk; sgarkseDr dS sfeyxhA fo'okl djustl A tksHkh i kj mrjsgsfo'okl }kjk gh i kj mrjsgA vutko dsfcuk Hkh fo'okl djuk gkrk gA vutko ds l kFk fo'okl gkrk gh gS ij fo'okl ds l kFk vutko gksHkh l drk gSvkS ughaHkhA ekskekxZeagkFk i dMelj ughapyuk gkrk gA Hkxoku dsHkjkl sgh , d&, d dne c<uk gkrk gA tc rd ?kV ea i k. k gSrc rd Hkjkl k djrs tkvksbl h l svl &; xqkhdzftj k gksxA bl fo'okl dksdkbzYw Hkh ughal drkA d"V dsdkj .k gekjh vk;[kkaea i kuh ughavkuk pkfg; } cfYd vKku ds }kjk tksgeusdekadk cak fd; k ml ij i'pkrki gkuk pkfg; A orZku eabl fo'okl }kjk gh ge mu deka dksnj djusdk i #""kkFkZ dj l drsgA

vfgal k ijeks /kel dh t;

## ~fuæk noh gks o'k ea\*

21-04-2016

i kr%09%5

dN LFkkuka ij fuæk dh mi ; kfxrk ughacrkbA osdks&dks l sLFkku gAnoxfr eafuæk dk mn; ughagrk gA fr; Dp , oaeut; kaega fuæk noh vkrh gA ujdkaeaHkh fuæk ughavkrh gA noka , oa ujdkaea fuæk D; ka ugha ; siZu mBrk gA fuæk ds dkj .k l [kkuHkr ea deh gkrh gS tc fd noxfr eai d"V : i ds l kFk l qk dk Hkks gkrk gA

vki ykxkadksfuæk ughavk; srksfl jnnZgk tk; xkA l qk dh uhan ughavk jgh gSrksvki dgrs g&pyks; gk; l A uhan ds }kjk Hkh l qk gkrk gA ujdkaea, d l dsM Hkh fuæk ughavkrhA xeh& l nhZ dh cgr onuk jgrh gA , d ?k. Vh Hkh uhan u vk; srksvki ykx&rfgkj h otg l suhan ughavk jgh gA onuk eaHkh /; ku yx trk gA vHkh rks10 ctk gSoksHkh /; ku gSjkr dk 10 ctkA gkavHkh yx ugha jgh gA vki ykx l qjsgk&goA

ge vi usij .kkek l sgh nj gA bl sckyrsgal ozkkr i nfrA dkbZHkh fuæk ns'k?kkr ugha gA p{kqvkfn pkj n'kZkoj .k dh i nfr; k; ns'k/kkr gA ij i kpkafuæk; arks l ozkkr gh gA bl dsmn; ea dN Hkh /; ku ughagkskA bl fy; s/; ku djrs l e; fuæk er ysvkA /; ku futj k dk dkj .k gS i jUrq fuæk vk x; h rks, d Hkh uaj ughafeyxkA i jk dk i jk pks V dj nrh gS; gA ujdkaea fuæk ugha vkrh D; kad nqk i wkZHkksuk gS Loxkaea l ki wkZHkksuk gA ; gk; ds l B&l kgwdkj ~uhan ughavkor gS\* cMh&cMh xknh ij Hkh yMek nksrksHkh uhan ughavkS i Mlel ea tehu ij og etnj l qk dh uhan

I ksjgk gA bu I kgc dh nœku gsvkšj osl arksk dsl kFk jgrsgA

vk; sgq sdekæeau I [k dk] u nœk dk vutko djrsgA, d h jkl k; fud i fØ; k gkrh gš bl izdkj dsdeZdk mn; jgrk gA I o?kkfr gš, d >i dh Hkh vk; sch og ml vksj I s/; ku gVkdj I rdZgkstrk gA tksfuæk ughaysrk og vl [; kr xqkh futj k djrk gA 18 nkskæea, d fuæk dksHkh fy; k gš ftudksBk j [kk gSmudksmBk nksD; kfid mudsi kl fuæk gA Hkxoku dsi kl fuæk gksugha I drhA bl h rjg I E; Xn'kzu dh rnyuk vKku dsl kFk djuk Hkh cMh fuæk gA

ekyk] ep vksj ekbd ; srhu edkj gA dgk I sckysusyx tkrsg&i rk gh ughavkxe dsvk/kkj ij gh cksyA fpar k Hkh 18 nkskæea l s, d gšge rksfuf' par gA tksfuf' par gš ?kj & xgLFkh dh fpar k ughadjrsg&oksHkxoku cu x; A vki eafdl h dksi v/ dh fpar k gš fdl h dksi v/h dh fpar k gA i v/ dh fpar k 2 jks/h I si yjh gksl drh gSij i v/h dh fpar k geal kr I enj dsij ystkrh gA jkr&fnu , d dj nrk gsvFkk I ksughai rkk gš I E; Xn'V bl rjg dh fpar k I snij jgrk gA 24 ?k.Vk tksfpar k i hNsi Mh gSml I seqsnij gksuk gA vKku dksnij djds I E; XKku dk mi ; ks dj ysk pkfg; A bl izdkj vl [; kr xqkh futj k ds sgkrh gSbl sKkr dj k; kA vkyL; dksNKMedj fuæk ij fot ; i klr djA

vPN&vPNsMkDVj] oKkfud] batifu; j vkfn bl fuæk dso'k eagks tkrsgš ge brusnij I s vk; sgš fQj Hkh I ksjgsgægeal e; feyrk ughafQj Hkh dgrsgægeal kusunK uhm , d , d h phT gSu yTtk vkrh gš [kkV i kp i š dh Hkh gksrksHkh pyk yrsrgA ^uhm u ns[kaV/h [kkV] Hku[k u ns[ks>Bks Hkkr] I; kl u ns[ks/kksch?kkVA\*\*

gekjh ckr Bhd fudy x; hA vPN&vPNs0; fDr Hkh vi uh e; kzk NkM+nrsrgš dghaHkh yMEd tkrsgA /kksch dk ?kkV ughaxak dk ?kkV gš; gA bl fuæk ds mn; eal c e; kzk u"V gks tkrh gA ukjdh tho Hkh fuæk ughaysr; T; knk uhm u ysdj FkkMseajkr eavi uk dke fudky yA fnu eark I ksuk gh ughapkg; A rlo fparu djrsgq š tki djrsgq sFkkMse I e; dsfy; sfoJke dsl kFk uhm ysdj i yk dj ysk pkfg; A ujd ea1 ?k.Vk Hkh 1000 o"kkæch onuk dj k nrk gA

dekæ i j fu; U=. k dN I e; dsfy; sgksl drk gš i yk rksughagksl drkA Kku I sbl izdkj dk fparu djrsjgkA ; sgh /keZ/; ku gA dezi fj .kkekædksNKM-Hkko i fj .keu dksi # "kkFkZ }kj k fot ; i klr dj I drsgš ; sgh deZfutj k dsdkj . k gA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^R; kx dja i gkus l ldkjka dk\*\*

22-04-2016

i kr%09%15

vki ykxkadksKkr gksk fd gkFk dh vatryh eai kuh yrsrgårksge , d cm Hkh ughaNkMteuk pkgrs gsfQj Hkh l kjh dh l kjh vanyh [kkyh gks tkrh gÅ di MådsÅij bl l shkh foy{k.k nf"V l keusvkrh g\$ tc ml ij i kuh Mkyrsrgårks i kuh Nurk ughag\$ D; kåd di MådsHkrj l si kuh tk ughaik jgk dkj.k gSfd og di Mte u; k g\$ dkjk gÅ nplku l sdi Mte yk; sekM+l s; qR gÅ ftl i zkj , d su; s di M+l si kuh Hkrj ughatkrkj ml h i zkj ftudsl ldkj ughax; sg\$ mudsfy; shkh dñ l uk nsrks Åij&Åij gh jgsxA tkrk gh ughaHkrj u; k&u; k gÅ

rhl jk mnkgj .k vksj nsnA jktLFkku eageusn\$kk di Msdh gh cKYVh gkrh g\$ eks/sdi M+l scuh jgrh gÅ Åij l sFkkMte cgr Nyd tk; sij ckdh T; kadk R; kaml cKYVh eacuk jgrk g\$ di Msdh l jpk gh , d h gÅ , d vksj mnkgj .k&gk; vki dksHkh vPNk yx jgk g\$ eq-dksHkh vPNk yx jgk gÅ , d ?kMwgÅ xbl cksyrsgåb/kjA i kuh j [kk gpk g\$ ml ij di Mte , d sckk fn; k g\$ ml svkåkk yVdk fn; kA , d ?k.Vk gpk ughadh B.Mk&B.Mk i kuh fey tkrk gÅ

geushkh l kpk d\$ k Hkh xtgd D; kau vk; sml scāp; Zl sckk nrsrgåfQj mYVk yVdk nrsrgÅ l c Bhd gks tkrk d\$ shkh deZckk yrsg\$ xq vkadk l ekxe l sml eai fjoZu yk l drsgÅ , d mnkgj.k l svk\$ l tx djuk pkgrsg& , d ?kh dk ?kMte gÅ ?kh j [kr&j [krsog fpduk gksx; k] ml ij , d Hkh i kuh dh cm fvdxh gh ughaD; kåd fpdV&fpdV gksx; hA , d shkh xtgd vkrsgÅ fpdV LoHkko okysdñ Hkh i Hkko gh ughai M+k gÅ vki bueadkÅ l sgLo; ans[kÅ

vfgd k ijeks /keZ dh t;

# ^/; ku : i h i hu l s dja i zdk'k\*\*

23-04-2016

i kr%09%15

nñu; k eank i zkj dh 'kfDr g&, d iñxy dh 'kfDr vksj nñ jk vkRek dh 'kfDrA ; snksuka 'kfDr; k; vki l eal åk"kdjrh jgrh gÅ bl eal s; fn Nñuk pkgrsNñ l drsgÅ /kDde/kDdk rks pyrkh gh jgsxA mnkgj .k l sl e>A x\$ cùkh gkrh g\$ ml eavfXu dsl kFk ok; qdk Hkh i Hkko jgrk g\$ rsy dsek/; e l scùkh i Hkko fn [kkrh gÅ cùkh pkywgksxbZfdUrqchp eatkdj cm gksxbA vj\$ ; sD; k gpk\dñ ughagpka , d cùkh Fkh ml earkj yxk Fkk l lZl shkh i ryk ml l s; ñj fn; kA , dne l s i zdk'k gksx; kA

; g dke vanyh l sughags l drkA l lZl shkh ckjhd jgrk gÅ rsy Hkh Fkk] gok Hkh Fkh l c dñ Fkk] ; sgkrk gSI åk"ka i jh 'kfDr yxkuh i M+k g\$ var&var ealHkh QSy gks tkrsgÅ /; ku: i h i hu l sgh

i d'k'k g's i krk g' n[ k yk l c feydj ughavi uk&vi uk djuk g'skA vdsy&vdsysg'suk i Mæx  
 rc tkds dke g'sxk 1/2Mæckck egkeLrdkfhk"kd grqikVuh th&iHkr th] jtk i d't vkfn½ vki  
 i gyscBd cyk ykrc n[ k yx' des/h usJhQy p<k; kA dksu l h des/h cuk nhA i hu dh t: jr  
 i Mæxh] bl fy; si gysl kp ykse(kexZeadhHk Hkh] dgahHkh] dkbZHk deZvVd l drk g' Åij tkdj  
 fQj uhp'svkuk i Mæ'k g' cgr 0; oLFk djuh i Mæ'h g'Src tkdj Qkd Zi g'prk g'

dfBu dk; Zg' i j vkun Hk mruk gh g' , d ckj g'ksudsmi jkr l æ"lZdh ckr gh ughag' bruk  
 Qkd Zdsi kFk jgrk g' u gh r'sy fn [krk g'su gh gok d'oy e'Vy fn [krk g' di Mæ' t' k g'krk g'Sog  
 e'Vy&tyusi j i d'k'k n'r k g' g'Fk ughayxk l drsg' Nn g'sx; k rksx; k dke l æ xMæM+u g's  
 tk; sbl fy; si gys'e'Vy dksl j f{kr j [kk tkrk g' dPpk jgusi j i d'k'k ugh] Q'xk t' k jgrk g'  
 , s gh deZigystyk; k tkrk g' rHk vkRek dke djrh g' fcuk l kpsd'N ughag'krk /; ku yxkuk  
 i Mæ'kA u d'vj g'su o'vj g'scl cMæckck feyæ ge rksmudsg' n[ k yksvki ykx' bruk l æ  
 dk; Zg' & FkMæ l k dpjk vk tk; srksgVusdksr' kj ughaxyseavkdj vVd tk; srksD; k thou  
 g'krk g' ; g ekye i M+tk; s'kA vkRek fHku] 'kjh fHku g'sbl dh jV yxkus l sd'N ughag'skA  
 ek'kexZeækg ekxZij p'v yxkus l sgh ekye i Mæ'k g'

NkMæuk p'grsg' i j NkM+ugha i krs g' ækg i j p'v yxkrs g'ærc ekye i Mæ'k dh p'v fdruh  
 Hkjh g' Nw u tk; s'tc NkMæusdsfy; scBsg'srks l kp D; kajgsg' ækg rks t' s'kh Nw l dsos' sgh  
 NkMæ'æ c'ki d'Z gh ek'k g' c'ku dksr'k'ks, s' sfd ft l l si u%ugha t' l r'kh dke g'skA

dej dl dsr' kj g'stkv'æ dej dl usdk eryc tkursg'æ vjstksdej dl yrk g'Sog  
 fxjrk ughag' t' s'xkeh. k ykx tc [kr eadke djusdksr' kj g'krsg'ærksviuh dej dl yrsg'  
 ml dk; Zdksru&eu&/ku l sl efiZ' Hko l sdj'rg'æ ; sek'kexZekxZg'Sekg'ekxZugh' bl ækg dks  
 gh NkMæ' tkrk g'SrHk ek'kexZi k'r g'srk g' NkM+ugha i krsrksbl ækg dksdetkj cuk; k tkrk g'  
 vki ykx Hk vHk , s' k gh dj ykstkscytkj g'Sml sdetkj dj nksrFk tksdetkj g'Sml scytkj  
 dj n'æ , s' k djæsdHk ek'kexZdh vkj c<+l dæsvl; Fk ek'kexZdksrksfujl'j c<k gh jgsg'  
 i hu dk gekjk mnkgj .k ; kn j [kuk] T; knk [kph'yk rksg'ugha/; ku l sl p'ksr'rk' ; g i hu jg'skA  
 l cdk i hu vyx&vyx jg'skA l kefigd : i l sbruk crk fn; k ckdh vyx l sppkZdj yæ'

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^nokbz ugh&ijgst t: jh\*\*

25-04-2016

i kr%09%20

Hlxoku dks; kn djrsg&ml l e; ftl s; kn ughadjuk oksHkh vkrsg& ; sgh iz u gSuA ; siz u ughal eL; k g& rksge D; k dj&vkvk; k&usdgk&ftl s; kn djuk gSog rks/; ku eavk; sughavk& ftl s; kn ughadjuk gSog ; fn /; ku eavk; sx rksvkrZ; ku@jk&/; ku dk dkj.k vo' ; cus&kA nks&kj cks& ftl dks; kn u djksog ; fn vk; sx rkst: j vkrZ; ku dj&k; sx& bl fy; sdgk tkrk g& fd Hlxoku dks; kn dj&kA

vc D; k dj&fd vl; ; kn u vk; } td sHlxoku dks; kn fd; kA [kku&i hus dh ; kn vk x; h vFkok i p&sl&æ; fo" k; kadh ; kn vk x; hA Hlxoku Hkh Kku dk fo" k; cus, oai p&sl&æ; fo" k; l sdezdk cak gh gks&kA fo" k dks; kn djusl sfo" k gh p< &kA /keZ; ku djusl sfo" k nj gks&kA i p&sl&æ; fo" k; ; fn b"V ugharksd&N Hkh ; kn djksgekjk dkbZHkh foj&k ugh& ^tafd&po fpr&k& f.kjh fDrh gos tnk l kgj y) w k; , eUk& rnk gqrar l l f.kPN; a>k.kA\*\* ; g xkFkk æ0; l æg eavkrh g& tks dkbZHkh fpru dj&si j ml dsi fr fujhg of&uk j [k&A MK&Vj dsi kl tkrsg&k& MK&Vj nokbz&kn ean&rk gSi gysi jgst dj&rk g& ijgst D; k&dj&rg&kA ijgst l n& j&ks dh e&Dr ead&j.k g&rk g&A

l d kjh i k.kh eu dk pkdj@xyke g& ml sdgk tkrk g&sr& ml s; kn er dj&kA og ogh& ; kn dj&rk jg&kA b"V&vfu"V dh dYi uk g&rk jgrh g& /; ku ea tks b"V g&ml sgh ; kn dj&A j&ks l s e&Dr pk&rg&sg&rk&ml s; kn djuk Nk&M+nk&A ; kn u dj&ksbl dk eryc ml dh b"Vrk dks Nk&M+nk&A Hlxoku dks; kn djusl sc&k g&rk g& , d k , d&ur l sugha&ekur&kA cak ds l kFk gekjk Lo: i Hkh ; kn vkrk g& Lo: i okysd&sg&h ckj &ckj ; kn j [kuk g& tksd&N Hkh fpru dj&rg&sm l eab"V&vfu"V dh dYi uk ughadjukA

x&gLf&k voLF&k eav&kRek dh ckr dsfy; si j&ek&Rek dh ckr dgh g& /; ku dh ckr dh x; h g&A Hlxoku ds n' k&u d&k& muds ; kn djus dks ek= f&0; k&k.M ugh&ekuuk ml l s rks vl & ; kr x&q kh fut&j k g&rk g& j&ks dksnj djusdsfy, nokbz&ds l kFk j&ks ds&kj.k l si jgst j [kuk pkfg; & tksns jgk g&ml ij fo' okl g&ks& pkfg; & Hk&st u Hkh ; fn fo" k g&ks&yx&sr&ksml l sHkh ijgst djuk pkfg; &

tksvki dk fgr pk&rk g&Sog fo" k; k&eat&cjnLrh ?k& M&æ&k ugh&A tksfgr&skh g&Sog vki dksd&Hkh Hkh x&j ykbu ughadj&skl vki Hkysgh v&lk&ykbu cusjg&kA vki dks&ckj &ckj l Hk&ks&ck rHkh rksog vki dk l Ppk cakg&A Åij&Åij l seku ys&ksfd&ur&qHk&rhj l sugha&eku&ks vF&k&Z ml b&&ml b&Z rks ml dk i fj.kke Hkh ml b&&ml b&Zvk; sx&kA

l kd kfjd fo" k; kadh e&kl; rk xyr g&A tksforj.kh cusmudk ge /; ku D; k&dj&rg& bl fy; sdh ml&g&ks&ijgst j [kk] ge&Hkh ijgst dk mi ns&k nr&sg&A Hlxoku dh nokbz&dk /; ku j [k&A nokbz&rk& [k& [k&v&ks&v&ks& ijgst j [k&ks&ugh&arksbl l sup&l ku fd l dk g&ks&kl] fopkj.kh; g&A i p&sl&æ; fo" k; k&ad&k l nk ijgst j [k&æ&sr&ks&e&Hlxoku l si kF&Z&k dj&rk g&rf&d mudh nok vki l Hkh ij 10 fefuV eay&k&x&g&ks&t&k; &

vfg&l k ij&eks /keZ dh t;



# ^I ukuk ugha I ukuk&/keZ Jo.k\*\*

26-04-2016

i kr%09%20

nøxfr eavud i d kj dsno kadsfo" k; eao.ku vkrk gA mueadYi okl h noka eal ksyg Loxkå  
dk rFkk mul sÅij dYi krhr dsckjs eao.ku feyrk gA geal kpkuk pkfg; s dh ckjgh I s Hkhrjh  
ifj.kke dk egRo fdruk T; knk gkrk gA dYi krhr dks Hkh nks Hkxka ea9 xos d , oanl jk I k p  
vuðkj rFkk I k p vufin'k ds: i eack;VrsgA

I k p vufin'k rFkk I k p vuðkj eal E; Xn'f"V gh mlí é gkrsgA xos d eal E; Xn'f"V gh jgs, d k  
ughafeF; kn'f"V Hkh gkrsgA gkj yfdu I ksyg Loxkå I sÅij I c vgfellæ dgykrsgAvge-bo blæ  
vFkkz eSgh ejk blæ g@ Lokeh gA ejk Lokeh níl jk dkbZ ughags I drkA fdl h dksxjt gksog  
tkrk gks, d k Hkh ughagS D; kíd tks tk; sk og Nks/k vkj ftl dsikl x; k og dgxk ejsikl og  
vk; k FkkA mu xos; dka eal E; dn'kú dk dkj.k D; k dgk&tkfr&Lej.k , oa/keZJo.kA , d ckj  
x#th usbl fo" k; ij crk; k fd dku /keZJo.k dj k; sk ogkA I c dsl c rksv gfellæ gA vki vi us  
rd gh j [kkA /keZJo.k dsfy; snks0; fDr rkspkfg; } vU; Fkk ge /keZJo.k fdl sdjk; xA

/keZ Jo.k dgk& /keZ Jo.; ugha dgkA j-{kk- es ^/kekZera I r" .k% Jo.kHk; ka fi crq  
i k; ns}kú; ku\*\* vFkkz Lo; ai h; srFkk vU; dksHkh fi yk; ai oká dsfnuka eA fdlurqogk; xos d ea, d h  
0; oLFkk ugha ogk; ij /keZJo.k I dalkh ds k gkrk gS rksmúkj gS, d no vi usfoeku eai kB dj jgk gS  
jktk jk.kk N=i fr} gkfFku ij vl okj---- níl jsfoeku okyk 0; fDr I u fy; k} I uk; k ugha I quuseavk  
x; k bl dsek/; e I sl E; Xn'kú dh mRi fúk crkBA ¼i frHkklFkyh dh cguka }kjk vkpk; ZJh ; g rks  
vkt geusigyh ckj I ukA I ukusdh ckr ugha I ukusdh ckr gA ckjg HkkoukA I ksyg dkj .k Hkkouk  
dk fpru&i kB dj jgk gA Lok/; k; ogk; ij Hkh gkrk gS brusdky rd D; k djaksogk; dkbZ nptku  
rksgSughA bl rjg I E; Xn'kú dk dkj .k /keZJo.k crk; k&/keZJo.k.; ugha eqsl ukvksbl i d kj  
dh ckr Hkh ughavkoA

osyxk I eo'kj .k eaHkh ughavkrA vkuk&tkuk I ksyg Loxkå rd gh yxk gS vr%bl I sÅij  
okysno vi u&vi usfoeku vFkkz vi uh&vi uh I hek eagh jgrsgA níl jsl sckrsdja, d k Hkh ughagS  
cl vi uk Lok/; k; ] /ke&i kB djrsgA og i kB Hkh níl jkadsfy; sd"kk; mi 'kfer eadkj .k cu tkrk  
gA ogk; d"kk; fcYdy ugha dsckkj vFkkz uffkx ugha ckjckj dk eryc gS rks yfdu ml dk  
vflRro i dM+eaughavkrA Lo; ad"kk; eln dj dscBaxsrc , d k gksxA

vki yxk Hkstu djæ} yfdu fo#) Hkstu djæ} nokbz [kk; xsfQj 24 ?k.VsdbZckrs I ukbz  
vki yxk eryc dh ckr I ursgA Lo; adks I ukus I scg; vPNk yxrk gA nf{k.k eaLok/; k; dk  
eaxykpj.k vkckj fclnql a p r gkrk gS ml eavar eavkrk gSoDrk; %Jkrk; %I ko/kkur; k JqouR  
Lo; aHkh I ko/kku gksdj I ukA pkgsog if.Mr th gks; k pkgsefuegkjkt th gsrksD; k gksx; k Lo; a  
i gysl ukA rkyh D; kac tk; h ge i k; %dj dsl ukrgsLo; adshkko I u ugha i krgs bl fy; sckn ea

i 'pkrki gks tkrk gA vkoš k eavkdj fdl h usdgl ogk; ij dkbz vkoš k ughagA /keZ; ku dk mīs ; dkbz l q ysk rks ml s Hkh vPNk yxskA dj k ugha jgk gš Lo; a dj jgk gA , dklr ea cBdj mPpkj .k&i wZl ikB dj jgsg& vki vkun dk vutko dj&A tVvy fo" k; gks rks , dklr ea cBkš Lo; agh ml dk gy fey tk; skA nū jk l qusk rks tks vkun vki yw jgsgks ml sHkh feyskA , d chp eanhokj gh rks gA /kh&/khjscksy fy; kA

^l ož'kka l q[kaHkorq\* l Hkh fujksch gkA vki usfdl h l svkoš k eadn dg fn; k vc vki eul } opu l } dke l sdgksfd eš{kek pkgrk gw dkbz l qus; k u l qA nū jk ft l l s [kVi V gPZ ml rd i Hkko vo'; i MæckA l qkuk ugh&Lo; amPpkj .k i wZl djA [kEekeh l Oo thok. ka-A nū jk ads l keus tkdj jks vksugh Hkxoku ds l keus tkdj jks l drsg&vki vkj[kacn Hkh dj yks rks Hkh og rks l oK gS vki dksn [k gh jgsg&vki dghaHkh tkdj cBksrks Hkxoku rks vki dksfo" k; cuk gh y&A

^vUrks&vUrksæ">keh--- ^l qkuk ughagš ij ge tks i kB dj rsgš ml dk i Hkko nū jsvgfellæa ij i M+l drk gš vks og feF; kRo dks Nk&Mej l E; Dn' kZu Hkh xg. k dj l drk gA dkbz Hkh fØ; k Lo , oaij ds i fr vo'; mUkjnk; h gks h gA d"kk; ds vkoš ea; fn ge dkbz fØ; k dj jgsg&rks nū jk ml l si Hkkfor ughagš kA gekjh rj&sr Hkh i Hkkfor dj ik; æh tc ge vkoš k eau gkA tš s Oksu dh ?k. Vh ct jgh gš ij vkoktA dksygy dh dy&dy eaog ml Oksu dksughamBk ik; skA vki sea gk&sr Hkh ml /ofu dks l q l drsg&A og /ofu vki rd vk l drh gA Hkkokads }kjk i f"kr Hkko gh i Hkkfor dj rsg&ml h rjg vgfellæ ds }kjk nū jsvgfellæ i Hkkfor gks rsg& ; g xq th dk okD; gA vki yks u; k crk jgsg& vki ysk&dk i q; dk mn; vks ejk Hkh cgr rst i q; dk mn; gks ck rHkh rksu; h ckr ; kn vk; hA nks jkrsgq sl qk jgsg&rks ml dk i Hkko nū jsi j Hkh vo'; i MæckA de l e; eaHkh ykHk ysl drsg&

rhFk&dj kads l eks kj .k ea tk l drsg& ; gk; cB&cB sHkh fdUrq, d sHkko rd ugha dj rsg&{krf; d l E; Xn' kZu gš fQj HkhA Hkx&eHkx 'kjh ds }kjk vki yks gh dj rsg& fcuk 'kjh ds i fj. kka l @ Hkkokal sHkh vi uh Hkkouk i f"kr dj l drsg& ; gk; cB&cB sgh l eo'kj .k ea i dš k dj l drsg&A

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# ^vkn'kz thou&ifrHkk foKku\*\*

27-04-2016

i kr%09%15

xðFkka dsek/; e l sgeaKkr gkrk gSfd Åijhe Loxkãea, d dsckn , d foeku gkrs gð , oa Åij&Åij 0; oLFkk Hkh vyx&vyx gkrh gð dy tksfo"k; fy; k Fkk vkt ml l svyx gð

Loxkãeanokadh ftruh vk; q¼me½gkrh gSmrus i {k ea'okã , oaftruh vk; qmrusgh gtkj o"kkãeavkgkj gkrk gð vl a e rksogkj l nð cuk gh jgrk gð , ð h l fjo/kk Hkh muds ikl tc pkgs ver dk Lokn ysl drsgð dghavkuk&tkuk ughagð i kuh Nkuuk ughagð i huk Hkh ughagð fQj Hkh os ykx ftruh vk; qgSmrusgtkj o"lzckn vkgkj yrsgð tð s5 l kxj dh vk; qgSrks5 gtkj o"zëa vkgkj , oa5 i {k ea'okã } 33 l kxj dh vk; qokys33 i {k ckn 'okã yrsgð 'okã yuk , oaNkMæuk ea Hkh i fjJe gð ughayrsgrks?ckjkgV gkrh gð mlgæejusdk Mj ughagkrk A chp ea'okã D; kaugha vFkok chp eavkgkj Hkh ughayrsgðbl dk dkj .k ; g gSfd d"kk; emrk dsdkj .k HkksckfHkyk"kk ejh tð h jgrh gð enh tð h jguk&cksyrsGSu budh rksHk[k ejh tð h g&yxrh gh ugha vjsHk k! budh Hk[k ej l h x; h gð vkxe ea l Kkvka dh emrk ds dkj .k mruh mnhr ugha ftruh euð; &fr; E; kaeajgrh gð

vki ykx fnu eal ksttukj jkr eaHkh l ksttukj D; k l kprsgksosyys l krsughai j jgsk vl a e ghA l a e euð; j [k l drsgðogkj vl a e gh gSij bl ekeysearisl a e tð k utj vk jgk gð ; g d"kk; kadh emrk dk gh dkj .k gð ftueai R; {k jgrk gð mueavkdyrk dk gskuk ughai k; k tkrk gð bu nokaeaksughA tð &tð sÅij tkrsgð ifjxg rksghu , oal ðk vf/kd&vf/kd gkrk tkrk gð l ðk ds l eLr l k/ku gkaus dsckn Hkh vku&tkus¼vkokxeu½ dk Hkko gh ughajgrk gð ifjxg dh ek=k] ek= vkfn d"kk; ] Hk[k&l; kl vkfn dk ek=k de gkstrh gð

vku&tkusdsckjseahkh fodYi de gskuk pkfg; ð l q jgsgks; k ugha bu fnukaea; gkj D; kavk x; s¼ frHkk e. My dh vkj b'kkjk½gksh gð dbZyys vodk'k i klr gsk tk; srksxelzëad' ehj vkfn pystkrsgð; svkokxeu dh vkdyrk gð tc vl a eh eadeh vkrh gsrksl a eh earksvks deh vkuk pkfg; ð i frek rksc<kuk pkgrsgkð ft l sc<kuk gSoksughac<k jgsgkA tkuk&vkuk de dj nkA , s kksvkjke eaHkh deh dj nkA Åij&Åij dh d{kk dh vkj ns[k jgsgkA egjkt ejh i kp i frEkk gð ejh l kr i frek gsvks 'kð) cksy ughajgk gð l c dñ dj jgsgkð 'kð) rkscksy nkA food Hkh j [kuk pkfg; ð i R; ð fØ; k ds l kFk fo'kSk : i l sfoosd j [kuk pkfg; ð dks l sin eadkð l h {kerk g ml dk /; ku j [kka ftrusfu; U=.k j [kæks æ0; &{ks&dky&Hkko ij mruh gh deZ futj k vf/kd gkschA ykHk&gkfu rksns[k dj kA

ft l l sT; knk ykHk gksogh mi kns gð bruh d"kk; en jgrh gð Åij dsLoxkãeajgusokysnoka dh tku&vkusdh Hkkouk jgrh gh ugha tc fd i ðZHko eaoseuð; gkrsgð euð; eaHkh egkorh gkrsgð l ksyg l sÅij døy eðu gh tkrsgð Hkysgh feF; knf"V gkA VKW Vsu ua fdruk xM dsek/; e l s

mueavFkkz feF; knf"V Hkh VKW Vsu eavk tkrk gA l cdh , d gh ppkz gA vfhkeku ughadjukA l gh vgfellæ gA l cdh d"kk; kaeæenrk gkrh gA [kkuk&i huk vkfn l Hkh rksl eku gA

'okPNk okl Hkh ogk; de ysk i Mfk gA bl h izkj tkuusdsckjaeavkdyrk de gkrh gA 'kædk T; knk djuk gk' k; kjh ; k fo}rk dk i fjp; ughagA b/kj&m/kj dh ppkzNMæuk gh ughapkg; } D; kfid ; svuFKzn.M eavkrk gA ml jh ifrek eagh vk tkrk g&vuFKzn.MA egkjkt th oksifrek i gkuh gksxbzvc ubznsnkA bl h rjg ml h tkuusdksl gh tkuuk ekurk gwftl ds}kjk tle&eR; q dh futjk gkA ml h dks tkuusdk iz kl djka T; knk eu dsÅij tkj nsuk Hkh fgd k dk irhd gA T; knk l kpuk Hkh fgd k gA ^i æUk; ksxkUki k. k. ; i jksi . k fgd k\*\*A T; knk l kpusvFkok T; knk cksyus l sJe gkrk g\$ T; knk Hkktu djusl sHkh Je gkrk g\$ vkrkai j Hkkj i Mfk gA eku ykseks/j l kbfdy [kjh yn y i s/ky Hkh g\$ ubzdEi uh l s [kjhnh g\$ j kM Hkh vPNh g\$ pykuk i kjEHk dj fn; kA cl ml ea cæd yxkuk Hkny x; kA D; k gkskA dEi uh usrksxkj/h yh g\$ dN ughagkskA ml h izkj gekjk dguk g\$ ok; qdk n#i ; ksx er djka vk; qdk i k. k dgk] eu&opu&dk; , oai kp bflæ; kj Hkh i k. k gA

ykbV ughagSrksykbV tykdj Lok/; k; dj jsg\$ p'ek vyx l syxk j [kk gA vkEuk; vkfn Hkh Lok/; k; gA Hkktu ughadjrsgkrks i vt u Hkh can dj nkA fQj egkjkt ge D; k dj& .kekdkj egkeæ dh ekyk Qjka i pi je s Bh dk Lej .k djka bl eaLok/; k; Hkh gks tkrk gsvk\$ i vt k Hkh gks tkrh gA u i vt ; kFkkLuforj kxks-- ftl eal o j , oafutjk gksogh dk; Zdjka vk- l eUrHknz Lokeh us j-{-kk- eami okl dsfnu D; k djavk\$ D; k u djsdk o. kU djrsgq sdgk fd Lukukat u--- vFkkz Luku dk Hkh ml fnu R; kx djA de Je l sT; knk Qy ysusuk pkfg; A

oru i jk gh D; ka; fn Mcy feyarksvk\$ vPNk gA mu fnukafopkjkaefuezyrk T; knk ykusdk iz kl djuk pkfg; A bl izkj tksdk; Z; kX; ughagSmudk rksR; kx l Ei wkz: i l sdj nsuk pkfg; s , oa tks; kX; gSm l eaHkh de&de djrs tk; xA oksyxk 1/n0 1/2 Hkktu dschp uk' rk ughadjr\$ ; s uk' rk dh 0; oLFkk eut; thou eagh gA ogk; chp eadHkh bl izkj dk gkrk gh ughagSu gh feyrk gA ; seut; gh , d k i k. kh tksvf; fu=r gA i k. kh dgusl scjk rksughayxkA i k. kka i j vk/kkfjr gksus l s i k. kh gA bl eut; dksgh T; knk l ukuk i Mfk g\$ osyxk , d ckj eal e> tkrsgA ge D; k&D; k dj l drsgA cl ; gh Nks/k l k oDr0; gA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

# deZ dk Qy Hkksxuk gksxk

28-04-16

i kr%09%15

vkxe eaid æ vkrk gÅ i wZ thou eaD; k Fkk vksj bl thou eaD; k gÅ /keZJo.k&tKfr Lej.k vkfn dsek/; e l sKkr gks tkrk gÅ bl l su døy l E; dn'kZu gkrk gSvfi rqiijk dk iijk thou gh i fjoFrZ gkstkrk gÅ jko.k ds tho dksl æksku djusl hrk dk tho x; kA d#.kk dh Hkkouk] n; k dk Hkko gksu j , d k gkrk gÅ ; gk;ckj&ckj l e>kusi j Hkh dñ ughagkrk gSvksj ogk; , d ckj l e>kusea gh l e> eavk tkrk gÅ D; k gS; sl cA osvPNsl stkursgãfd fd; k gqk deZmn; eavkrk gÅ

vi usfoeku eaog ifrlæ cuk nØ l kprk gS pyksbl tho ij d: .kk@n'kk dh tkos@tkfr Lej.k Hkh gSogk;/keZJo.k Hkh gÅ iz kl D; k fd; k tkrk gS ml sfoeku eacBk fn; k x; k vc ml s; gk; l smBkdj yspykA , d ckj bl h rjg l hrk dksfoeku eacBkdj ystk; k x; k Fkk vkt jko.k dks vPNsl sck/kdj ystk; k tkuk Fkkaogk;jko.k i kl gksx; k Fkk vkt ; gk; ifrlæ Qy gksx; kA og {ks= l s{ks=klrj dksydj x; k fdUrq; g ujd xfr l sxR; klrj ystkusdh ckr gS dkbZHkh bl sLohdkj ughadjskA n; k eåHkh l hek rksgkuk pfg; Å , d k geusl qk Fkk vki ykskausHkh i neiijk.k eai <k gkskA

tS k xyseai k'k ckãkrsgãml h izdkj l c txg l sckãk fn; kA Kku dk iz ksx djusl s, d k gkrk gÅ nksukarS kj gÅ og rksLo; arS kj gSni jk dkbZgkrk rksog dñ dgrk ij ; snksuka tkursFksfd geus tksfd; k gSml sgeagh Hkksxuk i Mæka vkh ujd eaog oSØ; d 'kjhj gS jko.k dk vkãkfd 'kjhj Fkka jko.k vc l kp jgk gSvc ejk deZbl eadke ughadj l drk gÅ ; g rksotzd h ydhj ds l eku gÅ l kpus dh ckr ; g gSfd i frlæ ds thou dks ; g çãk D; ka ugha gqkA vc fi ?kyskA bl fy; sn; k l svkæZgÅ l keusokyk rS kj Hkh gÅ ; g Hkh rS kj gSij fQj Hkh j {kk ughadj l drk gÅ

/keZJo.k dk Hkh Hkko gSij deZdsvkxsdkbZHkh dñ ughadj l drk gÅ døyh Hkxoku dsi kl Hkh vur prqV; gSij deZdh 'kfDr dksl ekIr djusdh rkdr mudsi kl Hkh ughagÅ vullr oh; Z dh 'kfDr gSvksj deZ, d stks tyh jLI h ds: i eafQj Hkh jLI h rksjLI h gSpkgs tyh gksvFkok ugha gkA , d l dsM Hkh vk; qdksc<kus; k ?kVkusdh 'kfDr mudsi kl ughagÅ deZdh futj k ij .kkekads }kjk gkrh gÅ

; si Ddh ckr gSfd i frlæ ds tho ead#.kk rksFkh ij og ; g ughal e> ik; k fd deZdksbl izdkj çãk dj ystkusdh 'kfDr ejsi kl ughagÅ tc jko.k usmBk; k Fkk rksdkbZHkh , d k deZml ds l keusughavk; k tkml dk i frdkj dj l dA nØ yksx vkdj ml dh j {kk dj l drsFkS NqMk l drs FkA nØkaea'kki kuqçg dh 'kfDr gkrh gS D; ka ughafd; kA , d l hek rd gh l g; ksx@mi dkj vFkok vuqçg gksl drk gÅ ft l dsÅij gkuk gSml dk deZgkuk t: jh gSfQj Hkh ml dh , d l hek gkrh gÅ mnkgj .k feyrk gSpØorhZdk pØ geskk dke djrk gSogh ij fdUrq dHkh&dHkh dke ughaHkh djrk gÅ i fjØek Hkh yxk l drk gÅ pØ dg nsfd eårksl keusokysdk gqV; Å; ½ft l dk rst i q;

gksck ml h dsvud kj dk; ZgksckA

Hkj r pØorhZ dk iq; detkj iM+x; k vkj ckgpyh dk iq; cytkj gks x; kA jko.k dks I g; kx djustij Hkh dke gksughajgk gA egkjk tA jksvksughA jksvksrksvkj vf/kd deZcdk gksckA detkj dks I c nck nrs gA cytkj dksdkbzughanck I drkA tc deZdk mn; detkj jgsml h I e; dN gn rd dke dj I drsgA

og i frlæ dk tho eksg dsdkj .k uhapsdh i Foh eatkusdismi jkUr Hkh otz I sHkh vf/kd dBkj eke dh Hkkfir fi ?ky x; kA nksckj esus i <rc I e> eavk; k fd deZdsvkxsdkbZdh Hkh ughapyrh gA vki ykx Hktu eakrsg& ¼ c ykx cksyusy x% vki ykx ; kn j [kuk vi us I sghA rø I Ttu cu tkvks rø gh fudky ykA deZusfd; k rksog I Ttu dS sgkj Hkksrsl e; I Ttu cudj Hkks I drk gA f'kdk; r er dj kA f'kdk; r djust I sgh I Tturk ughajgrhA

gsHkxoku+ vki ughans[k jgsD; k\ vki ughal q jgsD; k\ esusvki dksvi usân; eacBk; k gA ; gkj vkØe.k gksjgk gA vc D; k djaHkxoku geaNkM+nkA D; k djsHkxoku vki usj [kk ml h : i ea j [kkA nfu; k dsdke djustsfy; sHkxoku dksj [kk D; k\ Hkxoku D; k&D; k djA vki dk iki ; fn cMk gSrksiq; ml dsS snij dj ik; xkA tkfr Lej.k dsek/; e I snksuka dks I e> eavk x; kA nksuka pkgrsrksFksij I e> ea; g vk x; k fd dkj .k D; k gA fd; sgq sdeZdksHkksxuk i MæckA J) ku gksrsgq sHkh dk; Zgks, s k ughagA nksukads i kl oSØ; d 'kjhj gS ij oS h onuk ughaFkhA dke ughagv k rc I e> eavk x; k fd dkj .k D; k gA vkxe dsbu i d ækal svi usfo'okl dksn<+djuk gksrk gA fo'okl n<+gksus I svkRe I rø"V gksrh gA I hek dsvud kj gh dk; Zgksrk gA I kSkeZblæ ; k i fr#æ vkfn ; gkj I sogkj rd i gpp x; sfdUr qdke ughagv kA tkfr Lej.k I svrhr dk , oa/keZ Jo.k I s orZeku dk i rk pyusdsckn Hkh dke gks, s k ughagS deZdh I Uk k egRo i wkZgA

vfgd k i jeks /keZ dh t;

## अनुक्रमणिका

क्र.सं.	दिनांक	विषय	स्थान	पृष्ठ क्र.
1.	24/11/2015	धन की नहीं धर्म की बात करो		1
2.	25/11/2015	काल बिना कुछ नहीं	रहली	1
3.	26/11/2015	तापत्रय से बचें	गढ़ाकोटा	1
4.	28/11/2015	जो चाहो सो पाओ	गढ़ाकोटा	2
5.	29/11/2015	देव करते हैं नमन	गढ़ाकोटा	2
6.	01/12/2015	भावना दूसरों के कल्याण की	गढ़ाकोटा	2
7.	02/12/2015	क्षयोपशम या क्षायिक	गढ़ाकोटा	3
8.	03/12/2015	कारण बिना कार्य कैसे	गढ़ाकोटा	3
9.	05/12/2015	विवाह संस्कार कैसे हो	गढ़ाकोटा	4
10.	07/12/2015	आओ करें क्षमा	गढ़ाकोटा	5
11.	09/12/2015	लकड़ी या कंकड	रहली	6
12.	11/12/2015	कुँए का पानी	रहली	6
13.	12/12/2015	दूध और घी की अनुभूति	रहली	7
14.	14/12/2015	फेरी-फेरे काटने वाली	रहली	7
15.	20/12/2015	रविवारीय प्रवचन	रहली	7
16.	22/12/2015	तुमरे बिन मेरा कोई नहीं	रहली	10
17.	23/12/2015	हमको क्या - इनको हमारा ध्यान है	रहली	10
18.	24/12/2015	जिसका ओर न छोरे	रहली	11
19.	25/12/2015	बाहर के नहीं भीतर के अतिशय को देखो	पटनागंज (रहली)	12
20.	26/12/2015	चित्र-चित्त को भटकाता है	रहली	13
21.	27/12/2015	आवों चलें ग्राम की ओर	मुहली	13
22.	28/12/2015	आहार ही औषधी	सिंहपुरी	14
23.	29/12/2015	फतेह हो गयी	तारादेही	15
24.	30/12/2015	तिगडम है दुःखदायी	तारादेही	16
25.	31/12/2015	भगवान को देख सकते हैं - दिखा नहीं सकते	तारादेही	17
26.	01/01/2016	मोक्ष स्वयं में महा है - महामोक्षफल क्यों	तारादेही	18
27.	02/01/2016	दर्पणवत् स्वभाव हो मेरा	तारादेही	19

---

28.	03/01/2016	वीतरागता का लड्डू	तारादेही	19
29.	04/01/2016	दान करे कैसे	तारादेही	20
30.	05/01/2016	त्याग और तपस्या की महानता	तारादेही	21
31.	06/01/2016	जब जागे तभी सवेरा	तारादेही	22
32.	07/01/2016	सुन्दर भाव ही धर्म पुरुषार्थ	तारादेही	23
33.	08/01/2016	मोह रुपी खग्रास ने घेरा आत्मा को	तारादेही	24
34.	09/01/2016	संगति का असर	तारादेही	25
35.	10/01/2016	चलें भेद से अभेद की ओर	तारादेही	25
36.	11/01/2016	कैसी हो हमारी दृष्टि	तारादेही	26
37.	12/01/2016	फेर दो	तारादेही	27
38.	13/01/2016	चिंता नहीं चिंतन करें	तारादेही	28
39.	14/01/2016	वीतरागता की सुगंध	तारादेही	28
40.	15/01/2016	स्थायी है सफेद रंग	तारादेही	29
41.	22/01/2016	चिपको मत उड़ो	तारादेही	30
42.	23/01/2016	करें उगते सूरज को प्रणाम	तारादेही	30
43.	24/01/2016	टांके का पानी	तारादेही	31
44.	25/01/2016	बादल का त्याग	तेंदूखेड़ा	32
45.	26/01/2016	शरीर को नहीं शरीरी को देखें	तेंदूखेड़ा	32
46.	27/01/2016	संस्कार बचायें पूर्वजों के	तेंदूखेड़ा	33
47.	28/01/2016	क्षुधा की शांति कैसे?	तेंदूखेड़ा	35
48.	31/01/2016	लज्जावान हो हर प्राणी	तेंदूखेड़ा	36
49.	01/02/2016	शरीर को नहीं आत्मा को देखें	तेंदूखेड़ा	36
50.	08/02/2016	भावों की महानता	तेंदूखेड़ा	37
51.	09/02/2016	एकता में एकतान है	तेंदूखेड़ा	38
52.	10/02/2016	सुगंध कहाँ	तेंदूखेड़ा	38
53.	19/02/2016	मन बना लिया	तेंदूखेड़ा	39
54.	23/02/2016	आओ जीते परिषह	तेंदूखेड़ा	39
55.	25/02/2016	स्पर्धा करो मोह कम में	कोनी जी	40
56.	26/02/2016	आवो मांजे भावों को	कोनी जी	41

---



57.	27/02/2016	आम से शिक्षा	कोनी जी	42
58.	28/02/2016	जीने से चलना नहीं, नसैनी से चढ़ना	कोनी जी	42
59.	29/02/2016	माँग उसही उसही न हो	कोनी जी	43
60.	01/03/2016	धूप आरती का कमाल	कोनी जी	43
61.	02/03/2016	कमाल का है चरखा-हतकरघा	कोनी जी	44
62.	03/03/2016	दृष्टि हो भीतर में	कोनी जी	46
63.	04/03/2016	अपने-अपने कर्मों का फल	कोनी जी	47
64.	06/03/2016	अच्छे कार्य के लिये मुहूर्त मत खोजो	कटंगी	48
65.	07/03/2016	सो सही दिशा में सही समय पर पुरुषार्थ	कटंगी	48
66.	08/03/2016	मन-वचन-कार्य तीनों शुद्ध हों	कटंगी	49
67.	09/03/2016	चंदन सम शीतलता पाने	कटंगी	50
68.	10/03/2016	असली-नकली का भेद पहचाने	कटंगी	51
69.	11/02/2016	गले में हो रस्सी	कटंगी	52
70.	12/03/2016	बीजत्व को करें समाप्त	कटंगी	53
71.	13/03/2016	महत्व नामकरण का	कटंगी	54
72.	14/03/2016	ज्ञान और शिक्षा का करें सदुपयोग	कटंगी	55
73.	15/03/2016	जीवन टायर एवं ट्यूब की तरह	कटंगी	57
74.	16/03/2016	दृष्टिकोण नहीं दृष्टि हो	कटंगी	58
75.	17/03/2016	किराये का घर/दुकान	कटंगी	59
76.	18/03/2016	ध्वजा का संकेत	कटंगी	59
77.	24/03/2016	संयोग वियोगमय है	कटंगी	60
78.	25/03/2016	सही दिशा में सही कदम	कटंगी	60
79.	27/03/2016	खिले कमल की तरह	जबेरा	61
80.	28/03/2016	जल तुम्हारा रंग कैसा?	चौपड़ा	62
81.	29/03/2016	संस्कृति की रक्षा हो	वनबार	64
82.	31/03/2016	उर्ध्वगति स्वभावी आत्मा	कुण्डलपुर	65
83.	01/04/2016	पुण्य का भोग - पाप का कारण	कुण्डलपुर	65
84.	04/04/2016	सफलता की कुंजी	कुण्डलपुर	66
85.	05/04/2016	दिशाबोध देना या लेना	कुण्डलपुर	67

---

86.	06/04/2016	देवशास्त्र गुरु रूपी जामन	कुण्डलपुर	67
87.	07/04/2016	ज्ञानी के छिन मांही	कुण्डलपुर	69
88.	08/04/2016	कषायगिन से बचें	कुण्डलपुर	69
89.	09/04/2016	आँखें बंद करूं या खोलूँ	कुण्डलपुर	70
90.	10/04/2016	अगरबत्ती की खुशबू	कुण्डलपुर	71
91.	11/04/2016	णमोकार मंत्र है स्वाध्याय-ध्यान	कुण्डलपुर	71
92.	12/04/2016	क्षमता का करें विकास	कुण्डलपुर	72
93.	13/04/2016	एक्शन नहीं डाइरेक्शन देखें	कुण्डलपुर	74
94.	14/04/2016	दहाड़ो सिंह की तरह	कुण्डलपुर	76
95.	15/04/2016	दवाई नहीं औषध लो	कुण्डलपुर	77
96.	16/04/2016	विश्वास का हो अहसास	कुण्डलपुर	78
97.	17/04/2016	पारणा से महत्वपूर्ण धारणा	कुण्डलपुर	79
98.	18/04/2016	बिन मर्यादा विश्वास कैसा	कुण्डलपुर	80
99.	19/04/2016	पूर्णमासी का चन्द्रमा	कुण्डलपुर	80
100.	20/04/2016	विश्वास करो मिलेगी मुक्ति	कुण्डलपुर	81
101.	21/04/2016	निद्रा देवी हो वश में	कुण्डलपुर	82
102.	22/04/2016	त्याग करें पुराने संस्कारों का	कुण्डलपुर	84
103.	23/04/2016	ध्यान रूपी पीन से करें प्रकाश	कुण्डलपुर	84
104.	25/04/2016	दवाई नहीं - परहेज जरूरी	कुण्डलपुर	86
105.	26/04/2016	सुनाना नहीं सुनना-धर्म श्रवण	कुण्डलपुर	87
106.	27/04/2016	आदर्श जीवन - प्रतिमा विज्ञान	कुण्डलपुर	89
107.	28/04/2016	कर्म का फल भोगना होगा	कुण्डलपुर	91

---